रजिस्ट्री सं. डी. (डी. एन.)—73

REGISTERED No. D. (D.N.)—73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 16] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 17, 1982/चैत्र 27, 1904

No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 17, 1982/CHAITRA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का॰ आ॰ 1515.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मै॰ शक्ति इन्सुलेटेड वायर्स प्राइवेट लिमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 1196/75) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 16/40/80-एम 3]

चन्द्रकान्त खुशालदास, निदेशक

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 5th April, 1982

S.O. 1515.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies & Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969) the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Shakti Insulated wires Pvt. Ltd., under the said Act (Certificate of Registration No. 1196/75).

[No. 16/40/80/M-III]

C. KHUSHAL DAS, Director

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 1982

का. आ. 1516.—केन्द्रीय सरकार, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट विनियम, 1964 की अनुसूची ख ख के पैरा 1 के उप-पैरा (2) के अनुसरण में, भारत सरकार के विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) की अधिसूचना सं. 1766 तारीख 26 जून, 1980 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, क्रम संख्यांक 27 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टि अंत:स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

28 विक्टोरियन विश्वविद्यालयों और विद्यालय परीक्षा बोर्ड आस्ट्रेलिया द्वारा संचालित की जाने वाली उच्चतर विद्यालय प्रमाण पत्र परीक्षा।

[फा. सं. 7/16/81-आई सी सी]

के. एन. रामचन्द्रन, उप सचिव

New Delhi, the 13th April, 1982

S.O. 1516.—In pursuance of sub-paragraph (ii) of paragraph 1 of Schedule BB to the Chartered Accountants Regulations, 1964 the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Company Affairs) No. S.O. 1766 dated the 26th June, 1980, namely :—

In the said notification, after serial number 27 and the entry relating thereto, the following serial number and the entry shall be inserted, namely :—

"28. Higher School Certificate Examination conducted by the Victorian Universities and Schools Examination Board, Australia."

[File No. 2/9/82-CL.V]

K. N. RAMCHANDRAN, Dy. Secy.

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1982

का० आ० 1517.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 25 की उप-धारा (1 क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के आर्थिक अपराध स्कंध कलकत्ता शाखा के सहायक लोक अभियोजक श्री बी० के० दास को भारत के किसी राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र, जिसमें उपर्युक्त धारा के उपबन्ध लागू होते है, मैं मजिस्ट्रेटो के न्यायालयों में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा आरम्भ किए गए मामलो का संचालन करने के लिए सहायक लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/5/82-ए०वी०जी०-11]

हरि कृष्ण वर्मा, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administration Reforms)

New Delhi, the 3rd April, 1982

S.O. 1517.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) (A) of section 25 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri B. K. Das, Assistant Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation, EOOW, Calcutta Branch as Assistant Public Prosecutor for the conduct of cases instituted by the Delhi Special Police Establishment before the courts of Magistrates in any State or Union Territory of India to which the provisions of the aforesaid section apply.

[No. 225/5/82-AVD. III]

H. K. VERMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1982

(आय-कर)

का० आ० 1518.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (15) के उप-खण्ड (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार द्वारा 4-2-1981 को पुरा स्थापित "विशेष निक्षेप स्कीम, 1981" को उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है ।

[सं० 4487 (फा० सं० 178/25/81-आ०क(ए1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 22nd February, 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 1518.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iia) of clause (15) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Special Deposit Scheme, 1981" introduced by the Government of India on 1-2-1981 for the purpose of the said section.

[No. 4487|F. No. 178|25|81-IT (AI)]

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1982

(आय-कर)

का० आ० 1519.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "हजरत पीरमोहमद शाह दर्गाह शरीफन्यास" को निर्धारण वर्ष 1981-82 से 1983-84 के लिए और उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है ।

[सं० 4492 (फा० सं० 197/264/80आ०क०(ए1)]

New Delhi, the 2nd March, 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 1519.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Hajrat Pirmohmed Shah Darga Sharif Trust" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1981-82 to 1983-84.

[No. 4492|F. No. 197|264|80-IT (AI)]

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1982

(आय-कर)

का० आ० 1520.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, "दि मुम्बई सैंट जेवियर्स सोसायटी" को निर्धारण वर्ष 1976-77 से 1981-82 वर्ष के लिए और उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है ।

[सं० 4508 (फा० सं० 176/170/78 आ० क(ए 1)]

मिलाप जैन, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 1982

(INCOME-TAX)

S.O. 1520. In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Bombay St. Xavier's Society" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1976-77 to 1981-82.

[No. 4508|F. No. 197|170|78-IT (AI)]

MILAP SINGH, Jt Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1982

का० आ० 1521—केन्द्रीय सरकार लोक ऋण नियमावली, 1946 के नियम 4 के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्द्वारा विनिर्दिष्ट करती है कि लोक ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की धारा 2 के खण्ड 2 के उप-खण्ड (ख) के प्रयोजनो के लिए किसी सरकारी प्रतिभूति का प्रपत्र इस प्रकार होगा —

"प्रपत्र (फार्म)

राजकोष हुण्डियां (रूपांतरण) विशेष प्रतिभूतिया, 1982 संख्या—

----------दिनांक ----------

भारत के राष्ट्रपति एतद्द्वारा वचन देते है कि मांग करने पर भारतीय रिजर्व बैंक को----------रुपए ----------(----------रुपए) की रकम अदा की जाएगी ।

2. ब्याज की अदायगी केन्द्रीय सरकार द्वारा राजकोष हुण्डियों की दर के आधार पर समय-समय पर निर्धारित की जाने वाली दर पर की जाएगी । 31 मार्च, 1982 से 30 जून, 1982 तक की अवधि के लिए ब्याज की अदायगी पहली जुलाई, 1982 को की जाएगी । उसके बाद

ब्याज की अदायगी छहमाही आधार पर प्रत्येक वर्ष पहली जुलाई और पहली जनवरी को की जाएगी। ब्याज की अदायगी इस नोट की तारीख से नोट का भुनाने की तारीख से ठीक पहले की तारीख तक की जाएगी।

3. यह नोट अपरक्राम्य है।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से
गवर्नर
भारतीय रिजर्व बैंक
प्रबन्धक
भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई
[सं० एफ० 5(16)-पी डी/82)]
अखिलेश चन्द्र तिवारी, संयुक्त सचिव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 31st March, 1982

S.O. 1521.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of rule 4 of the Public Debt Rules, 1946, the Central Government hereby specifies that the following shall be the form of Government Security for the purposes of sub-clause (b) of clause (2) of section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944), namely :—

"FORM

GOVERNMENT OF INDIA

Treasury Bills (Conversion) Special Securities, 1982
No. dated the

The President of India hereby promises to pay to the Reserve Bank of India on demand, a sum of Rs.

(Rupees).

2. Interest will be paid at a rate to be determined by the Central Government from time to time on the basis of the treasury bills rate. Interest would be paid on the 1st July 1982 for the period from 31st March 1982 to 30th June, 1982. Thereafter, interest will be paid half-yearly on the 1st July and 1st January of each year. Interest will be paid from the date of this note to the date immediately preceding the date on which the note is discharged.

3. This note is non-negotiable.

By order of the President of India.
Governor, Reserve Bank of India.
Manager, Reserve Bank of India, Bombay"

[No. F5(16)-PD/82]
A. C. TIWARI, Jt. Secy.

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1982

का० आ० 1522.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबंध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के बाद उक्त धारा 3 की उपधारा (च), (छ) और (ज) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की 17 अक्तूबर, 1977 की अधिसूचना संख्या एफ 9/32/77-बी० ओ०-1 के अंतर्गत नियुक्त निदेशकों के स्थान पर अप्रैल, 1982 के तीसरे दिन से प्रारम्भ होने वाली तथा अप्रैल, 1985 के दूसरे दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को इंडियन बैंक के निदेशों के रूप में नियुक्त करती है :—

1. श्री टी० एम० कल्यियाणन, चामुण्डी हाउस, सी० एच० बी० कालोनी, वेलूर रोड, तिरुचेंगोड्-637211, जिला-सलेम (तमिलनाडु)	उक्त बैंक के जमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
2. श्री ए० पोन्नुराई, भूतपूर्व अध्यक्ष, कलरायण लैम्प सोसाइटी, मनियारन कुनराम पोस्ट आफिस (वाया) वक्षमनुराई, चिन्नाकलरायन हिल्स. अत्तूर तालुक, सलेम जिला (तमिलनाडु)	किसानों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (छ) के अनुसरण में।
3. श्री सत्यनारायण गाथा, गाथा मूर्ति म्यूजियम, मूर्ति रोहल्ला, खजाने वालों का रास्ता, जयपुर (राजस्थान)	शिल्पकारों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (छ) के अनुसरण में
4. श्री आर० के० गोयल, चार्टर्ड एकाउंटेंट, राजेन्द्र के० गोयल एण्ड कम्पनी, ई-2/16, अंसारी रोड, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002.	धारा 3 की उपधारा (ज) के अनुसरण में।
5. श्री नरिन्द्र नाथ नन्दा, प्रोपराईटर, बी० के० इन्डस्ट्रीज, 25-ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया, ग्वालियर, (मध्य प्रदेश)	धारा 3 की उपधारा (ज) के अनुसरण में।
6. श्रीमती लीला दामोदर मेनन, "नोका" आजाद रोड, कालूर, कोचीन-682017, (केरल)	धारा 3 की उपधारा (ज) के अनुसरण में
7. श्री पी० वी० रंगाराव, मकान नं० 6-4-110, ब्राह्मण वाड़ी, हानमकोण्डा, जिला-वारंगल (आंध्र प्रदेश)	धारा 3 की उपधारा (ज) के अनुसरण में।
5. श्री वी० पी० मारक्कर, सामाजिक कार्यकर्ता, वेल्लाक्काल हाउस, इडापल्ली, कोचीन-682024, (केरल)	धारा 3 की उपधारा (ज) के अनुसरण में।

[सं० एफ 9/36/81-बी० ओ०-1]
च० वा० मीरचन्दानी, उप सचिव

(Banking Division)

New Delhi, the 2nd April, 1982

S.O. 1522.—In pursuance of calsue 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Schemes, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Indian Bank for a period of three years commencing on the 3rd day of April, 1982 and ending with the

2nd day of April, 1985, in the place of the Directors appointed under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) No. F. 9/32/77-BO. I., dated the 17th October, 1977 to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (d), (e) and (f) of the said clause 3 :—

1. Shri T. M. Kaliyannan, Chamundi House, C.H.B. Colony, Velur Road, Tiruchengodu-637211 Salem District (Tamil Nadu)	Representing the interests of depositors of the said Bank-in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
2. Shri A. Ponnudurai, Ex-President, Kalrayan LAMP Society, Maniyaran Kunram P.O., Karumandurai (Via) Chinnakalrayan Hills, Attur Taluk, Salem District, (Tamil Nadu).	Representing the interests of farmers—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
3. Shri Satya Narain Natha, Natha Moorti Museum, Moorti Mohalla, Khazanewalaon-Ka-Rasta, Jaipur (Rajasthan).	Representing the interests of artisans—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
4. Shri R. K. Goel, Chartered Accountant, Rajendra K. Goel & Co., E-7/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-110002.	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
5. Shri Narinder Nath Nanda, Proprietor, V. K. Industries, 25-A, Industrial Area, Gwalior (Madhya Pradesh)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
6. Smt. Leela Damodara Menon, 'Nauka', Azad Road, Kaloor, Cochin-682017. (Kerala)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
7. Shri P. V. Ranga Rao, House No. 6-4-110, Brahman Wadi, Hanamkonda, District Warangal, (Andhra Pradesh)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
8. Shri V. P. Marakkar, Social Worker, Vellakkal House, Edappally, Cochin-682024. (Kerala).	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

[No. F.9/36/81-BO. I.]

C. W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 अप्रैल 1982

का० आ० 1523.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक है तथा समीचीन है कि जूट, सूत और जूट सुतली का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाए,

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेज दिया है;

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त उप-नियम के अनुसरण में उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव देने का इच्छुक कोई व्यक्ति उन्हें इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिनों के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद 'वर्ल्ड ट्रेड सेंटर' 14/1 बी० एजरा स्ट्रीट (8 वी मंजिल) कलकत्ता को भेज सकता है।

प्रस्ताव

1— (1) अधिसूचित करना कि जूट, सूत और जूट सुतली का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाएगा।

(2) इस आदेश के उपाबंध में दिए गए जूट प्रारूप सूत और जूट सुतली निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम 1982 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे जूट सूत या जूट सुतली को लागू होगा।

(3) जूट सूत और जूट सुतली निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1982 के नियम 3 में अधिकथित अपेक्षाओं के अनुपालन के अधीन रहते हुए संविदात्मक विनिर्देशों को जूट सूत और जूट सुतली के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देना।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में जूट सूत और जूट सुतली के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उनके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से किसी एक के द्वारा जारी किया गया इस आशय का प्रमाण-पत्र न हो कि जूट सूत और जूट सुतली उप-पैरा (3) के अधीन मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है और निर्यात योग्य है।

2— इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेताओं को समुद्र, भूमि या वायु मार्ग द्वारा जूट सूत और जूट सुतली के नमूनों के निर्यात पर लागू नहीं होगी परन्तु यह तब जब कि ऐसे एक या अधिक नमूनों का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य 100 रुपए (एक सौ रुपए) से अधिक नहीं है।

3—इस आदेश में 'जूट सूत' से जूट फाइबर से काते हुए सभी प्रकार का जूट-सूत अभिप्रेत है और 'जूट सुतली' से जूट सूत की दो या अधिक लड़ियों को एक साथ बटकर बनाई गयी जूट सुतली अभिप्रेत है।

उपाबंध

[पैरा 1 का उप-पैरा (2) देखिए]

निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने वाले प्रस्तावित नियमों का प्रारूप।

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ .—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम जूट सूत और जूट सुतली निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1982 है।

(2) ये तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) 'अधिनियम' से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है ;

(ख) 'अभिकरण' से अधिनियम की धारा 7 के अधीन मुम्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली और मद्रास में स्थापित निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है ;

(ग) 'परिषद' से अधिनियम, की धारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद अभिप्रेत है ,

(घ) 'जूट सूत' से जूट फाइबर से काता हुआ सभी प्रकार का जूट सूत अभिप्रेत है ,

(ङ) 'जूट सुतली' से जूट सूत की दो या दो से अधिक लड़ियों को एक बटकर बनाई गयी जूट सुतली अभिप्रेत है,

3. उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण :— निर्यात के लिए आशयित जूट सूत और जूट सुतली की क्वालिटी , निम्नलिखित अपेक्षाओं के अधीन रहते हुए, इन नियमों से संलग्न अनुसूची I और अनुसूची II में विनिर्दिष्ट नियंत्रण के स्तरों सहित विनिर्माण के विभिन्न प्रक्रमों पर नियंत्रणों का प्रयोग करते हुए विनिर्माण मिल द्वारा सुनिश्चित की जाएगी, अर्थात :—

(1) परिषद की सलाह के अनुसार आवृत्ति (फ्रीक्वेंसी) में परीक्षण और निरीक्षण करने के लिए मिल के परिसर में उपयुक्त उपकरणों और कर्मचारियों से युक्त प्रयोगशाला और निरीक्षण विभाग की यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की जाएगी कि विनिर्मित उत्पाद मानक विनिर्देशों के अनुरूप है।

(2) अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट विनिर्माण के प्रक्रमों के परीक्षण और निरीक्षण के सभी अभिलेख विनिर्माण मिल द्वारा रखे जाएंगे और परिषद या अभिकरण को उपलब्ध कराए जाएंगे।

(3) इन नियमों के अधीन निरीक्षण के प्रयोजन के लिए लपेटन विभाग के एक दिन की समरूप परिस्थितियों के अधीन विनिर्मित एक प्रकार और क्वालिटी का सभी जूट सूत और जूट सुतली एक नियंत्रण एकक होगा।

जूट सुतली और जूट सुतली की विशेषताएं

(अनुसूची II की मद 2)

सारणी

क्र०सं० विशेषताएं	अपेक्षाएं
1—काउन्ट ग्रिस्ट	संविदा में अनुबंधित के अनुसार अभिहित काउन्ट या ग्रिस्ट 7 ± 5 प्रतिशत
2—बट या घुमाव प्रति इंच	प्रति 2-54 सेंटीमीटर (इंच) अभिहित बट या घुमाव ± 10 प्रतिशत
2—आर्द्रता कलेवाप्ति	
(i) जूट सूत या जूट सुतली (हेसियन या विशेष)	18 प्रतिशत अधिकतम
(ii) जूट सूत या जूट सुतली (सैकिंग)	(क) 550 टैक्स (16 पौंड ग्रिस्ट) तक सूत या सुतली के लिए 22 प्रतिशत अधिकतम
	(ख) 550 टैक्स (16 पौंड ग्रिस्ट) से अधिक सूत या सुतली के लिए 27 प्रतिशत अधिकतम।
(iii) पटसन सूत या पटसन तंतु सुतली (कालीन)	16 प्रतिशत अधिकतम
4—संतुलन कलेवाप्ति	
(i) जूट सूत या जूट सुतली (हैसियन या विशेष)	14 प्रतिशत
(ii) जूट सूत या जूट सुतली (सैकिंग)	20 प्रतिशत
(iii) जूट सूत या जूट सुतली (कालीन)	14 प्रतिशत
5—तैलीय अंश	
(i) जूट सूत या जूट सुतली (हैसियन)	6 प्रतिशत अधिकतम
(ii) जूट सूत या जूट सुतली (सैकिंग)	8 प्रतिशत अधिकतम
(iii) जूट सूत या जूट सुतली (कालीन)	2 प्रतिशत अधिकतम
(iv) जूट सूत या जूट सुतली (विशेष)	संविदा में विनिर्दिष्ट मूल्य से अधिक या 8 प्रतिशत जो भी निम्न हो।

टिप्पण: जब जूट सूत का काउन्ट टैक्स में अभिव्यक्त किया जाता है तब काउन्ट मूल्य जूट सूत के एक किलोमीटर का भार ग्रामों में प्रकट करेगा।

जूट सूत और जूट सुतली का विवरण

(अनुसूची II की मद 2)

सारणी

क्र०सं० क्वालिटी		क्वालिटी अनुपात प्रति०	सामर्थ्य सोबी प्रति०	न्यूनतम सामर्थ्य प्रति०	सामर्थ्य कोई भी तनन मूल्य निम्नलिखित से कम नहीं होगा
1	2	3	4		5
(क) जूट सूत					
(i) कालीन 206 टैक्स (6 पौंड ग्रिस्ट) से नीचे 275 टैक्स (8 पौंड ग्रिस्ट)		85	21		
(ii) 275 टैक्स (8 पौंड ग्रिस्ट) से नीचे 474 टैक्स (12 पौंड ग्रिस्ट)		90	20		अभिहित काउंट या ग्रिस्ट का 60 प्रतिशत एकस क्यू भार
(iii) 415 टैक्स से ऊपर (12 पौंड ग्रिस्ट)		100	18		
2—हैसियन		75	23		अभिहित काउन्ट या ग्रिस्ट का 55 प्रतिशत एक्स क्यू भार
3—सैकिंग		65	24		अभिहित काउन्ट या ग्रिस्ट का 50

1	2	3	4	5
				प्रतिशत एक्स क्यू भार
4—विशेष		कम से कम 90 के अधीन रहते हुए संविदा में विनिर्दिष्ट के अनुसार	18	अभिहित काउन्ट या ग्रिस्ट का 65 प्रतिशत एक्स क्यू भार

(ख) जूट सुतली संविदा में विनिर्दिष्ट मूल्य से कम नही (यदि संविदा में विशेष रूप से अनुबंधित हो तो परीक्षण तभी किया जाएगा)।

अनुसूची-I

विनिर्माण के प्रक्रम

1 नमूने का न्यूनतम आकार :—प्रत्येक क्वालिटी के लिए पूरे दिन (24 घंटो) में एक समान चुने गए 12 बोबीन या 12 रीलों या 12 काप।

2. प्रत्येक बाबीन या रील या काप में से 68-58 मीटर (75 गज) की लच्छी बनाई जाएगी।

3. सभी 12 लच्छियां एक ही बार में ग्रामों (ग्रौस) में तोली जाएंगी जिसमें सूत या सुतली की औसत ग्रिस्ट एम० आर० % परिकथित की जाएगी।

4. उपरोक्त 12 लच्छियों में से कम से कम 5 प्रतिशत एम० आर० (क्लेवाप्ति आर्द्रता) रीडिंग की जाएगी जिसमें से औसत एम० आर० प्रतिशत आर्द्रता क्लेवाप्ति परिकलित की जाएगी।

5. उपरोक्त 3 और 4 प्रक्रमों से सूत या सुतली की अंतिम औसत ग्रिस्ट एम० आर० (क्लेवाप्ति आर्द्रता) % के मानक पर (किस्म के लिए विनिर्दिष्ट के अनुसार) परिकथित की जाएगी।

6 उपरोक्त 12 लच्छियो में से तनन सामर्थ्य की कम से कम 50 रीडिंग ली जाएगी और सामर्थ्य सी० बी० (किस्म गुणांक) प्रतिशत को परिकलित करने के लिए आवृत्ति प्रणाली में अभिलिखित की जाएगी।

7. उपरोक्त के अनुसार 12 बाबीनों या रीलो या कामों में से चुने गए कम से कम 2 रीडिंग मोड़ या घुमाव प्रति 2-54 सेंटीमीटर प्रति इंच प्रत्येक बाबीन या रील या काम में से ली जाएगी और 24 रीडिंग की औसत परिकलित की जाएगी और प्रत्येक रीडिंग के लिए सूत या सुतली की परीक्षण लंबाई 25-4 सेंटीमीटर 10 इंच होगी।

8. उपरोक्त के अनुसार 12 बाबीनों या रील या काम में से 2 परख नमूने, भार में 20 ग्राम प्रति नमूना जूट सूत या जूट सुतली की तैलीय अंश प्रतिशतता निर्धारित करने के लिए निकाले जाएंगे।

अनुसूची-II

निरीक्षण के स्तर

1. साधारण अपेक्षाएं :

(1)(क) जूट सूत और जूट सुतली अच्छी क्वालिटी के जूट से निर्मित की जाएंगी और यह पत्ते के कणों कुंडल, ग्रंथीले, अपक्रम सूत, ढीले, सिरो, उलझी गांठों, लम्बी पुच्छ वाली गांठों, धब्बो और अन्य कताई के दोषों से मुक्त होगी।

(2)(क) जूट सूत एक रूप और एक रंग वाला होगा।

(ख) जूट सूत की दशा जूट का सभी सूत उसी काउंट का होगा जब तक कि ये विशेष रूप से विनिर्दिष्ट न किया जाए।

(4) जूट सूत और जूट सुतली क्रेता द्वारा विनिर्दिष्ट रीलों या लच्छियों या कापों के रूप में दी जाएगी।

2. विशिष्ट अपेक्षाएं या अनुरूपता के लिए कसौटी :—

(1) एक विशेष क्वालिटी का जूट सूत या जूट सुतली इन नियमो से संलग्न सारणी-I और सारणी-II में अधिकथित अपेक्षाओं के अनुरूप न होगा जब तक कि क्रेता और विक्रेता के बीच विनिर्दिष्ट रूप से अन्यथा करार न हो।

(2) काउंट ग्रिस्ट—परीक्षण के अधीन जूट सूत या जूट सुतली के नमूनों की औसत काउंट या ग्रिस्ट सारणी-I में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार होगी।

(3) प्रति 2-54 सेंटीमीटर (प्रति इंच) बट या घुमाव—परीक्षण के अधीन जूट सूत और जूट सुतली के नमूनों के औसत बट या घुमाव प्रति 2-54 सेंटीमीटर (प्रति इंच) सारणी-I में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार होंगे।

(4) क्लेवाप्ति आर्द्रता (अधिकतम)—परीक्षण के अधीन जूट सूत या जूट सुतली के नमूनों की औसत आर्द्रता क्लेवाप्ति सारणी-I में विनिर्दिष्ट प्रतिशत से अधिक नही होगी।

(5) तैली अंश प्रतिशतता (अधिकतम) :—परीक्षण के अधीन जूट सूत या जूट सुतली के नमूनों के अंश की प्रतिशतता सारणी-I मे विनिर्दिष्ट प्रतिशतता से अधिक नही होगी।

(6)(क) मानक तनन सामर्थ्य (न्यूनतम)—विशेष प्रकार की क्वालिटी के जूट सूत या जूट सुतली का मानक तनन सामर्थ्य मूल्य सारणी II में विनिर्दिष्ट क्वालिटी अनुपात और अभिहित काउंट के आधार पर परिकलित किया जाएगा।

(ख) परीक्षण के अधीन जूट सूत या जूट सुतली के नमूनों का तनन सामर्थ्य मूल्य मानक तनन सामर्थ्य मूल्य से कम नही होगा।

(7) अलग-अलग-जूट सूत के लिए तनन सामर्थ्य :—परीक्षण के अधीन अलग-अलग प्रत्येक जूट सूत का तनन सामर्थ्य मूल्य सारणी-II में विनिर्दिष्ट मूल्य से कम नही होगा।

(8) क्वालिटी अनुपात और सामर्थ्य सी० बी० प्रतिशत :—परीक्षण के अधीन जूट सूत या जूट सुतली का क्वालिटी अनुपात और सामर्थ्य सी० बी० प्रतिशत मूल्य सारणी-II में विनिर्दिष्ट मूल्य से कम नही होगा।

(9) सुतली में सूत की संख्या :—सुतली में सूत की संख्या साधारणतया संविदा में अनुबंधित से कम नही होगी।

4. पैकिंग और चिह्नांकन—नियम 3 के अधीन निर्दिष्ट नियंत्रण के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण उपायों द्वारा विनिर्मित सामग्री मानक विनिर्देशों में अधिकथित अपेक्षाओं के अनुसार यदि कोई हो, पैक की जाएगी और उस पर निम्नलिखित जानकारी चिह्नांकित की जाएगी।

(क) विनिर्माता का नाम या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न, यदि कोई हो।

(ख) गांठ संख्यांक या ट्रस संख्यांक।

(ग) कुल भार।

(घ) शुद्ध भार।

(ङ) सामग्री का नाम।

(च) मात्रा।

(छ) भारत में आयात करने वाले देश मे प्रवृत्त विधि द्वारा अपेक्षित कोई अन्य जानकारी।

5. मुहर चिपकाना—नियम 4 के अनुसार चिह्नांकित और पैक की गयी सामग्री की प्रत्येक गांठ या ट्रस पर परिषद् द्वारा इस प्रयोजन के लिए अनुमोदित मोहर विनिर्माण मिल द्वारा लगाई जाएगी।

6 निरीक्षण की प्रक्रिया —(1)(क) जूट सूत या जूट सुतली का निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ता या विनिर्माण करने वाली मिल—

(क) अपने ऐसा करने के आशय की संसूचना लिखित रूप में देगी और ऐसी संसूचना साथ ऐसे निर्यात से संबंधित संविदा में अनुबंधित विनिर्देशों की घोषणा अभिकरण के निकटतम कार्यालयों को भी देगी; और

(ख) ऐसी संसूचना के साथ यह घोषणा भी करेगी कि जूट या सूत सुतली के परेषण का विनिर्माण नियम 3 में निर्दिष्ट नियंत्रणों के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण उपायों का प्रयोग करते हुए किया गया है और परेषण में प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

(2) यथास्थिति, निर्यातकर्ता या विनिर्माण करने वाली मिल प्रत्येक परेषण की गांठ इस पर लगाए गए पहचान चिह्न की अभिकरण के निकटतम कार्यालय को देगा।

(3) उप-नियम (1) के अधीन प्रत्येक संसूचना और घोषणा विनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने से सात दिन पूर्व अभिकरण के निकटतम कार्यालय में पहुंच जाएगी।

(4) उप-नियम (1) के अधीन प्रत्येक संसूचना और घोषणा प्राप्त होने पर अभिकरण अपना यह समाधान होने पर कि जूट सूत या जूट सुतली का परेषण का विनिर्माण नियम 3 की अपेक्षाओं के अनुसार किया गया है और निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा इस संबंध में जारी किए गए अनुदेशों का, यदि कोई हो, का पालन किया गया है, घोषणा करते हुए प्रमाण-पत्र जारी करेगा कि परेषण निर्यात-योग्य है।

7. परेषणवार निरीक्षण—यदि किसी समय, विनिर्माता या विनिर्माण करने वाली मिल किसी कारणवश नियम 3 के 5 के उपबंधों के अनुसार उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण का पालन करने में असमर्थ रहती है, तो परिषद् द्वारा इस संबंध में जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार अभिकरण द्वारा परेषणवार पोत-लदान पूर्व निरीक्षण किया जाएगा और ऐसे निरीक्षण के लिए निरीक्षण फीस नियम 10 के अधीन विनिर्दिष्ट फीस की दुगनी दर से ली जाएगी।

8. निरीक्षण के लिए सुविधाएं—विनिर्माता या निर्यातकर्ता अभिकरण को यथा स्थिति नियम 6 या नियम 7 की अपेक्षानुसार निरीक्षण के लिए आवश्यक सुविधाएं देगा।

9. निरीक्षण का स्थान—इन नियमों के प्रयोजनों के लिए जूट सूत और जूट सुतली का निरीक्षण विनिर्माण करने वाली मिल के परिसरों में या अन्य किसी स्थान पर जहां परीक्षण सुविधाएं विद्यमान हों, किया जाएगा।

10. निरीक्षण फीस—जूट सूत या जूट सुतली के निरीक्षण के लिए निरीक्षण फीस निम्नलिखित दरों पर संदत्त की जाएगी।

(i) जूट सूत (कालीन या विशेष) या जूट सुतली (कालीन 955 रुपये प्रति मीटरिक टन विशेष)

(ii) जूट सूत (हैसियन) या जूट सुतली (हैसियन) 12-75 रुपये प्रति मीटरी टन

(iii) जूट सूत (सैकिंग) या जूट सुतली सैकिंग 8-45 रुपये प्रति मीटरी टन ।

(iv) जूट सूत (अन्य सभी किस्में) या
जूट सुतली (अन्य सभी किस्में अभिकरण द्वारा 12-75 रुपये प्रति मीटरिक टन)।

11. अपील—यथास्थिति, नियम 6 या नियम 7 के उप-नियम (4) के अधीन प्रमाण-पत्र जारी करने के इंकार से व्यथित कोई व्यक्ति, ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने से दस दिन के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए गठित विशेषज्ञों के पैनल को जिसमें कम से कम तीन व्यक्ति होंगे, अपील कर सकेगा।

(2) पैनल की गणपूर्ति तीन से होगी।

(3) ऐसी अपील पर पैनल पर विनिश्चय अंतिम होगा।

(4) अपील, प्राप्त होने के पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[सं० 6(13)/74-नि० नि० तथा नि०उ०]

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

ORDERS

New Delhi, the 17th April 1982

S.O. 1523.—Whereas the Central Government is of opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), it is necessary and expedient so to do for the development of export trade of India that jute and jute twine shall be subject to quality control and inspection prior to export ;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Cotrol and Inspection) Rules, 1964 ;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the persons likely to be affected thereby, notice is hereby given that any person desiring to forward, any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date of publication of this notification in the Official Gazette, to the Export Inspection Council, "World Trade Centre", 14/1B, Ezra Street (7th Floor), Calcutta-1.

PROPOSALS

1. (1) To notify that jute yarn and jute twine shall be subject to quality control and inspection prior to export.

(2) To specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Jute Yarn and Jute twine (Quality Control and Inspection) Rules, 1982, set out in the Annexure to this Order, as the type of quality control and inspection which shall be applied to such jute yarn and jute twine prior to export.

(3) To recognise contractual specifications subject to the compliance of the requirements as set out in rule 3 of the Export of Jute Yarn and Jute Twine (Inspection) Rules, 1982 as the standard specifications for jute yarn and jute twine.

(4) To prohibit the export in the course of international trade of jute yarn and jute twine unless the same is accompanied by a certificate issued by any one of the Export Inspection Agencies established under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that the jute yarn and jute twine conforms to the specifications recognised under sub-paragraph (3) and is export-worthy.

2. Nothing in this order shall apply to the export by sea, land or air of samples of jute yarn and jute twine to prospective buyers provided the f.o.b. value of one or more such samples does not exceed Rs. 100 (Rupees one hundred only).

3. In this order, "jute yarn" shall mean all varities of jute yarn spun out of jute fibre, and "jute twine" shall mean plied jute yarn made by twisting together two or more strands of jute yarn.

ANNEXURE

(See sub-paragraph (2) of paragraph 1)

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Insjection) Act, 1963 (22 of 1963).

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Jute Yarn and Jute Twine (Quality Control and Inspection) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on.....

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) ;

(b) "agency" means any of the Export Inspection Agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Act) ;

(c) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(d) "jute yarn" means all varieties of jute yarn spun out of jute fibre ;

(e) "jute twine" means plied jute yarn made by twisting together two or more strands of jute yarn.

3. Inprocess Quality Control :—The quality of jute yarn and jute twine intended for export shall be ensured by the manufacturing mill effecting the controls at different stages of manufacture, together with the levels of control, specified in Schedule I and Schedule II appended to these rules, subject to the following requirements namely :—

(1) A laboratory and inspection department shall be maintained at the mill premises, which shall be suitably equipped and staffed to carry out tests and inspection as the frequency advised by the Council to ensure that the products manufactured conform to the standard specification.

(2) All records of tests and inspection shall be maintained by the manufacturing mill of the stages of manufacture specified in Schedule I and shall be made available to the Council or agency.

(3) For the purpose of inspection under these rules all jute yarn and jute twine of one type and quality manufactured under similar conditions in one single day of the winding department shall constitute a control unit.

PARTICULARS OF JUTE YARN AND JUTE TWINE
(Item 2 of Schedule II)

TABLE I

Sl. No.	Characteristics	Requirements
1	2	3
1.	Count or grist	Nominal Count or grist as stipulated in the Contract ±7.5%
2.	Twist or Turns per inch	Nominal Twist or Turns per 2.54 Centimentres (Inch) ±10%
3.	Moisture Regain	
	(i) Jute yarn or Jute Twine (Hessian or special)	18% Maximum
	(ii) Jute yarn or Jute Twine (Sacking)	(a) 22% max. for yarn or twine upto 550 tex (16 lbs grist) (b) 27% max. for yarn or twine above 550 tex (16 labs grist)
	(iii) Jute yarn or Jute twins (Carpet)	16% maximum
4.	Contract Regain	
	(i) Jute yarn or Jute twine (Hessian or special)	16%
	(ii) Jute yarn or Jute twine (Sacking)	20%
	(iii) Jute yarn or Jute twine (Carpet)	14%
5.	Oil Content	
	(i) Jute Yarn or Jute twine (Hessian)	6% maximum
	(ii) Jute yarn or Jute twine (Sacking)	8% maximum
	(iii) Jute yarn and Jute twine (Carpet)	2% maximum
	(iv) Jute yarn or Jute twine (Special)	Not more than the value as specified in the contract or 8% whichever is lower.

N.B. : When count of the jute or is expressed in tex, the count value indicates the weight in grams of one kilometre of jute yarn.

PARTICULARS OF JUTE YARN AND JUTE TWINE
(Item 2 of Schedule II)

TABLE II

Sl. No.	Quality Ratio %	Strength C.V. %	Minimum Strength (no individual tensils strength value shall be less than)
(a) Jute Yarn			
(1) Carpet			
(i) 205 tex (6 lbs grist) to below 275 tex (8 lbs grist)	85	21	
(ii) Above 275 tex (8 lbs grist) to below 415 tex (12 lbs grist)	90	20	60% of the nominal count or grist X.Q.R.
(iii) Above 415 tex (12 lbs grist) and above	100	18	
(2) Hessian	75	23	55% of the nominal count or grist X.Q.R.
(3) Sacking	65	24	50% of the nominal count or grist X.Q.R.
(4) Special	As specified in the contract subject to minimum of 90	18	65% of the nominal count or grist X.Q.R.
(b) Jute Twine	Not less than the value as may be specified in the contract (To be tested only if specifically stipulated in the contract).		

SCHEDULE-I

Stages of Manufacture

1. Minimum sample size ; 12 bobbins or 12 spools or 12 cops selected uniformly throughout the day (24 hours) for each quality.

2. From each bobbin or spools or cop a hank of 68.58 metres (75 yards) shall be made.

3. All the 12 hanks will be weighed at a time in grammes (Ounces) from which the average grist of the yarn or twine at observed M.R. % shall be calculated.

4. From the above 12 hanks at least 5 M.R. (Moisture regain) % readings shall be taken from which the average M.R. (Moisture regain) % shall be calculated.

5. From stages 3 and 4 above, finally the average grist of the yarn or twine at standard M.R. (Moisture regain) % (as specified for the variety) will be calculated.

6. At least 50 readings of tensile strength shall be taken from the above 12 hanks and shall be recorded in frequency method to calculate the strength (Coefficient of varieties C.V. %.

7. From the 12 bobbines or spools or cops, as selected above at least 2 readings of turns or twist per 2.54 centimetres (per inch) shall be taken from each bobbin or spool or cop and the average of 24 readings shall be calculated and the test—length of yarn or twine for each reading shall be 25.4 centimetres (10 inches).

8. From the 12 bobbins or spools or cops, as above, 2 test samples, each sample weighing at least 20 grammes shall be drawn for determining oil content per cent of jute yarn or jute twine.

SCHEDULE-II

Levels of Control

1. General Requirements :

(1) (a) The jute yarn and jute twine shall be manufactured from good quality jute and it shall be free from leaf particles, snarls, slubs, specks, roots, loose ends, bad knots, knots with long tails, stains and other spining defects.

(2) (a) The jute yarn shall be of uniform construction and colour.

(b) In case of jute twine all the individual jute yarn shall be of the same count unless particularly specified.

(3) The jute yarn and jute twine shall be supplied in the form of spools or hanks or cops as specified by the buyer.

2. Specific Requirements or Criteria for Conformity :

(1) The jute yarn and jute twine of a particular quality shall conform to the requirements laid down in Table I and Table II appended to these rules unless otherwise specifically agreed to between the buyer and the seller.

(2) Count (Grist).—The average count or grist of jute yarn or jute twine samples under test shall be in accordance with the requirements as specified in Table I.

(3) Twist or turn per 2.54 centimetres (per inch).—The average twist or turns per 2.54 centimetres (per inch) of jute yarn or jute twine samples under test shall be in accordance with the requirements as specified Table I.

(4) Moisture Regain (maximum).—The average moisture regain of the jute yarn and jute twine samples under test shall not exceed the percentage as specified in Table I.

(5) Oil Content per cent (maximum).—The average oil content per cent of the jute yarn or jute twine samples under test shall not exceed the percentage as specified in Table I.

(6) (a) Standard Tensile Strength (minimum).—The standard tensile strength value of jute yarn and jute twine for particular quality shall be calculated on the basis of the standard quality ratio as specified in Table II and the nominal count or grist.

(b) The average tensile strength value of the jute yarn or jute twine samples under test shall not be less than the standard tensile strength value.

(7) Tensile strength strength for individual jute yarn.—The tensile strength value of each individual jute yarn under test shall not be less than the specified value in Table II.

(8) Quality ratio and strength C.V. %.—The quality ratio and the strentgh C.V. % value of the jute yarn or jute twine samples under test shall not be less than the value as specified in Table II.

(9) Number of yarn in twine.—The number of yarns in a twine shall not generally be less than as stipulated in the contract.

4. Packing and Marking.—The material manufactured by quality control measures as per controls referred to under rule 3 shall be packed as per the requirements, if any, laid down in the standard specifications and marked with the following information; namely :—

(a) Name of the manufacturer or registered trade mark if any.

(b) Bale number or truss number.

(c) Gross weight.

(d) Net weight.

(e) Name of the material.

(f) Quantity.

(g) Any other information required by the law in force in India and the importing country.

5. Affixation of stamp.—Every bale or truss of the material packed and marked in accordance with rule 4 shall be stamped by the manufacturing mills with the stamp approved for the purpose by the Council.

6. Procedure of inspection.—(1) The exporter or a manufacturing mill intending to export jute yarn and jute twine shall—

(a) give intimation in writing of his intention so to do and submit alongwith such intimation a declaration of the specifications stipulated in the contract relating to such export to the nearest office of the agency; and

(b) submit alongiwth such intimation a declaration that the consignment of jute yarn and jute twine has been manufactured by exercising quality control measures as per controls referred to under rule 3 and that the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised for the purpose.

(2) The exporter or a manufacturing mill as the case may be, shall also furnish to the nearest office of the agency the identification marks applied on each bale or truss of the consignment.

(3) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall reach the nearest office of the agency not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises.

(4) On receipt of intimation and declaration under sub-rule (1), the agency, on satisfying itself that the consignment of jute yarn or jute twine has been manufactured as per requirements of rule 3 and the instructions, if any, issued by the Council in this regard, have been observed, shall issue a certificate declaring the consignment as export-worthy.

7. Consignmentwise inspection.—If at any time, the manufacturer or manufacturing mill fails to implement inprocess quality control in accordance with the provisions of rules 3 to 5 due to any reason, pre-shipment inspection shall be carried out on a consignmentwise basis by the agency in accordance with instruction issued by the Council in this

regard and the inspection fee for such inspection shall be charged at double the rates specified under rule 10.

8. Facilities for inspection.—The manufacturer or exporter shall provide all facilities to the agency to carry out inspection as may be required under rule 6 or rule 7 as case may be.

9. Place of Inspection.—Every inspection of jute yarn and jute twine for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the manufacturing mill or any other place where testing facilities exist.

10. Inspection Fee.—Fee at the following rates shall be paid as inspection fees for Inspection of jute yarn and jute twine :—

(i) Jute yarn (carpet or special) or jute twin (Carpet or special) Rs. 9.55 per m. tonne

(ii) Jute yarn (Hessian) or Jute Twine (Hessian) Rs. 12.75 per m. tonne

(iii) Jute yarn (Sacking) or Jute Twine (Sacking) Rs. 8.45 per m. tonne

(iv) Jute yarn (All other varieties) or jute twine (All other varieties) Rs. 12.75 per m. tonne.

11. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (4) of rule 6 or rule 7 as the case may be, may, within ten days of the receipt of the communication of such refusal, prefer an appeal to panel of experts consisting of not less than three persons, as may be constituted for the purpose by the Central Government.

(2) The quorum of the panel of experts shall be three

(3) The decision of the panel of experts on such appeal shall be final.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

[No. 6(13)/74-EP&EP]

का. आ. 1524.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है कि हल्दी का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाए :

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है ;

अत. केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है,

2. इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि यदि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आदेश या सुझाव भेजने का इच्छुक कोई व्यक्ति उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण अभिकरण-कोचीन, 'मनोहर बिल्डिंग' एम जी रोड, कोचीन-682011 को भेज सकता है ।

प्रस्ताव

(1) अधिसूचित करना कि हल्दी का निर्यात से पूर्व (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) किया जाएगा ;

(2) इस आदेश के उपबंध-1 में दिए गए प्रारूप हल्दी निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1982 के अनुसार निरीक्षण के प्रकार को ऐसे निरीक्षण के प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसी हल्दी पर लागू होगा ।

(3) समय-समय पर संशोधित किए गए हल्दी के श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1964 के अधीन बनाए गए श्रेणी अभिधानों को, हल्दी के मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देना ।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान, हल्दी के निर्यात को तब तक प्रतिषिध्द करना, जब तक कि केन्द्रीय सरकार द्वारा मानता प्राप्त चिन्ह या सील ऐसे हल्दी के पैकेजों और डिब्बों पर चिपकाई या लगाई नहीं गई है कि वह उस पर लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप है और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार या इसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अधिकारी या राजपत्र में अधिसूचना के द्वारा केन्द्रीय सरकार किसी भी अधिसूचित अभिकरण द्वारा जारी किया गया श्रेणीकरण का प्रमाण-पत्र इसकी योग्यता के योग्यतर के प्रमाण स्वरूप नहीं लगा है ।

3. इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेताओं को भूमि, जल या वायु मार्ग द्वारा हल्दी के पचास रुपये से अनधिक मूल्य के नमूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी ।

4. इस आदेश में 'हल्दी' से भारत में उत्पादित **कुर्कमा लोंगा एल** पौधे का हल्दी प्रकन्द अभिप्रेत है ।

उपाबन्ध—1

निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने वाले प्रस्तावित नियमों का प्रारूप ।

नई दिल्ली, 1982

का. आ. .—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ** : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हल्दी का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1982 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. **परिभाषा** :—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो —

(क) 'अधिनियम' से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है,

(ख) 'कृषि विपणन सलाहकार' से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है,

(ग) 'निरीक्षण अधिकारी' से हल्दी का निरीक्षण करने के लिए कृषि विपणन सलाहकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी या अधिनियम की धारा 7 के अधीन अभिकरण के रूप में मान्यता प्राप्त कोई अभिकरण अभिप्रेत है,

(घ) 'प्राधिकृत पैकर' से ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का ऐसा निकाय अभिप्रेत है जिसे भारत सरकार के

कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या अधिनियम की धारा 7 के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा नियमों के अधीन विहित श्रेणी मानक प्रक्रिया के अनुसार वस्तु को श्रेणीकृत और चिह्नांकित कराने का प्रमाणपत्र दिया गया है ।

(ङ) 'प्राधिकरण का 'प्रमाण-पत्र' से कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी या अधिनियम, की धारा 7 के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अभिकरण द्वारा किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के किसी निकाय का दिया गया प्रमाण-पत्र अभिप्रेत है जो हल्दी का (अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यता प्राप्त) श्रेणीकरण कराने का इच्छुक है ।

(च) 'हल्दी' से भारत में उत्पादित कुर्कमा लौंगाएल पौधे का हल्दी प्रकन्द अभिप्रेत है ।

3 निरीक्षण का आधार :—निर्यात के लिए आयातित हल्दी का निरीक्षण इस दृष्टि से किया जाएगा कि वे अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है ।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया — (1) निर्यात के लिए आयातित हल्दी कृषि विपणन सलाहकार द्वारा या अधिनियम की धारा 7 के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा इस निमित्त जारी किए गए आदेशों के अनुसार केवल प्राधिकृत पैकर द्वारा पैक और श्रेणीकृत की जाएगी ।

(2) प्राधिकृत पैकर की यह जिम्मेदारी होगी कि वह हल्दी का श्रेणीकरण करने और उसके नमूने लेने की ऐसी व्यवस्था करे और परीक्षण करने के लिए अपेक्षित सुविधाएं भी देगा जो कृषि विपणन सलाहकार या अधिनियम की धारा 7 के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा विहित की जाए ।

(3) हल्दी का निर्यात करने का इच्छुक प्राधिकृत पैकर कृषि विपणन सलाहकार या अधिनियम की धारा 7 के अधीन मान्यता प्राप्त किसी भी अन्य अभिकरण द्वारा विहित ऐसे ब्यौरों सहित निकटतम निरीक्षण अधिकारी को लिखित सूचना देगा ताकि वह नियम 3 के अनुसार हल्दी के लाटों को श्रेणीकृत तथा चिन्हांकित कर सके ।

(4) उप-नियम (3) के अधीन प्रत्येक सूचना :—

(क) निरीक्षण अधिकारियों के मुख्यालयों पर स्थित पैकिंग केन्द्रों पर श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने से कम से कम 2 दिन पूर्व दी जाएगी

(ख) अन्य स्थानों पर जो निरीक्षण अधिकारियों के मुख्यालय पर स्थित नहीं हैं, श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने से कम से कम 10 दिन पूर्व दी जाएगी ।

(5) उप-नियम (4) में निर्दिष्ट सूचना प्राप्त होने पर निरीक्षण अधिकारी कृषि विपणन सलाहकार या अधिनियम की धारा 7 के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार हल्दी के परेषणों का निरीक्षण यह जांच करने की दृष्टि से करेगा कि वे नियम 3 में निर्दिष्ट मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है ।

(6) यदि निरीक्षण अधिकारी का समाधान हो जाता है कि परेषण नियम 3 में निर्दिष्ट विनिर्देशों के अनुसार है तो वह कृषि विपणन सलाहकार या अधिनियम की धारा 7 के अधीन मान्यता प्राप्त अन्य अभिकरण द्वारा जारी किए आदेशों के अनुसार हल्दी के डिब्बा और पैकेजों पर चिपकाने के लिए लेबल जारी करेगा ।

परन्तु यदि निरीक्षण अधिकारी का इस प्रकार समाधान नहीं होता है, तो वह उक्त लेबल जारी करने से इंकार कर देगा और तथ्य की उसके कारणों सहित सूचना लिखित रूप में तुरन्त प्राधिकृत पैकर को देगा ।

(7) श्रेणीकृत और लेबल लगे तथा हल्दी के परेषणों का निर्यात करने का इच्छुक प्राधिकृत पैकर कृषि विपणन सलाहकार या अधिनियम की धारा 7 के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा विहित ब्यौरों सहित हल्दी की निर्यात योग्यता के प्रमाण-स्वरूप श्रेणीकरण का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए निरीक्षण अधिकारी के निकटतम कार्यालय में आवेदन देगा ताकि वह नियम 3 के अनुसार ऐसा प्रमाण-पत्र जारी कर सके ।

(8) उप-नियम (7) के अधीन प्रत्येक आवेदन :—

(क) उपनियम (7) में निर्दिष्ट प्रमाण-पत्र निरीक्षण अधिकारी के मुख्यालय पर स्थित पैकिंग केन्द्रों पर जारी करने से कम से कम 2 दिन पहले दिया जाएगा

(ख) उप-नियम (7) में निर्दिष्ट प्रमाण-पत्र, अन्य स्थानों पर जो निरीक्षण अधिकारी के मुख्यालय पर स्थित नहीं हैं, जारी करने से कम से कम 3 दिन पहले दिया जाएगा ।

(9) उप-नियम (7) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर निरीक्षण अधिकारी हल्दी के श्रेणीकृत परेषणों का निरीक्षण करेगा और प्रत्येक श्रेणीकृत लाट के लिए पृथक जांच नमूना लेगा ।

(10) यदि उप-नियम (7) में निर्दिष्ट परेषणों के जांच नमूने लेने के पश्चात् और जांच नमूनों के परीक्षण के पश्चात् निरीक्षण अधिकारी का समाधान हो जाता है कि समनुदिष्ट श्रेणी मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुसार है तो वह ऐसे परेषणों की निर्यात योग्यता के प्रमाण-स्वरूप श्रेणीकरण का प्रमाण-पत्र जारी करेगा ।

परन्तु यदि निरीक्षण अधिकारी का इस प्रकार समाधान नहीं होता है तो यह तथ्य की उसके कारणों सहित लिखित सूचना तुरन्त ही प्राधिकृत पैकर को तुरन्त देगा और श्रेणीकरण का उक्त प्रमाण-पत्र जारी नहीं करेगा ।

5 निरीक्षण का स्थान —इन नियमों के प्रयोजनों के लिए प्रारम्भिक निरीक्षण प्राधिकरण के प्रमाण-पत्र में उल्लिखित प्राधिकृत परिसरों पर किया जाएगा और जांच निरीक्षण या जांच नमूना निर्यात से पूर्व कृषि विपणन सलाहकार या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी निरीक्षण अधिकारी का अधिनियम की धारा 7 के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा किसी भी स्थान पर लिया जा सकता ।

6. **लेबलों के लिए प्रभारों का संदाय.**—प्राधिकृत पैकर लेबलों के लिए प्रभारों का भारत सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किए जाते हैं, कृषि विपणन सलाहकार या अधिनियम की धारा 7 के अधीन मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा विहित रीति से संदाय करेगा ।

7. **परीक्षण या जांच नमूने का पुनः परीक्षण.**—(1) यदि पैकर निरीक्षण अधिकारी के परिणामों से संतुष्ट नहीं है, तो वह संबंधित निरीक्षण अधिकारी से परेषण के पुनः परीक्षण की व्यवस्था करने के लिए लिखित अनुरोध करने का हकदार होगा उसके पश्चात् एक और परीक्षण नमूना जांच नमूना लिया जाएगा और उसका परीक्षण किया जाएगा ।

(2) उप-नियम (1) के अधीन विश्लेषण के परिणामों का पहले वाले नमूनों के साथ औसत निकाला जाएगा और औसतन परिणाम ही श्रेणी अभिधान अवधारित करने के लिए लिया जाएगा ।

8. **अपील** :—नियम 4 के उप-नियम (7) या उप-नियम (10) के अधीन निरीक्षण अधिकारी द्वारा प्रमाण-पत्र जारी करने या परेषण के श्रेणीकरण करने से इंकार करने से व्यथित कोई प्राधिकृत पैकर निरीक्षण अधिकारी से आगामी कार्य दिवस के अपरान्ह 5 बजे तक लिखित रूप में अनुरोध कर सकता है कि वह मामले को कृषि विपणन सलाहकार या अधिनियम की धारा 7 के अधीन मान्यताप्राप्त किसी अन्य अभिकरण को निर्दिष्ट करे जो उसे, उसके द्वारा अधिकथित प्रक्रिया के अनुसार विवाद पर सलाह देने के लिए सलाहकार पैनल का गठन कर सकता है ।

[सं. 6(11)/80-नि. नि. तथा नि. उ.]

सी. बी. कुकरेती, संयुक्त निदेशक

S.O. 1524.—Whereas in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Turmeric should be subject to quality control and inspection prior to export :

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 ;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within fortyfive days of the date of the publication of this order in the Official Gazette to the Export Inspection Agency—Cochin, 'Manohar', M. G. Road, COCHIN-682011.

PROPOSALS

(1) To notify that Turmeric shall be subject to quality control and inspection prior to export ;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Turmeric (Inspection) Rules, 1982, set out in the Annexure I to this Order, as the type of Inspection which shall apply to such Turmeric prior to export.

(3) To recognise the grade designation formulated under the Turmeric Grading and Marking Rules, 1964 as amended from time to time, as the standard specifications for such Turmeric.

(4) To prohibit the export in the course of International trade of Turmeric unless a mark or seal recognised by the Central Government indicating that it conforms to the standard specifications applicable to it has been affixed or applied to packages or containers of such Turmeric, and is accompanied by a certificate of grading issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or by an Officer authorised by him in this behalf or any other Agency notified by the Central Government by notification in the Official Gazette in token of its exportworthiness.

3. Nothing in this order shall apply to export by sea, land or air of samples of Turmeric not exceeding in value of rupees fifty to prospective buyers.

4. In this order 'Turmeric' means the Turmeric rhizomes of the Plant Curcuma Longa L produced in India.

ANNEXURE-I

DRAFT RULES PROPOSED TO BE MADE UNDER SECTION 17 OF THE EXPORT (QUALITY CONTROL AND INSPECTION) ACT, 1963 (22 OF 1963)

In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality, Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, hereby, makes the following rules, namely :

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Turmeric (Inspection) Rules, 1982.

2. They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) 'Act' means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) ;

(b) 'Agricultural Marketing Adviser' means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India ;

(c) 'Inspecting Officer' means the officer authorised by the Agricultural Marketing Adviser for inspection of Turmeric or any other Agency recognised as the Agency under Section 7 of the Act ;

(d) 'authorised Packer' means the person or body of persons who has been granted a Certificate of Authorisation by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other Agency recognised under section 7 of the Act for getting the commodity graded and marked in accordance with the grade standard procedure prescribed under the rules.

(e) 'Certificate of Authorisation' means the certificate issued by the Agricultural Marketing Adviser or any officer authorised in this behalf or any other Agency recognised under section 7 of the Act to a person or body of persons, desirous of grading Turmeric (recognised under section 6 of the Act).

(f) 'Turmeric' means the Turmeric rhizomes of the plant Curcuma Longa L produced in India.

3. Basis of Inspection.—Inspection of Turmeric intended for export shall be carried out with a view to seeing that the same conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act ;

4. Procedure of Inspection.—(1) Turmeric for export shall be graded and packed only by the authorised packer in accordance with the instructions issued in this behalf by the Agricultural Marketing Adviser or any other Agency recognised under section 7 of the Act.

(2) It shall be the responsibility of the authorised packer to make such arrangements for grading and sampling of Turmeric and also provide requisite facilities for testing etc as may be prescribed by the Agricultural Marketing Adviser or any other Agency recognised under Section 7 of the Act.

(3) An authorised packer intending to export Turmeric shall give intimation in writing along with such details as may be prescribed by the Agricultural Marketing Adviser or any other Agency recognised under Section 7 of the Act to the nearest Inspecting Officer to enable him to grade and mark Turmeric lots in accordance with rule 3.

(4) Every intimation under sub-rule (3) shall be given :

(a) Not less than 2 days before the grading and marking is to be carried out at the packing centres situated at the Headquarters of the Inspection Officers ;

(b) not less than 10 days before the grading and marking is to be carried out at other places, which are not situated at the Headquarters of the Inspection Officers.

(5) On receipt of the intimation referred to in sub-rule (4) the Inspecting Officer shall inspect the consignments of Turmeric as per the instructions issued by the Agricultural Marketing Adviser or by any other Agency recognised under section 7 of the Act with a view to check up that the same complies with the requirements of the recognised specifications referred to in rule 3 :

(6) The Inspecting Officer shall issue labels for affixing the same on the containers and packages of Turmeric as per instructions issued by the Agricultural Marketing Adviser or any other Agency recognised under section 7 of the Act in case he is satisfied that the consignment is as per specifications referred to in rule 3 :

Provided that if the Inspecting Officer is not so satisfied, he shall refuse to issue the said labels and convey the fact immediately in writing to the authorised packer along with the reasons thereof.

(7) An authorised packer intending to export the graded and labelled consignments of Turmeric shall apply to the nearest office of the Inspecting Officer for a certificate of grading in token of its exportworthiness in writing along with such details as prescribed by the Agricultural Marketing Adviser or any other Agency recognised under section 7 of the Act in accordance with rule 3 to enable him to issue such certificate.

(8) Every application under sub-rule (7) shall be given :

(a) not less than 2 days before the certificate, referred to in sub-rule (7) is to be issued at the packing centres situated at the Headquarters of the Inspecting Officer ;

(b) not less than 3 days before the certificate referred to in sub-rule (7) is to be issued at other places, which are not situated at the Head quarters of the Inspecting Officer.

(9) On receipt of the application referred to in sub-rule (7) the Inspecting Officer shall inspect the graded consignments of Turmeric and draw a separate check sample for each graded lot.

(10) If, after check sampling of the consignments referred to in sub-rule (7) and after examination of the check samples, the Inspecting Officer is satisfied that the grade assigned is as per recognised specifications, he shall issue a certificate of grading in respect of such consignments in token of their exportworthiness :

Provided that the Inspecting Officer is not so satisfied he shall immediately intimate the fact in writing to the authorised packer along with reasons and shall not issue the said certificate of Grading.

5. Place of Inspection.—Initial inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the authorised premises mentioned in the certificate of authorisation and check inspection or check sampling can be done by Agricultural Marketing Adviser or an Inspecting Officer authorised by him in this behalf, or any other Agency recognised under section 7 of the Act, at any place before export.

6. Payment of charges for Labels.—The authorised packer shall pay the label charges which are notified by the Government of India from time to time, in the manner specified by the Agricultural Marketing Adviser or any other Agency recognised under Section 7 of the Act.

7. Re-examination of the test or check sample.—(1) If the packer is not satisfied with the results of the Inspecting Officer, he shall be entitled to request the concerned Inspecting Officer in writing to arrange for re-examination of the consignments and one more test sample of a check sample shall, thereafter, be drawn and tested.

(2) The results of analysis under sub-rule (1) shall be averaged with those of the previous sample and averaged result shall be taken for determining the grade designation.

8. Appeal.—If any authorised packer is aggrieved by the refusal of the Inspecting Officer to grade a consignment or to issue a certificate under sub-rule (7) or sub-rule (10) of Rule 4, he may request the Inspecting Officer, in writing latest by 5 P.M. on the following working day to refer the matter to the Agricultural Marketing Adviser or any other Agency recognised under section 7 of the Act, who may constitute an Advisory Panel to advise him on the dispute in accordance with the procedure laid down by him.

[No. 6(11)/80-EI&EP]

का. आ. 1525.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हल्दी श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1964 के नियम 5 के अधीन वर्णित श्रेणी अभिधान चिन्ह को मान्यता देने का प्रस्ताव, हल्दी के सम्बन्ध में यह द्योतन करने के प्रयोजन के लिए करती है कि जहां हल्दी के पैकेजों या डिब्बों पर विहित लेबल लगे हुए हैं वहां ऐसे पैकेजों या डिब्बों में हल्दी अधिनियम की धारा 6 के खण्ड (ग) के अधीन उन पर लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप हैं ।

केन्द्रीय सरकार, ने, उक्त प्रस्ताव निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिए हैं ।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के अनुसरण में उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है ।

2. इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में यदि आक्षेप या सुझाव भेजने का इच्छुक कोई व्यक्ति उसे इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण अभिकरण-कोचीन, 'मनोहर बिल्डिंग' एम. जी. रोड, कोचीन-682001 को भेज सकता है ।

स्पष्टीकरण.—इस अधिसूचना में 'हल्दी' से भारत में उत्पादित कर्कमा लॉगाएल पौधे का हल्दी प्रकन्द अभिप्रेत है ।

[संख्या 6(11)/80-नि.नि. तथा नि.उ.]

S.O. 1525.—Whereas the Central Government, in exercise of the powers conferred by Section 8 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), proposes to recognise the grade designation mark described under Rule 5 of the Turmeric Grading and Marking Rules, 1964 with respect to Turmeric for the purpose of denoting that where packages or containers containing Turmeric are affixed with the prescribed labels, the Turmeric in such packages or containers conforms to the standard specifications applicable thereto under clause (c) of section 6 of the Act.

And whereas the Central Government has forwarded the aforesaid proposals to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 ;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposal for information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposal may forward the same within fortyfive days of the date of publication of this notification to the Export Inspection Agency—Cochin, 'Manohar', M. G. Road, Cochin-682011.

Explanation.—In this notification 'Turmeric' means the Turmeric rhizomes of the plant Curcuma Longa L produced in India.

[No. 6(11)/80-EI&EP]

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1982

का०आ० 1526.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और परीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स पैकोप पेस्ट कन्ट्रोल, पोरतुगीज चर्च के सामने, दादर, बम्बई-400028 को निम्नलिखित मदों के धूम्रीकरण के लिए अभिकरण के रूप में एक वर्ष की अवधि के लिए मान्यता देती है।

1. तेल रहित चावल की भूसी, और
2 पिसी हुई हड्डियां, खुर तथा सींग।

[सं० 5(2)/82 नि. नि. तथा नि. उ.]

New Delhi, the 17th April, 1982

S.O. 1526.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a period of one year M/s. Pecopp Pest Control, Opp. Portuguese Church, Dadar, Bombay-400028 as an agency for the fumigation of following items,

1. De-oiled Rice Bran; and
2. Crushed Bones, Hooves and Horns.

[No 5(2)/82-EI&EP]

का०आ० 1527.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स पैस्ट मार्टम (इंडिया) प्रा०लि०, 29 हिन्द-राजस्थान बिल्डिंग, सियोन (डब्ल्यू) बम्बई-400022 को निम्नलिखित मदों के धूम्रीकरण के लिए अभिकरण के रूप में एक वर्ष की अवधि के लिए मान्यता देती है।

1. तेल रहित चावल की भूसी, और
2 पिसी हुई हड्डियां, खुर तथा सींग।

[सं० 5(3)/82-नि. नि. तथा नि. उ.]

S.O. 1527.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a period of one year M/s. Pest Mortem (India) Pvt. Ltd., 29, Hind Rajasthan Building, Sion (W) Bombay-400022 as an agency for the fumigation of following items.

1. De-oiled Rice Bran; and
2. Crushed Bones, Hooves and Horns.

[No. 5(3)/82-EI&EP]

का०आ० 1528.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स भारत पैस्ट-इराद सर्विसिज, 2/8-बी० शरद बोस रोड, कलकत्ता-700020 को निम्नलिखित मदो के धूम्रीकरण के लिए अभिकरण के रूप में एक वर्ष की अवधि के लिए मान्यता देती है।

1. तेल रहित चावल की भूसी, और
2 पिसी हुई हड्डियां, खुर तथा सींग।

[सं० 5(4)/82-नि. नि. तथा नि. उ.]
सी०बी० कुकरेती, संयुक्त निदेशक

S.O. 1528.—In exercise of the powers conferred by sub-tion 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a period of one year M/s. Bharat Pest-Erad Services, 2/8-B, Sarat Bose Road, Calcutta-700020 as an agency for the fumigation of following items.

1. De-oiled Rice Bran; and
2. Crushed Bones, Hooves and Horns.

[F. No. 5(4)/82-EI&EP]
C. B. KUKRETI, Jt. Director

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1982

का. आ. 1529.—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन), अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन चैम्बर अफ कामर्स, हापुड़ द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त चेम्बर को गुड़ की अग्रिम संविदाओं के बारे में पहली अप्रैल, 1982 से 31 मार्च, 1985 तक (जिसमें ये दोनों दिन भी सम्मिलित हैं) की तीन वर्ष, की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्राप्त करती है ।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त, के अधीन है कि उक्त चैम्बर ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं ।

[मिसिल स. 12(1)-आई.टी./80]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

New Delhi, the 1st April, 1982

S.O. 1529.—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Chamber of Commerce, Hapur, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Chamber for a further period of three years from the 1st April, 1982 upto the 31st March, 1985 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Chamber shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. 12(1)-IT|80]

का. आ. 1530.—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के आधीन विजय व्यापार चैम्बर लि., मुजफ्फरनगर द्वारा मान्यता का नवीकरण के लिये किये गये आवेदन पत्र पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा । एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त चैम्बर को गुड़ की अग्रिम संविदाओं के बारे में पहली अप्रैल, 1982 से 31 मार्च 1985 तक (जिसमें ये दोनों दिन भी सम्मिलित है) की तीन वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिये मान्यता प्रदान करती है ।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त, मान्यता इस शर्त, के अधीन है कि उक्त चैम्बर ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाए ।

[मिसिल सं. 12(1)-आई.टी./80]

S.O. 1530.—The Central Government in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition, made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Vijai Beopar Chamber Ltd., Muzaffarnagar, and having satisfied that it would be in the interest of trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Chamber for a further period of 3 years from the 1st April, 1982 to the 31st March, 1985 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Chamber shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. 12(1)-IT/80]

का. आ. 1531.—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन राजधानी आयल एण्ड आयलसीड्स एक्सचेंज लि., नई दिल्ली द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गये आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एक्सचेंज को गुड़ की अग्रिम संविदाओं के बारे में पहली अप्रैल, 1982 से 30 मार्च, 1985 तक (जिसमें दो दिनों दिन भी सम्मिलित हैं) तीन वर्ष की अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है ।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्यधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जायें ।

[मिसिल सं. 12(1)-आई. टी./80]

एच. एस. सेठ, अवर सचिव

S.O. 1531.—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Rajdhani Oil & Oilseeds Exchange Ltd., New Delhi and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Company for a period of three years from the 1st April, 1982 to 31st March, 1985 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. 12(1)-IT/80]

H. S. SETH, Under Secy.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1982

का. आ. 1532 :—राजनयिक तथा कोंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41 वां) के खंड 2 की धारा (क) के अनुसरण में केन्द्र सरकार, इसके द्वारा, भारत का राजदूतावास, बोगोटा में सहायक श्री एम. एल. गुरूतारी को तत्काल से कोंसली एजेन्ट का कार्य करने लिए प्राधिकृत करती है ।

[फाइल सं. टी. 4330!2/82]

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 1st April, 1982

S.O. 1532.—In pursuance of the clause (a) of section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948) the Central Government hereby authorise Shri M. L. Gulati, Assistant in the Embassy of India, Bogota to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T. 4330(2)/82]

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1982

का. आ. 1533 :—राजनयिक तथा कोंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41 वां) के खंड 2 की धारा (क) के अनुसरण में केन्द्र सरकार, इसके द्वारा भारत का सहायक हाई कमीशन, कैन्डी, श्रीलंका में सहायक श्री पी. बालाकृष्णन को तत्काल से कोंसली एजेन्ट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

[फाइल सं. टी. 4330/2/82]

जे. हजारी, अवर सचिव

New Delhi, the 2nd April, 1982

S.O. 1533.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948) the Central Government hereby authorise Shri P. Balakrishnan, Assistant in the Assistant High Commission of India, Kandy, Sri Lanka to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T. 4330(2)/82]

J. HAZARI, Under Secy.

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का० आ० 1534.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के लिए उत्तर प्रदेश में मथुरा से पंजाब में जलन्धर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और, यतः, इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूचित अनुसूचि में निर्विष्ट गांव के नाम के सामने दिखाई गई तिथि से पर्यवसित कर दिया है ।

अब, यतः, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्विष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते हैं ।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र मथुरा जालन्धर तक पाइपलाइन संक्रिया पर्यवसान

तहसील	महरोली	जिला :	दिल्ली	राज्य : दिल्ली
मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
1	2	3	4	5
पेट्रोलियम, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	ककरोला बपरोला रजापुर	1731 " "	13-6-81 " "	17-3-82 " "

[एम० जे० पी० एल/जी/एल०ए०/3/3]

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 5th April, 1982

S.O. 1534.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab.

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipleine from :

Tehsil : Mehroli District : Delhi State : Delhi

Name of Ministry	Name of Vill.	S.O. No.	Date of public cation in Gazette of India	Date of Termination of
1	2	3	4	5
Petroleum, Chemicals & Fertilisers (Deptt. of Petroleum)	1. Kakrola 2. Bapoli 3. Rajapur Khurd	1731 -do- -do-	13-6-81 -do- -do	17-3-82 -do- -do-

[No. MJPL/G/LA/3/3]

का० आ० 1535.—यत: इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पेट्रोलियम खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के लिए उत्तर प्रदेश में मथुरा से पंजाब में जालन्धर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और यत: इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (i) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखाई गई तिथि से पर्यवसित कर दिया है ।

अब यत: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते हैं ।

अनुसूची

व्यतन क्षेत्र मथुरा जालन्धर तक पाइपलाइन संक्रिया पर्यवसान

तहसील . सोनीपत जिला : सोनीपत राज्य : हरयाणा

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ०सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
1	2	3	4	5
पेट्रोलियम,रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय पैट्रोलियम विभाग)	1. मन्दोरा	1732	13-6-81	16-3-82

[एम०जे०पी०एल०/जी/एल०ए/4/5]

S.O. 1535.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab.

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from :

Tehsil : Sonepat District : Sonepat State : Haryana

Name of Ministry	Name of Village	S.O. No.	Date of publication in Gazette of India	Date of Termination of
1	2	3	4	5
Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Deptt. of Petroleum).	1. Mandora	1732	13-6-81	16-3-82

[No. MJRL/G/LA/4/5]

का० आ० 1536.—यत: इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पेट्रोलियम खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के लिए उत्तर प्रदेश में मथुरा से पंजाब में जालन्धर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और यतः इण्डियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (i) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखाई गई तिथि से पर्यवसित कर दिया है;

अब यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते है ।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र मथुरा जालन्धर तक पाइपलाइन संक्रिया पर्यवसान

तहसील : पानीपत जिला : करनाल राज्य : हरियाणा

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
1	2	3	4	5
पेट्रोलियम, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	1. पहलादपुर खलीला	2222	22-8-81	28-1-82
	2 बरशाम	"	"	"
	3. दीवाना	"	"	29-1-82
	4 हरताली	"	"	"
	5 सिवाह	"	"	"

[सं० एम० जे० पी० एल०/जी/एल०ए०/6/4]

S.O. 1536.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab.

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from :

Tehsil : Panipat District : Karnal State : Haryana

Name of Ministry	Name of Village	S.O. No	Date of publication in Gazette of India	Date of Termination of
1	2	3.	4	5
Petroleum, Chemicals & Fertiliser (Deptt. of Petroleum),	1. Prahladpur Khalila.	2222	22-8-81	28-1-82
	2. Bureham	-do-	-do-	-do-
	3. Diwana	-do-	-do-	29-1-82
	4. Hartali	-do-	-do-	-do-
	5. Siwah	-do-	-do-	-do-

[No. MJPL/G/LA/6/4]

का०आ० 1537.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड के लिए उत्तर प्रदेश में मथुरा से पंजाब में जालन्धर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और यतः इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (i) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखाई गई तिथि से पर्यवसित कर दिया है ।

अब यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते हैं ।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र मथुरा जालन्धर तक पाइपलाइन संक्रिया पर्यवसान

तहसील : करनाल जिला : करनाल राज्य : हरियाणा

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
1	2	3	4	5
पेट्रोलियम, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	1. बाबरपुर	2379	12-9-81	3-3-82
	2. बरोली	"	"	"
	3 गंजबार	"	"	
	4. कोंध	"	"	"
	5. गुधा	"	"	"
	6. शेखपुरा	"	"	4-3-82
	7. मलिकपुर	"	"	"
	8. फुलिक	"	"	"
	9. रसीन	"	"	"
	10. बेजना	"	"	"
	11. समालखा	"	"	"
	12. खेरी नारु	"	"	5-3-82
	13. मिगली	"	"	"
	14 लाहरपुर	"	"	"
	15. छारो	"	"	"
	16. हमवा	"	"	"
	17 शाहपुर	"	"	6-3-82
	18. कलमपुरा	"	"	"
	19. कछवा	"	"	"
	20. नारायणा	"	"	7-3-82

1	2	3	4	5
	21. पखाना	2379	12-9-81	7-3-82
	22. तरौड़ी	"	"	"
	23. जटपुरा सिवाय (137.250-138.150)	"	"	"
	24. सादिकपुर	"	"	8-3-82
	25. अंजैनथाली	"	"	"
	26 सेधपुर	"	"	"
	27 धारु माजरा	"	"	"
	28. खाजा अहमदपुर	"	"	9-3-82
	29. रायपुर	"	"	"
	30. समाना बाहू	"	"	"
	31. बरानी	"	'	26-3-82
	32. अमीन	"	"	"

[सं० एम० जे० पी०एल०/जी/एल०/22/6]

प्रभु दयाल खुराना, सक्षम प्राधिकारी (कम्पिटेन्ट अथॉरिटी) हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली

S.O. 1537.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab.

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from :

Tehsil : Karnal District : Karnal State : Haryana

Name of Ministry	Name of Village	S.O. No.	Date of publication in Gazette of India	Date of Termination of
1	2	3	4	5
Petroleum, Chemicals & Fertiliser (Deptt. of Petroleum)	1. Babarpur	2379	12-9-81	7-3-82
	2. Baroli	-do-	-do-	-do-
	3. Ganjbar	-do-	-do-	-do-
	4. Kondh	-do-	-do-	-do-
	5. Gudha	-do-	-do-	-do-
	6. Sheikhpura	-do-	-do-	4-3-82
	7. Malikpur	-do-	-do-	-do-
	8. Phurlik	-do-	-do-	-do-
	9. Resean	-do-	-do-	-do-
	10. Bejna	-do-	-do-	-do-
	11. Samalka	-do-	-do-	-do-
	12. Kheri Naru	-do-	-do-	5-3-82
	13. Pingli	-do-	-do-	-do-
	14. Taharpur	-do-	-do-	-do-
	15. Chharo	-do-	-do-	-do-
	16. Hemda	-do-	-do-	-do-
	17. Shahpur	-do-	-do-	6-3-82
	18. Kalampura	-do-	-do-	-do-
	19. Kachhwa	-do-	-do-	-do-
	20. Naraina	-do-	-do-	7-3-82
	21. Pakhana	-do-	-do-	-do-
	22. Tarawri	-do-	-do-	-do-
	23. Jatpura except 137.250 138.150)	-do-	-do-	-do-
	24. Sadiqpur	-do-	-do-	8-3-82
	25. Anjen Thali	-do-	-do-	-do-
	26. Sedhpur	-do-	-do-	-do-
	27. Dharoo Majra	-do-	-do-	-do-
	28. Khaja Ahmedpur	-do-	-do-	9-3-82
	29 . Raipur	-do-	-do-	-do-
	30. Samana Bahoo	-do-	-do-	-do-
	31. Barani	-do-	-do-	26-3-82
	32. Amin	-do-	-do-	-do-

[MJPL/G/LA/22/6]

PRABHU DYAL KHURANA, Competent Authority, Haryana, Uttar Pradesh, Delhi

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1982

का० आ० 1538.—यत: इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के लिए उत्तर प्रदेश में मथुरा से पंजाब में जालन्धर तक पट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिए गए हैं।

और यत: इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखाई गई तिथि से पर्यवसित कर दिया है।

अब यत: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

व्यतन क्षेत्र मथुरा जालन्धर तक पाइपलाइन संक्रिया पर्यवसान

तहसील . थानेसर जिला कुरुक्षेत्र राज्य : हरियाणा

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
1	2	3	4	5
पेट्रोलियम, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	1. ओरबड़ी	84	9-1-81	19-3-82
	2. उमरी	,,	,,	,,
	3. बीड़ पीपली	,,	,,	20-3-82
	4. बजीदपुर	,,	,,	,,
	5. बोहली	,,	,,	,,
	6. रामगढ़	,,	,,	21-3-82
	7. इशरगढ़	,,	,,	,,
	8. खानपुर कोहलियां	,,	,,	,,
	9 मसाना	,,	,,	27-3-82

[सं० एम जे पी एल/जी/एल ए/21/7]

प्रभुदयाल खुराना, सक्षम प्राधिकारी
(हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और दिल्ली)

New Delhi, the 9th April, 1982

S.O. 1338.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab.

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from :

Tehsil : Thanesar District : Kurukshetra State : Haryana

Name of Ministry	Name of Village	S.O. No.	Date of publication in Gazette of India	Date of Termination of
1	2	3	4	5
Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Deptt. of Petroleum).	1. Orbari	84	9-1-81	19-3-82
	2. Umri	-do-	-do-	-do-
	3. Bir Pipli	-do-	-do-	20-3-82
	4. Bazidpur	-do-	-do-	-do-
	5. Bohli	-do-	-do-	-do-
	6. Ramgarh	-do-	-do-	21-3-82
	7. Ishargarh	-do-	-do-	-do-
	8. Khanpur Kohlian	-do-	-do-	-do-
	9. Masana	-do-	-do-	27-3-82

[No MJPL/G/LA/21/7]

PRABHU DYAL KHURANA,
Competent Authority,
Haryana, Punjab Uttar Pradesh, Delhi.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1982

का०आ० 1539.—सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2312 तारीख 22 अगस्त, 1981 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में भूमि के 111.50 एकड़ (लगभग) या 45.12 हैक्टर लगभग में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अभिप्राप्य है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इससे संलग्न अनुसूची 'ख' में वर्णित 111.50 एकड़ (लगभग), या 45.12 हैक्टर (लगभग) माप की उक्त भूमि का, अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण 1 इस अधिसूचना के अधीन आने वाले रेखांक का निरीक्षण, उपायुक्त, हजारीबाग (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में अथवा सेन्ट्रल कोलफील्डस लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउस, रांची (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है ;

टिप्पण 2 कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबन्धों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसमें निम्नलिखित उपबंधित है—

"8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है अधिसूचना के निकले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा ।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अधीनसंगत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए ।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवायी का अवसर देगा

और ऐसी सभा आपत्तियों को सुनने के पश्चात और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई है, करने के पश्चात जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्टें केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए यह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते।"

टिप्पण 3 केन्द्रीय सरकार ने, कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची

सिरका कोयला खान विस्तार ब्लाक IV

दक्षिणी करनपुरा कोयला क्षेत्र

जिला हजारीबाग (बिहार)

ड्राइंग सं० राजस्व 103/81

तारीख 5-12-81

(जिसमें अर्पित की जाने वाली भूमि वा) सभी अधिकार

क्र० सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	टोंगी	मांडू	135	हजारीबाग	111.50	भाग
			कुल क्षेत्र		111.50 एकड़ (लगभग) 45.12 हैक्टर (लगभग)	

टोंगी ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक

517(भाग), 519 से 527, 528 (भाग), 529 से 532, 533 (भाग), 536 (भाग), 539 (भाग), 1027 (भाग), 1044 (भाग), 1045 (भाग), 1046 (भाग), 1047 से 1067, 1068 (भाग) 1069 (भाग)

सीमा वर्णन

क–ख	रेखा टोंगी ग्राम में प्लाट संख्यांक 1044, 1045, 1046 और प्लाट संख्यांक 1050 की पश्चिमी सीमा से होकर जाती है (जो कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित सिरका कोयला खान विस्तार की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु 'ख' पर मिलती है।
ख–ग	रेखा टोंगी और सिरका ग्रामों की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है (जो कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित सिरका कोयला खान विस्तार III की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु 'ग' पर मिलती है।
ग–घ	रेखा टोंगी और सिरका ग्रामों की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'घ' पर मिलती है।
घ–ङ	रेखा टोंगी ग्राम में विद्यमान सड़क की सीमा के साथ-साथ प्लाट संख्यांक 1069 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ होती हुई प्लाट संख्यांक 1068 और 1069 से होकर जाती है और बिन्दु 'ङ' पर मिलती है।
ङ–च	रेखा टोंगी ग्राम में नाला के भागतः पश्चिमी किनारे के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'च' पर मिलती है।
च–क	रेखा टोंगी ग्राम में प्लाट संख्यांक 517 में होती हुई प्लाट संख्यांक 519 और 520 की उत्तरी सीमा के साथ साथ तथा प्लाट संख्यांक 517, 528, 517, 533, 1027, 536, 539 1027 से होकर और प्लाट संख्यांक 1044 की भागतः उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं० 19/2/82-सी०एल०]

स्वर्णसिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 31st March, 82

S.O. 1539.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2312 dated the 22nd August, 1981, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 111.50 acres approximately or 45.12 hectares approximately of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the said lands measuring 111.50 acres (approx.) or 45.12 hectares approximately described in the Schedule appended hereto;

NOTE 1. The plan of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Coal Controller 1, Council House Street Calcutta or in the Office of the Central Coalfields Limited, (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

NOTE 2. Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), which provides as follows:—

"8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation:—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim a interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act".

NOTE 3. The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

Schedule
Sirka Colliery Extension Block-IV
South Karanpura Coalfield
District Hazaribagh (Bihar)
Drg. No. Rev/103/81
Dated 5-12-81
(showing lands to be acquired)

All Rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1.	Tongi	Mandu	135	Hazaribagh	111.50	part

Total area :— 111.50 acres (approximately) or 45.12 hectares (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Tongi:—

517 (part), 519 to 527, 528 (part), 529 to 532, 533 (part), 536 (part), 539 (part) 1027 (part), 1044 (part), 1045 (part), 1046 (part), 1047 to 1067 1068 (part), 1069 (part).

Boundary description:—

A–B line passes through plot numbers 1044, 1045, 1046 and western boundary of plot number 1050, in village Tongi (which forms part common boundary of Sirka Colliery Extn. III acquired u/s 9(1) of the Coal Act) and meets at point 'B'.

B–C line passes along the part common boundary of villages Tongi and Sirka (which forms part common boundary of Sirka Colliery extension III acquired u/s 9(1) of the Coal Act) and meets at point 'C'.

C–D line passes along the part common boundary of village Tongi and Sirka and meets at point 'D'.

D–E line passes along the western boundary of plot no. 1069, through plot numbers 1068 and 1069 in village Tongi (along the boundary of existing Road) and meets at point 'E'.

E–F line passes along the part western bank of Nala in village Tongi and meets at point 'F'.

F–A line passes through plot no. 517 along northern boundary of plot nos. 519 and 520 and through plot numbers 517, 528, 517, 533, 1027, 536, 539, 1027 and along part northern boundary of plot number 1044 in village Tongi and meets at starting point 'A'.

[No. 19/2/82-CL]

का०आ० 1540.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उसमें कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है।

2. इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) कोयला सम्पदा, सिविल लाइन्स, नागपुर-440001 के कार्यालय में या कलक्टर नागपुर के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, कोयला सम्पदा सिविल लाइन्स, नागपुर-440001 को भेजेंगे।

अनुसूची
सावनेर ब्लाक (नागपुर क्षेत्र)
जिला नागपुर (महाराष्ट्र)
ड्राइंग सं० डब्ल्यू सी०एल०/जी एम एन जी पी/रेखांक/102
तारीख 14-11-1981
(जिसमें पूर्वेक्षण करने के लिए अधिसूचित की गई भूमि दर्शित की गई है)

क्रम सं०	ग्राम का नाम	पुलिस चौकी (पी० सी०) सं०	तहसील	जिला	हैक्टरों में क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	सावनेर	34	सावनेर	नागपुर	891.242	भाग
2.	पार्डी	34	,,	,,	30.109	भाग
3.	दुधबार्डी	10	कलमेश्वर	,,	267.700	पूर्ण
4.	पनजारा	10	,,	,,	70.881	भाग
5.	सावनगी	10	,,	,,	322.915	भाग
6.	हैटी सुर्ला	10	,,	,,	457.337	भाग
7.	सोनोली	10	,,	,,	38.890	भाग
8.	तेल-काम्पटी	9	,,	,,	1.606	भाग
9.	नीलगांव	31	,,	,,	220.000	भाग
10.	बोरगांव	31	,,	,,	194.828	भाग
11.	परसोडी	11	,,	,,	37.636	भाग
12.	उमरी	33	,,	,,	200.630	पूर्ण
13.	वाघोदा	33	,,	,,	38.675	भाग
14.	गूजर खेड़ी	33	,,	,,	7.527	भाग

कुल क्षेत्र 2850.076 हैक्टर (लगभग)
या
7043.0 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन

क—ख रेखा हेटी सुर्ला, तेल कामप्टी, साओनगी और सोनोलीर ग्रामो से होकर जाती है और पनजारा ग्राम मे बिन्दु 'ख' पर मिलती है।

ख—ग रेखा पनजारा पर सोदी और नीलगांव ग्रामो से होकर जाती है और बोरगांव ग्राम में बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

ग—घ रेखा बोरगांव, वाघोदा और गूजरखेड़ी ग्रामो से होकर जाती है और साओनेर ग्राम में बिन्दु 'घ' पर मिलती है।

घ—ङ रेखा साओनेर और पार्डी ग्रामो से होकर जाती है और हैटी सुर्ला ग्राम में बिन्दु 'ङ' पर मिलती है।

ङ—क रेखा हैटी सुर्ला ग्राम से होकर जाती है और उसी ग्राम अर्थात हैटी सुर्ला मे बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं० 19/16/82-सी०एल०]

S.O. 1540.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisitio-and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the Office of the Western Coalfields Limited (Revenu Section), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 or at the Office of the Collector, Nagpur or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta;

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section(7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Schedule

Saoner Block (Nagpur Area)

District Nagpur (Maharashtra)

Drg. No. WCL/GM-NGP/PLAN/102

dated : 14-11-1981

(showing land notified for prospecting)

Sl. No.	Name of village	P.C No.	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
1	Saoner	34	Saoner	Nagpur	891.342	Part
2.	Pardi	34	,,	,,	30.109	,,
3.	Dudhbardi	10	Kalme-shwar	,,	267 700	Full
4.	Panjara	10	Kalme-shwar	Nagpur	70.881	Part
5.	Saongi	10	,,	,,	322.915	Part
6.	Heti Surla	10	,,	,,	457.337	Part
7.	Sonoli	10	,,	,,	38.890	Part
8.	Tel-Kamptee	9	,,	,,	1 606	Part
9.	Nilgaon	31	,,	,,	290.000	Part
10.	Borgaon	31	,,	,,	194.828	Part
11.	Parsodi	11	,,	,,	37.636	Part
12.	Umari	33	,,	,,	200.630	Full
13.	Waghoda	33	,,	,,	28.675	Part
14.	Gujarkhedi	33	,,	,,	7.527	Part

Total Area :—2850.076 hectares (approximately)

OR

7043.0 acres (approximately)

Boundary Description :

A–B Line passes through villages Heti Surla, Tel-Kamptee, Saongi and Sonoli and meets in village Panjara at point 'B'.

B–C Line passes through villages Panjara, Parsodi and Nilgaon and meets in village Borgaon at point 'C'.

C–D Line passes through villages Borgaon, Waghoda and Gujarkhedi and meets in village Saoner at point 'D'.

D–E Line passes through villages Saoner and Pardi and meets in village Heti Surla at point 'E'.

E–A Line passes through the village Heti Surla and meets at the starting point 'A' in the same village i.e. Heti Surla.

[No. 19/16/82-CL]

का०आ० 1541.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची मे उल्लिखित भूमि मे कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है,

अतः केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है ;

2 इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण सेंट्रल कोल फील्डस लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउस, रांची के कार्यालय में या उपायुक्त गिरिडीह (बिहार) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1 काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) मे निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को इस अधिसूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी सेंट्रल कोल फील्डस लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची को भेजेंगे।

अनुसूची

छपरी विस्तारण

पूर्व बोकारो कोयला क्षेत्र जिला गिरीडीह (बिहार)

रेखांक सं० ए/104/81

ता० 7-12-81

(जिसमें पूर्वेक्षण के लिए अर्जित की जाने वाली भूमि दर्शाई गई है।)

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1.	एलमो	नवाडीह (बैरमो)	64	गिरीडीह	4 30	भाग
2.	धोरही	यथोक्त	68	यथोक्त	365.00	यथोक्त
3	छपरी	यथोक्त	73	यथोक्त	152 20	यथोक्त

कुल क्षेत्र : 521 50 एकड़ (लगभग) या 211 04 हैक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन

क-ख रेखा ग्राम छपरी, एलमो और धोरही (जो धोरही विस्तारण खंड के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) से होकर जाती है।

ख-ग-घ रेखाएं ग्राम धोरही (जो धोरही विस्तारण खंड के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) से होकर जाती हैं।

घ-ङ-च रेखाएं ग्राम धोरही और धोरही ग्राम से दामोदर नदी (जो धोरही कोयला खान पट्टा सीमा की सम्मिलित सीमा बनाती है) से होकर जाती है।

च-छ रेखा दामोदर नदी की मध्य केन्द्रीय रेखा के साथ साथ जाती है।

छ-ज रेखा दामोदर नदी से होकर और ग्राम धोरही और मकोली की (जो न्यू सेलेक्टेड धोरही कोलियरी पट्टा सीमा के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है भागत सम्मिलित सीमा के साथ साथ भी जाती है।

ज-झ रेखा ग्राम धोरही और मकोली की भागत सम्मिलित सीमा के साथ साथ और ग्राम छपरी (जो गुंजरडीह खंड के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) से होकर जाती है।

झ-क रेखा ग्राम छपरी से होकर जाती है और प्रारंभ के बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं० 19/18/82-को]

S.O. 1541.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule hereto annexed;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi, or at the Office of the Deputy Commissioner, Giridih (Bihar), or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this Notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi, within 90 days from the date of publication of this notification in the official Gazette.

SCHEDULE

Chapri Extension

East Bokaro Coalfield

Distt. Giridih (Bihar)

Dr. No. Rev/104/81

dated 7-12-81

(Showing lands to be acquired for prospecting)

Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1	Emlo	Nawadih (Bermo)	64	Giridih	4 30	part
2.	Dhorhi	-do-	68	-do-	365.00	-do-
3.	Chapri	-do-	73	-do-	152 00	-do-

Total area :—521.50 acres (approximately) or 211.04 hectares (approximately)

Boundary description:—

A–B line passes through villages Chapri, Emlo and Dhorhi (which forms part common boundary with Dhorhi Extension Block).

B–C–D lines pass through village Dhorhi (which forms common boundary with Dhori (K) Extn. Block).

D–E–F lines pass through village Dhorhi and River Damodar in village Dhorhi (which forms part common boundary of Dhorhi Colliery lease boundary).

F–G line passes along the part central line of Damodar River.

G–H line passes through Damodar River and also along the part common boundary of villages Dhorhi & Makoli (which forms common boundary with New Selected Dhorhi Colliery lease boundary.

H–I line passes along the part common boundary of villages Dhorhi and Makoli and through village Chapri (which forms common boundary with Gunjardih Block)

I–A line passes through village Chapri and meets at starting point 'A'.

[No. 19/18/82-CL]

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1982

का०आ० 1542.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 1407 तारीख 6 मई, 1981 द्वारा, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 2975 00 एकड़ (लगभग) या 1203.93 हैक्टर (लगभग) की भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अभिप्राप्य है,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए :—

(क) इससे संलग्न अनुसूची "क" में वर्णित 2865.75 एकड़ (लगभग) या 1159 71 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि, और

(ख) इससे संलग्न अनुसूची "ख" में वर्णित 109.25 एकड़ (लगभग) या 44 22 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि में खनिजों के खनन, खदान, छोर करने, उनकी धुवाई करने और उन्हें तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उस पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का, अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण 1—इस अधिसूचना के अधीन आने वाले रेखांक का निरीक्षण, उपायुक्त, गिरिडीह (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में अथवा सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभगा हाउस, रांची (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबन्धों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसमें निम्नलिखित उपबन्धित है:—

"8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर किन्हीं अधिकारों का अर्जन किये जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अर्थान्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जायेगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिये स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करना चाहियें।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जायेगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हैं, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्टें केन्द्रीय सरकार को उसके या विनिश्चय के लिये देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिये वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जायेगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिये जाते।"

टिप्पण 3—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची "क"

कारो ब्लाक विस्तार

पूर्वी बोकारो कोयला क्षेत्र

जिला गिरिडीह (बिहार)

ड्राईंग सं० राजस्व/99/81

तारीख 1-12-1981

(जिसमें अर्जित की जाने वाली भूमि दर्शित है)

उप-ब्लाक—1 सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	बरमो	नवाडीह (बरमो)	18	गिरिडीह	391.10	भाग
2	बैदकारो	,,	20	,,	806.60	,,
3	बरकी कुरी	,,	21	,,	215.00	,,
4	छोटकी कुरी	,,	22	,,	207.00	,,
5	एमलो	,,	64	,,	66.85	,,
6.	कारो	,,	65	,,	1067.20	,,
7	करगली	,,	66	,,	112.00	,,

कुल क्षेत्र 2865.75 एकड़ (लगभग)

या

1159.71 हैक्टर (लगभग)

बरमो ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक :

1(भाग), 16(भाग), 23(भाग), 24, 25, 26, 27(भाग), 36(भाग) 63(भाग), 64(भाग), 65 से 69, 70(भाग), 71, 72, 73(भाग), 74(भाग), 77(भाग) 83(भाग), 84(भाग), 85 से 104, 105(भाग), 106(भाग), 107(भाग), 108(भाग), 110(भाग), 111(भाग), 112(भाग), 113 से 127, 128(भाग), 129, 130, 131, (भाग), 132(भाग), 133, 134, 135(भाग), 136(भाग), 1081(भाग), 1082, 1083(भाग), 1102(भाग), 1374 से 1385, 1390 (भाग), और 1391

बैदकारो ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक :

1 से 8, 9(भाग), 10, 11, 12, 13(भाग), 14 से 34, 35(भाग), 36, 37, 38(भाग), 41(भाग), 42(भाग), 56(भाग), 57(भाग), 58 से 63, 64(भाग), 65 से 72, 124(भाग), 125, 126(भाग), 257(भाग), 258(भाग), 264(भाग), 265(भाग), 266, 267, (भाग), 268 से 280, 281(भाग), 282, 283, 284(भाग), 285(भाग), 286(भाग), 287 से 293, 294(भाग), 295(भाग), 296 (भाग'), 297(भाग), 298(भाग), 299, 300, 301(भाग), 302 से 324, 325 (भाग), 328(भाग), 332(भाग), 334(भाग), 335, 336(भाग), 337)भाग), 366(भाग), 368(भाग), 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275(भाग), और 1280

बरकी कुरी ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक :

611(भाग), 612, 613(भाग), 649(भाग), और 711 (भाग),

छोटकी कुरी ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक :

103(भाग), 428(भाग), और 437(भाग)

एमलो ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक :

33(भाग), 34(भाग), 35, 36, 37, 38(भाग), 39(भाग), 40, 41(भाग), 182(भाग), 187(भाग), 218(भाग), 219(भाग), 220, 221(भाग), 222(भाग), 223, 224, 225 226(भाग), 227(भाग),

228 से 233 (भाग), 234 से 259, 260(भाग), 261, 262(भाग), 263(भाग), 265(भाग), 266(भाग), 276(भाग), 277 से 281, 282 (भाग), 283, 284, 285, 287 (भाग), 289(भाग), 290 (भाग), 303(भाग), 314(भाग), 315, 316(भाग), 317(भाग) और 372(भाग),

कारो ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक

1(भाग), 2(भाग), 3 से 78, 79(भाग), 84(भाग), 124(भाग), 131(भाग), 132 से 142, 143(भाग), 144 से 148, 149(भाग), 150 से 175, 177 से 185, 186 (भाग), 187, 188(भाग), 189 से 194, 195(भाग), 196, 197, 198(भाग), 199(भाग), 200(भाग), 218(भाग), 221(भाग), 223 से 238, 239(भाग), 240, 241, 243 (भाग), 244(भाग), 245, 246, 247(भाग), 248, 249, 250, 251 (भाग), 252 से 258, 259(भाग), 260 से 376, 377(भाग), 378 से 383, 384(भाग), 385(भाग), 386(भाग), 399, 400, 401, 402, 403 और 406.

करगली ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक

1(भाग) और 2(भाग)

सीमा वर्णन

क–ख–रेखा छोटकी कुरी ग्राम में प्लाट संख्यांक 103 से होती हुई बरमो ग्राम में प्लाट संख्यांक 1, 1390 और 16 से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है ।

ख–ग–रेखा बरमो ग्राम में प्लाट संख्यांक 16 और 23, प्लाट संख्यांक 23 की पूर्वी सीमा से होकर जाती है (जो कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित कारो ब्लाक उप ब्लाक "ख" के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग–घ– रेखा बरमो ग्राम में प्लाट संख्यांक 27, 111, 112, 110, 105, 106, 107, 27, 108, 27, 36, 64, 63, 70 से होकर जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ–ङ रेखा बरमो ग्राम मे प्लाट संख्यांक 70, 74, 73, 77, 84, 83, 136, 1081, 1083 से होकर जाती है (जो कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (की धारा 9(1) के अधीन अर्जित बोकारो कोयला खान विस्तार के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "ङ" पर मिलती है।

ङ–च–छ–ज–झ रेखाएं बरमो ग्राम में प्लाट संख्यांक 1083, 135, 136, 137, 136, 131, 136 और 1102 से होकर जाती हैं और बिन्दु "झ" पर मिलती हैं।

झ–ञ–रेखा बरमो ग्राम में प्लाट संख्यांक 1102 और 128 से होती हुई बैदकारो ग्राम में प्लाट संख्यांक 13, 325, 328, 332, 334, 336, 337, 366, 368, 298, 297, 296, 301, 295, 294, 286, 285, 284, 281, 257, 258, 267, 265, 264, 1275 और 126 से होकर जाती है (जो बोकारो कोयला खान सीमा के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "ञ" पर मिलती है ।

ञ–ट–ठ–रेखाएं बैदकारो ग्राम में प्लाट संख्यांक 126, 124, 1275 और 64 से होती हुई करगली ग्राम में प्लाट संख्यांक 1, 2 और 1 से होकर जाती है (जो करगली कोयला खान सीमा के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "ठ" पर मिलती है।

ठ–ड–ढ–ण–रेखाएं करगली ग्राम में प्लाट संख्यांक 1 से होती हुई, कारो ग्राम में प्लाट संख्यांक 200, 199, 218, 199, 198, 195, 186 से होती हुई प्लाट संख्यांक 186 और 195 की भागतः पूर्वी सीमा के साथ-साथ फिर प्लाट संख्यांक 195, 221, 199 से होती हुई प्लाट संख्यांक 218, 220, 222, 210, 209, 208 की पूर्वी सीमा और प्लाट संख्यांक 208 और 207 की दक्षिणी सीमा से होती हुई प्लाट संख्यांक 200 से होकर जाती है (जो उप-ब्लाक 4–ङ–द के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "ण" पर मिलती है ।

ण–त–थ– रेखाएं कारो ग्राम में प्लाट संख्यांक 200, 239, 200, 195, 243, 244, 243, 247, 259, 247, 386, 251, 377, 386, 384, 386 और 385 से होती हुई एमलो ग्राम में प्लाट संख्यांक 342, 233, 290, 233, 289, 287, 282, 276, 266, 265, 262, 263, 260, 303, 314, 317, 316 222, 221, 218 और 219 से होकर जाती है (जो करगली कोयला खान सीमा के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "थ" पर मिलती है।

थ–द– रेखा एमलो ग्राम में प्लाट संख्यांक 219, 187, 226, 182, 227, 226, 39, 41, 39, 38, 39, 34 और 33 से होती हुई कारो और एमलो ग्रामों की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "द" पर मिलती है।

द–क– रेखा कारो ग्राम में प्लाट संख्यांक 124, 84, 131, 84, 143, 79, 2 और 1 से होती हुई बरकी कुरी ग्राम में प्लाट संख्यांक 711, 649, 613 और 611 से होती हुई छोटकी ग्राम में प्लाट संख्यांक 437, 428 और 103 से होकर जाती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

ध–न–प– रेखाएं (उप-ब्लाक–ङ–द) प्लाट संख्यांक 188 और 149 से होती हुई और प्लाट संख्यांक 176, 149 और 188 से होकर जाती है और बिन्दु "ध" पर मिलती हैं।

प–ध– रेखा प्लाट संख्यांक 176 और 188 की सीमा से जाती है और आरम्भिक बिन्दु "ध" पर मिलती है।

1–4–3– रेखाएं बैदकारो ग्राम में प्लाट संख्यांक 9, 38, 41, 42 और 9 और प्लाट संख्यांक 36 की पूर्वी सीमा से होती हुई प्लाट संख्यांक 35, 9, 64 से होती हुई करगली ग्राम में प्लाट संख्यांक 1 से होकर जाती है (जो कारो ब्लाक उप-ब्लाक ग के साथ जिनके सभी अधिकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित कर लिये गये हैं (के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "3" पर मिलती है।

3–2–1– रेखाएं करगली ग्राम में प्लाट संख्यांक 1 से होती हुई प्लाट संख्यांक 64, 57, 56 और 9 से होकर जाती है और आरम्भिक बिन्दु "1" पर मिलती हैं (जो कारो ब्लाक-उप-ब्लाक ग के साथ, जिनके सभी अधिकार कोयला क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित कर लिये गये हैं) सम्मिलित सीमा बनाती है)

अनुसूची "ख"

ड्राइंग सं० राजस्व 99/81

तारीख 1-12-1981

(जिसमें वे भूमि दर्शित की गई हैं जहां खनिजों के खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई करने और उन्हें तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन किया जाना है) ।

खनन अधिकार

उप-ब्लाक--2

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	बरमो	नवाडीह (बरमो)	1	गिरिडीह	51.75	भाग

कुल क्षेत्र :--51.75 एकड़ (लगभग) या 20.94 हैक्टर (लगभग)

बरमो ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक

23(भाग), 27(भाग), 28 से 35, 36(भाग), 37, 38,39, 40 (भाग), 41, 42, 43(भाग), 44(भाग), 63(भाग), 64(भाग), 105 (भाग), 106(भाग), 107(भाग), 108(भाग), 109, 110(भाग), 111(भाग), और 112(भाग)

सीमा वर्णन

ग-घ2-घ1- रेखाएं बरमो ग्राम में प्लाट संख्यांक 23, 36, 40 से होकर जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है(जो कारो ब्लाक, उप-ब्लाक ख के साथ जिन्हें कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित किया गया है। सम्मिलित सीमा बनाती है ।

घ1--घ--रेखा बरमो ग्राम में प्लाट संख्यांक 36, 43, 44, '43, 36 और 63 से होकर जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है (जो बोकारो कोयला खान विस्तार के साथ जिसे कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास)) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित किया गया है, सम्मिलित सीमा बनाती है।

घ-ग--- रेखा बरमो ग्राम में प्लाट संख्यांक 63, 64, 36, 27, 108, 27, 107, 106, 105, 110, 112, 111 और 27 से होकर जाती है और आरम्भिक बिन्दु "ग" पर मिलती है ।

उप-ब्लाक--3 खनन अधिकार

क्र सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	बरमो	नवाडीह (बरमो)	18	गिरिडीह	20.55	भाग

कुल क्षेत्र 20.55 एकड़ (लगभग) 8.32 हैक्टर (लगभग)

बरमो ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक :—

131 (भाग), 132 (भाग), 135 (भाग), 136 (भाग), 1083 (भाग), 1084 (भाग), 1096 (भाग), 1101 (भाग), और 1102 (भाग),

सीमा वर्णन

छ-च-ङ- रेखाएं बरमो ग्राम में प्लाट संख्यांक 136, 132, 136, 135, 1083 से होकर जाती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती है ।

ङ-फ रेखा बरमो ग्राम में प्लाट संख्यांक 1083 और 1084 से होकर जाती है (जो बोकारो कोयला खान विस्तार के साथ जिसे कोयला धारक (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित किया गया है, सम्मिलित सीमा बनाती है और बिंदु फ पर मिलती है ।

फ-झ रेखा बरमो ग्राम में प्लाट संख्यांक 1084, 1102, 1101, 1096, और 1102 से होकर जाती है और बिंदु "झ" पर मिलती है (जो बोकारो कोयला खान के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) ।

झ-ण-छ रेखाएं बरमो ग्राम में प्लाट संख्यांक 1102, 136, 131 और 136 से होकर जाती हैं और बिंदु "छ" पर मिलती है ।

उप-ब्लाक 4 खनन अधिकार

क्र०सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	कारो	नवाडीह	65	गिरिडीह	30.45	भाग
2.	करगली	(बरमो)	66	,,	0.80	भाग

कुल भाग . 31.25 एकड़ (लगभग) 12.65 हैक्टर (लगभग)

कारो ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक —

186 (भाग), 195 (भाग), 198 (भाग), 199 (भाग), 200 (भाग), 201 से 217, 218 (भाग), 219, 220, 221 (भाग), और 222

करगली ग्राम में अर्जित किए जाने वाला प्लाट संख्यांक

1 (भाग),

सीमा वर्णन

ठ-ड-ढ-ण रेखाएं कर गली ग्राम में प्लाट संख्यांक 1 होती हुई कारो ग्राम में प्लाट संख्यांक 200, 199, 218, 199, 198 195 186 से होती हुई प्लाट संख्यांक 186 और 195 की भागतः पूर्वी सीमा के साथ-साथ फिर प्लाट संख्यांक 195, 221, 199 होती हुई प्लाट संख्यांक 218, 220, 222, 210, 209, 208 की पूर्वी सीमा प्लाट संख्यांक 208, 207 की दक्षिणी सीमा से होती हुई प्लाट संख्यांक 200 से होकर जाती है) जो उप-ब्लाक । (सभी अधिकार) के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिंदु "ण" पर मिलती है।

ण-ठ रेखा कारो ग्राम में प्लाट संख्यांक 200 से जाती हुई करगली में ग्राम में प्लाट संख्यांक 1 से होकर जाती है और आरम्भिक बिंदु "ठ" पर मिलती है।

उप-ब्लाक-5 खनन अधिकार

क्र० सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	कारो	नवाडीह (बरमो)	65	गिरिडीह	5.70	भाग

कुल क्षेत्र 5.70 एकड़ (लगभग) या 2.31 हैक्टर (लगभग)

कारो ग्राम मे अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक :--

149 (भाग), 176 (भाग), 183 (भाग).

ध-न-प-थ रेखाएं कारो ग्राम में प्लाट संख्याक 188 और 149 से होती हुई और प्लाट संख्याक 188, 179, 178, 177, 78, 147, 148, 153, 154, 170, 171, 172, 173, 174, 175 और 192. की सीमा से जाती है (जो उप-खनाक 1) सभी अधिकार) के साथ सम्मिलित सीमा बनाती हैं) और आरम्भिक बिंदु "ध" पर मिलती है।

[सं० 19/4/82-सी० एल०]

New Delhi, the 1st April, 1982

S.O. 1542.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S. O. 1407 dated the 6th May, 1981, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development), Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 2975.00 acres (approximately) or 1203.93 hectares (approximately) of the lands in the locality in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire :

(a) the lands measuring 2865.75 acres (approximately) or 1159.71 hectares (approximately) described in Schedule 'A' appended hereto, and

(b) the rights, to mine quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 109.25 acres (approximately) or 44.22 hectares (approximately) described in Schedule 'B' appended hereto;

Note.—1. The plan of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Giridih (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Central Coalfields Ltd., (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

Note.—2. Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957); which provides as follows :—

Objection to acquisition :—

"8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation.—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act".

Note.—3. The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the competent authority under the said Act.

Schedule 'A' Drg. No. Rev/99/81

Karo Block Extension Dated 1-12-1981

East Bakaro Coalfield

Distt. Giridih (Bihar) (Showing lands to be acquired)

Sub-Block-1 All Right

Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1.	Bermo	Nawadih (Bermo)	18	Giridih	391.10	part
2.	Baidkaro	-do-	20	-do-	806.60	-do-
3.	Barki Kuri	-do-	21	-do-	215.00	-do-
4.	Chhotki Kuri	-do-	22	-do-	207.00	-do-
5.	Emlo	-do-	64	-do-	66.5	-do-
6.	Karo	-do-	65	-do-	1067.20	-do-
7.	Kargali	-do-	66	-do-	112.00	-do-

Total area 2865.75 acres (approximately)
or
1159.71 hectares (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Bermo :—

1(Part), 16 (part), 23 (part), 24, 25, 26, 27 (part), 36(part) 63(part), 64(part), 65 to 69, 70(part), 71, 72, 73(part), 74(part) 77(part), 83(part), 84(part), 85 to 104, 105(part), 106 (part) 107(part), 108(part), 110(part), 111(part), 112(part), 113 to 127, 128(part), 129, 130 131(part), 132(part), 133, 134, 135(part), 136(part), 1081(part), 1082, 1083(part), 1102 (part), 1374 to 1385, 1390(part), and 1391.

Plot numbers to be acquired in village Baidkaro:—

1 to 8, 9(part), 10, 11, 12, 13(part), 14 to 34, 35(part), 36 37, 38(part), 41(part), 42(part), 56(part), 57(part), 58 to 63, 64(part), 65 to 72, 124(part), 125, 126(part), 257(part), 258(part), 264(part), 265(part), 266, 267(part), 268 to 280, 281(part), 282, 283, 284(part), 285(part), 286(part), 287 to 293, 294(part), 295(part), 296 (part), 297(part), 298 (part), 299, 300, 301(part), 302 to 324, 325(part), 329 (part), 332(part), 334(part), 335, 336(part), 337(part), 366(part), 368(part), 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275(part), and 1280.

Plot numbers to be acquired in village Barki Kuri:—

611(part), 612, 613 (part), 649(part), and 711(part).

Plot numbers to be acquired in village Chhotki Kuri:—

103(part), 428(part), & 437(part).

Plot numbers to be acquired in village Emlo :—

33(part), 34(part), 35, 36, 37, 38(part), 39(part), 40, 41(part), 182(part), 187(part), 218(part), 219(part), 220, 221 (part), 222 (part), 223, 224, 225, 226(part), 227(part), 228 to 233(part), 234 of 259, 260(part), 261, 262(part), 263(part), 265(part), 266 (part), 276(part) 277 to 281, 282(part), 283, 284, 285, 287(part), 289(part), 290(part), 303(part), 314(part), 315, 316(part), 317

Plot numbers to be acquired in village Karo:—

1(part), 2(part), 3 to 78, 79(part), 94(part), 124(part), 131 (part), 132 to 142 143(part) 144 to 148 149(part), 150 to 175 , 177 to 185, 186(part), 187, 188(part), 189 to 194, 195(part), 196, 197, 198(part), 199(part), 200(part), 218(part), 221(part) 223 to 238, 239(part), 240, 241, 243(part), 244(part), 245, 246,' 247(part), 248, 249, 250, 251(part), 252 to 253, 259(part), 260 to 376, 377(part), 378 to 383, 384(part), 385(part), 386(part), 399, 400, 401, 402, 403, & 406.

Plot numbers to be acquired in village Kargali:—

1(part), & 2(part).

Boundary description:—

A - B line passes through plot numbers 103 in village Chhotki Kuri, through plot numbers 1, 1390 & 16 in village Bermo and meets at point 'B'.

B C line passes through plot numbers 16 and 23, eastern boundary of plot number 23 in village Barmo (which forms common boundary with Karo Block Sub-Block 'B' acquired u/s 9(1) of Coal Act and meets at point 'C'.

C - D line passes through plot numbers 27, 111, 112, 110, 105, 106. 107 27, 108, 27, 36, 64, 63, 70 in village Bermo and meets at point 'D'.

D E line passes through plot nos. 70, 74, 73, 77, 84, 83, 136, 1081, 1083, in village Bermo (which forms common boundary with Bokaro Colliery Extension acquired u/s 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 and meets at point 'E'.

E-F-G—H-I lines pass through plot numbers 1083, 135,136, 132, 136, 131, 136 and 1102 in village Bermo and meets at point 'I'

I—J line passes through plot numbers 1102 and 128 in village Bermo through plot numbers 13, 325, 328, 332 334 336 337 366, 368, 298, 297, 296, 301, 295, 294, 286, 285, 284, 281, 257, 258, 267, 265, 264, 1275 and 126 in village Baidkaro (which forms common boundary with Bokaro Colliery boundary and meets at point 'J'.

J-K-L lines pass through plot numbers 126, 124, 1275, and 64 in village Baldkaro, through plot numbers 1, 2 and 1 in village Kargali (which form' common boundary with Kargali Colliery boundary) and meets at point 'L'.

L-M-N-O lines pass through plot number 1 in village Kargali, through plot number 200, 199, 218, 199, 198, 195, 186 along part eastern boundary of, plot nos. 186 and 195 then passes through plot nos. 195, 221, 199, eastern boundary of plot numbers 218, 220, 222, 210, 209, 208, and southern boundary of plot numbers 208 and 207 through plot number 200 in village Karo (forms common boundary with sub-block-4 M. R.) and meets at point 'O'.

O-P-Q lines pass through plot numbers 200, 239, 200, 195, 243, 244, 243, 247, 259, 247, 386, 251, 377, 386, 394, 386 and 385 in villag Karo, through plot numbers 342, 233, 290, 233, 289, 287, 282, 276, 266, 265, 262, 263, 260, 303, 314, 317, 316, 222, 221, 218, and 219 in village Emlo (which forms common voundary with Kargali Colliery boundary) and meets at point 'Q'.

Q—Ri line passes throughplot numbers 219, 187, 226 182, 227, 226, 39, 41, 39, 38, 39, 34 and 33 in village Emlc and along part common boundary of village Karo and Emlo and meets at point 'R'.

R—A line passes through plot numbers 124, 84, 131, 84, 143, 79, 2 and 1 in village Karo through plot numbers 711, 649, 613 and 611 in village Barki Kuri, through plot numbers 437, 428 and 103 in village Chhoki Kuri and meets at starting point 'A'.

S—T—U lines pass through plot numbers 188 and 149 and by plot numbers 176, 149 & 188 (sub-block-5 M.R.) and meets at point 'U'.

U—S line passes by boundary of plot numbers 176 and and 188 and meets at starting point 'S'.

1—4—3 lines pass through plot numbers 9, 38, 41, 42 and 9 and eastern boundary of plot number 36, through plot numbers 35, 9, 64 in village Baidkaro through plot number 1 (forms common boundary with Karo Block Sub-Block-C All Rignts) acquired u/s (1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act in village Kargali and meets at point '3'.

3—2—1 lines pass through plot number 1 in village Kargali, through plot numbers 64, 57, 56 and 9 and meets at starting point '1' (which forms common boundary with Karo Block Sub-Block-C All Rights) acquired u/s 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act 1957.

Schedule 'B' Drg. No. Rev/99/81
Karo Block Extn. Dated 1-12-1981
(Showing lands where rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work & carry away minerals are to be acquired).

MINING RIGHTS

Sub-Block-2

Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1.	Bermo	Nawadih (Bermo)	18	Giridih	51.75	part

Total area 51.75 acres (approximately) or 20.94 hectares (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Bermo:—

23(part), 27(part), 28 to 35, 36(part), 37, 38, 39, 40(part) 41, 42, 43(part), 44(part), 63(part), 64(part), 105(part), 106(part) 107(part), 108(part), 109, 110(part), 111(part), & 112(part).

Boundary description:—

C--D_3--D_1 lines pass through plot numbers 23, 36, 40 in village Bermo and meets at point D_1 (form common boundary with Karo Block, sub-blo B acquired us 9(1) of the CoalBearing Area (Acquisition and Development) Act.

D_1—D line passes through plot nos. 36, 43, 44, 43, 36 and 60 in village Bermo and meet at point 'D' (forms common boundary with Bokaro Colliery Extn. acquired u/s 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act.

D—C line passes through plot numbers 63, 64, 36, 27 108, 27, 107, 106, 105, 110, 112, 111 and 27 in village Bermo and meets at starting point 'C

Sub-Block-3 Mining Rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1.	Bermo	Nawadih (Bermo)	18	Giridih	20.55	part

Total area 20.55 acres (approximately)
or 8.32 hectares (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Bermo:—

131(part), 132(part), 135(part), 136(part), 1083(part), 1084 (part), 1096(part), 1101(part), and 1102(part).

Boundary description :—

G—F—E lines pass through plot numbers 136, 132, 136, 135, 1083 in village Bermo and meets at point 'E'.

E—V line passes through plot nos. 1083 and 1084 in village Bermo (forms common boundary with Bokaro Colliery Extn. acquired u/s 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 and meets at point 'V'.

V—I line passes through plot numbers 1084, 1102, 1101, 1096 and 1102 in village Bermo and meets at point 'I' (forms common boundary with Bokaro Colliery).

I—H—G— lines pass through plot numbers 1102, 136, 131 and 136 in village Bermo and meets at starting point 'G'.

Sub-Block-4 Mining Rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1.	Karo	Nawadih (Bermo)	65	Giridih	30.45	part
2.	Kargali	-do-	66	-do-	0.80	part

Total area:—31.25 acres (approximately)
or 12.65 hectares (approximately).

Plot numbers to be acquired in village Karo :—

186(part), 195(part), 198(part), 199(part), 200(part), 201 to 217, 218(part), 219, 220, 221(part) and 222.

Plot number to be acquired in village Kargali:—

1(part).

Boundary description:—

L-M-N-O lines pass through plot number 1 in village Kargali through plot numbers 200, 199, 218, 199, 198, 195, 186 along part eastern boundary of plot nos. 186 and 195 then passes through plot nos. 195, 221, 199 eastern boundary of plot numbers 218, 220, 222, 210, 209, 208 southern boundary of plot numbers 208, 207 through plot number 200 in village Karo (forms common boundary with sub-block-I all rights and meets at point 'O'.

O-L line passes through plot numbers 200 in village Karo through plot number 1 in village Kargali and meets at starting point 'L'.

Sub-Block-5 Mining Rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1.	Karo	Nawadih (Bermo)	65	Giridih	5.70	part

Total area 5.70 acres (approximately)
or 2.31 hectares (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Karo :—

149(part), 176 and 188(part).

Boundary description:—

S-T-U-S lines pass through plot numbers 188 and 149 and by boundary of plot nos. 183, 179, 178, 177, 78, 147, 148, 153, 154, 170, 171, 172, 173, 174, 175 and 192 in village Karo (forms common boundary with sub-block-I (all rights) and meets at starting point 'S'.

[No. 19/4/82-CL]

का० आ० 1543 .—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और ईंधन मंत्रालय (खान) और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 702 तारीख 18 मार्च, 1960 के अनुसरण में, ग्राम बालन्डा डेरा और घंटापारा थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 998.90 एकड़ (लगभग या 404.19 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम बालन्डा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के श्री बूटू प्रधान पुत्र श्री सिर चीना प्रधान ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.00 एकड़ या 0.405 हैक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम प्राप्त करने के लिए हक का निर्बंधन न होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस दावेदार को संदेय प्रतिकर की रकम प्राप्त करने के हक की घोषणा करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13(5)/80-सी० एल०]

S.O. 1543.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S. O. 702 dated the 18th March, 1960 under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 998.90 acres (approx.) or 404.19 hectares (approx.) in village Balanda, Dera and Ghantapara Thana Colliery P. S., district Dhenkanal (Orissa).

And whereas Butu Pradhan Son of Sirchina Pradhan of village Balanda P. O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 1.00 acres or 0.405 hectare which forms part of the said lands so acquired, before the Competent Authority;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement for want of clearance of title to receive the amount of compensation offered;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of District Judge, Dhenkanal (Orissa) part time Tribunal, for the purpose of declaration of the title to receive the compensation payable to this claimant.

[No. 13(5)/80-CL]

का० आ० 1544.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और ईंधन मंत्रालय (खान) और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 702 तारीख 18 मार्च, 1960 के अनुसरण में, ग्राम बालन्डा डेरा और घंटापारा थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 998.90 एकड़ (लगभग) या 404.19 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम बालन्डा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के श्री मकुन्द साहू और भगवान साहू पुत्र श्री नीला साहू ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.04 एकड़ या 0.162 हैक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम प्राप्त करने के लिए हक का निर्धारित न होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस दावेदार को संदेय प्रतिकर की रकम प्राप्त करने के हक की घोषणा करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल०]

S.O. 1544.—Whereas, in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 702 dated 18th March, 1960, under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the lands measuring 998.80 acres (approx.) or 404.19 hectares (approx.) in village Balanda, Dera and Ghantapara Thana Colliery P. S., district Dhenkanal (Orissa).

And whereas Makund Sahu and Bhagwan Sahu both sons of Nila Sahu of village Balanda, P. O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have, under section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.04 acre or 0.162 hectare which forms part of the land, so acquired, before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of District Judge, Dhenkanal (Orissa) part time Tribunal for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(5)/80-CL]

का० आ० 1545.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और ईंधन मंत्रालय (खान) और ईंधन विभाग की अधिसूचना सं० का० आ० 702 तारीख 18 मार्च, 1960 के अनुसरण में, ग्राम बालन्डा डेरा और घंटापारा थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 998.90 एकड़ (लगभग) या 404.19 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है

और ग्राम डेरा डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के सर्व श्री सौरी प्रधान किरतन प्रधान, बनका प्रधान पुत्र श्री डांगी प्रधान ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.08 एकड़ या 0.324 हैक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम प्राप्त करने के लिए हक का निर्धारित न होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस दावेदार को संदेय प्रतिकर की रकम प्राप्त करने के हक की घोषणा करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल०]
स्वर्ण सिंह, अवर सचिव

S.O. 1545.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S. O. 702 dated the 18th March, 1960 under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the lands measuring 998.80 acres (approx.) or 404.19 hectares (approx.) in villages Balanda, Dera and Ghantapara Thana Colliery, P. S. District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Sauri Pradhan, Kirtan Pradhan and Banka Pradhan all sons of Dangi Pradhan and Radha Bewa wife of Kathi Pradhan of village Dera, P. O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa) the persons interested have under section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.08 acre on 0.374 hectares which forms part of the land so acquired before the Competent Authority;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes, a Tribunal consisting of District Judge, Dhenkanal (Orissa), part time Tribunal for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(5)/80-CL]
SWARAN, SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1982

का० आ० 1546.—कोकिंग कोयला खान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 36) की धारा 20 की उप-धारा (2) के अधीन प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री ए० एस० प्रसाद को सहायक भुगतान आयुक्त के पद पर 4 मार्च, 1982 के पूर्वाह्न से नियुक्त करती है।

[सं० 11024/2/82-सीए]
टी०सी०ए० श्रीनिवासन, उप सचिव

New Delhi, the 3rd April, 1982

S.O. 1546.—In exercise of the power conferred under sub-section (2) of the Section 20 of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1972 (36 of 1972), the Central

Government hereby appoints Shri A. N. Prasad as Assistant Commissioner of Payments with effect from the forenoon of the 4th March, 1982.

[No. 11024(4)/82-CA]
T. C. A. SRINIVASAN, Dy. Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(केन्द्रीय फिल्म सेन्सर बोर्ड)

बम्बई, 27 मार्च, 1982

का०आ० 1547—केन्द्रीय सरकार, देखें—सूचना और प्रसारण मंत्रालय के आदेश संख्या 2/59/64-एफ०(सी) दिनांक 3 मई, 1973 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हैं, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, बम्बई के अध्यक्ष महोदय श्री आर० पी० मेनन अध्यक्ष केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, बम्बई, को सहायक प्रादेशिक अधिकारी पद पर उसी कार्यालय में तदर्थ रूप से पदस्थापन्न के लिए 27-3-1982 (अपराह्न) से 11/6/1982 तक श्री एच० सी० विश्वास सहायक प्रादेशिक अधिकारी और श्री एन० वांचिनाथन के अर्जित छुट्टी पर है, उनके स्थापन पर नियुक्त किया है।

[सं० ए० 20012/2/प्रशासन]
सु० मो० नौटियाल, प्रशासन अधिकारी

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

(Central Board of Film Censors)

Bombay, 27th March, 1982

S.O. 1547.—In exercise of the powers conferred by the Central Government vide Ministry of Information and Broadcasting's order No. 2/59/64-F(C) dated 3rd May, 1973, the Chairman, Central Board of Film Censors, Bombay is pleased to appoint, Shri R. P. Menon, Superintendent, Central Board of Film Censors Bombay to officiate temporarily as Assistant Regional Officer in the same office on ad-hoc basis from 27-3-1982 (F.N.) to 11-6-1982 vice Shri H. C. Biswas, ad-hoc Assistant Regional Officer and Shri N. Vanchinathan, Secretary to the Chairman granted leave.

[No. A-20012/2/Admn.]
S. M. NAUTIYAL, Administrative Officer

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1982

का०आ० 1548—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10(4) के तहत जिन्हें सरकारी राजपत्र में 17 जुलाई, 1976 को अधिसूचित किया गया था, एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इस बोर्ड के अधीन उन कार्यालयों (जिन्हें इस अधिसूचना के परिशिष्ट में दिखाया गया है) के कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है। यह इस कार्यालय के तारीख 6 जुलाई, 1978, 28 नवम्बर, 1979 को जारी की गई अधिसूचना सं० ई-1901/6/76-हिन्दी -क तथा 26 अगस्त, 1981 को जारी की गई अधिसूचना सं० ई-1901/4/81-राजभाषा के सिलसिले में है।

मध्य प्रदेश डाक सर्किल

क्रम सं०	कार्यालय का नाम	मुख्यालय
1	2	3
1.	निदेशक डाक सेवाएं, रायपुर क्षेत्र	रायपुर
2.	निदेशक डाक सेवाएं, इंदौर क्षेत्र	इंदौर

1	2	3
	बिहार डाक सर्किल	
1.	मण्डल कार्यालय, पश्चिमी चम्पारण, बेतिया	बेतिया
2.	मण्डल कार्यालय, मधुबनी	मधुबनी
3.	मण्डल कार्यालय, बैशाली	बैशाली
4.	मण्डल कार्यालय, गिरिडीह	गिरिडीह
5.	मण्डल कार्यालय, सीतामढी	सीतामढ़ी
6.	निदेशक लेखा (डाक), पटना,	पटना
7.	मण्डल कार्यालय, आर०एम०एम० आर०एन० मंडल	रांची
	गुजरात डाक सर्किल	
1.	मण्डल कार्यालय, गांधीनगर	गांधीनगर
2.	मण्डल कार्यालय, गोधरा	गांधीनगर
3.	मण्डल कार्यालय, नडियाद	नडियाड़
4.	मण्डल कार्यालय, पाटण	पाटण
5.	मण्डल कार्यालय, भावनगर	भावनगर
6.	मण्डल कार्यालय, राजकोट	राजकोट
7.	रेल डाक मण्डल, अहमदाबाद	अहमदाबाद
8.	रेल डाक मण्डल, बडोदरा	बडोदरा
	महाराष्ट्र डाक सर्किल	
1.	निदेशक डाक सेवाएं, बम्बई क्षेत्र	बम्बई
2.	निदेशक डाक सेवाएं, पुणे क्षेत्र	पुणे
3.	निदेशक डाक सेवाएं, नागपुर क्षेत्र	नागपुर
4	मण्डल कार्यालय, रायगढ़	अलीबाग
5.	मण्डल ग्रामीण कार्यालय, नासिक	नासिक
6	मण्डल कार्यालय, श्रीरामपुर	श्रीरामपुर
7	मण्डल कार्यालय, पंढरपुर	पंढरपुर
8.	मण्डल कार्यालय, चांदा	चन्द्रपुर
9.	मण्डल कार्यालय, बुलडाना	बुलडाना
10.	मण्डल कार्यालय, जलगांव	जलगाव
11.	जी०पी०ओ० बम्बई	बम्बई
12.	प्रधान डाकघर, माण्डवी	बम्बई
13.	प्रधान डाकघर, गिरगांव	बम्बई
14.	क्षेत्रीय टिकट भण्डार, बम्बई	बम्बई
15	रेल डाक सेवा, एल० मण्डल, मुसावल	मुसावल
16.	प्रबन्धक, पुनः प्रेषण केन्द्र, बम्बई	बम्बई
17.	डाक-तार मोटर सेवा, बम्बई	बम्बई
18.	लेखाधिकारी, आं०जां०सं०, बम्बई	बम्बई
19	लेखाधिकारी, आं०जां०सं०, नागपुर	नागपुर
	पश्चिम दूरसंचार क्षेत्र मेंटेनेंस, बम्बई	
1.	मण्डल इंजीनियर माइक्रोवेव, नागपुर	नागपुर
2.	मण्डल इंजीनियर लांग डिस्टेंट, इंदौर	इंदौर
3.	मण्डल इंजीनियर माइक्रावेव, पूणे	पुणे
4.	मण्डल इंजीनियर लांग डिस्टेंट, सिकन्दराबाद	सिकन्दराबाद
5	मण्डल इंजीनियर लांग डिस्टेंस, थाणा	थाणा
6.	क्षेत्रीय इंजीनियर (मेन्टेनेंस), अहमदाबाद	अहमदाबाद
7.	क्षेत्रीय इंजीनियर (मेन्टेनेंस), नागपुर	नागपुर
	उत्तर पश्चिम दूर संचार सर्किल	
1	केन्द्रीय तारघर, चण्डीगढ़	चण्डीगढ़
	दिल्ली दूर संचार सर्किल	
1	मण्डल अभियन्ता (एशियाड क्षेत्र) का कार्यालय	नई दिल्ली
2	मण्डल अभियन्ता (शिकायत) का कार्यालय	नई दिल्ली
3	मण्डल अभियन्ता (टेक्स) का कार्यालय	नई दिल्ली

1	2	3
4.	मण्डल अभियन्ता (एस०टी०ओ०) का कार्यालय	नई दिल्ली
5.	मण्डल अभियन्ता (सी०एन०-I) का कार्यालय	नई दिल्ली
6.	मण्डल अभियन्ता (सी०एन०-II) का कार्यालय	नई दिल्ली
7.	मण्डल अभियन्ता (सी०एन०-III) का कार्यालय	नई दिल्ली
8.	मण्डल अभियन्ता (सी०पी०एम०) व (जे०एन०) का कार्यालय	नई दिल्ली
9.	मण्डल अभियन्ता (सी०पी०एम०) (एक्स) का कार्यालय	नई दिल्ली
10.	मण्डल अभियन्ता (पी०सी०एम०) का कार्यालय	नई दिल्ली
11.	मण्डल अभियन्ता (जी०पी०-I) का कार्यालय	नई दिल्ली
12.	मण्डल अभियन्ता (जी०पी०-II) का कार्यालय	नई दिल्ली
13.	मण्डल अभियन्ता (आई) का कार्यालय	नई दिल्ली
14.	मण्डल अभियन्ता (क्रास बार) (एन०ई०सी०) का कार्यालय	नई दिल्ली
15.	मण्डल अभियन्ता (क्रास बार) (ट्रंक - टन्डम) का कार्यालय	नई दिल्ली
16.	मण्डल अभियन्ता (ओ०सी० टन्डम) का कार्यालय	नई दिल्ली
17.	मण्डल अभियन्ता (क्रास बार) (गाजियाबाद) का कार्यालय	नई दिल्ली
18	मण्डल अभियन्ता (शाहदरा, पूर्व-II) का कार्यालय	नई दिल्ली
19.	मण्डल अभियन्ता (परिचालन) का कार्यालय	नई दिल्ली
20.	मण्डल अभियन्ता (स्वीकृति तथा परीक्षण) का कार्यालय	नई दिल्ली

क्षेत्रीय प्रबन्ध (केन्द्र)

21.	क्षेत्रीय प्रबन्धक का कार्यालय	नई दिल्ली
22.	मण्डल अभियन्ता (शिकायत) का कार्यालय	नई दिल्ली
23.	मण्डल अभियन्ता (कनाट प्लेस) का कार्यालय	नई दिल्ली
24.	मण्डल अभियन्ता (बहिरंग) ईदगाह कार्यालय	नई दिल्ली
25.	मण्डल अभियन्ता (अंतरंग) ईदगाह का कार्यालय,	नई दिल्ली
26.	मण्डल अभियन्ता (सी०एम०) का कार्यालय	नई दिल्ली
27.	मण्डल अभियन्ता (राजपथ) का कार्यालय	नई दिल्ली
28	मण्डल अभियन्ता (सचिवालय) का कार्यालय	नई दिल्ली

क्षेत्रीय प्रबन्धक (दूरस्थ)

29.	क्षेत्रीय प्रबन्धक का कार्यालय	नई दिल्ली
30.	मण्डल अभियन्ता (ट्रंक स) का कार्यालय	नई दिल्ली
31.	मण्डल अभियन्ता (विशेष सेवा)	नई दिल्ली
32.	मण्डल अभियन्ता (टी०एन०ओ) (अंतरंग) का कार्यालय	नई दिल्ली
33.	मण्डल अभियन्ता (टैलक्स) बहिरंग का कार्यालय	नई दिल्ली
34.	मण्डल अभियन्ता (बेतार) गुड़गांव का कार्यालय	नई दिल्ली

क्षेत्रीय प्रबन्धक (उत्तर पूर्व)

35.	क्षेत्रीय प्रबन्धक का कार्यालय	नई दिल्ली
36.	मण्डल अभियन्ता (शिकायत) का कार्यालय	नई दिल्ली
37.	मण्डल अभियन्ता (बहिरंग) दिल्ली गेट का कार्यालय	नई दिल्ली
38.	मण्डल अभियन्ता (अंतरंग) दिल्ली गेट का कार्यालय	नई दिल्ली
39.	मण्डल अभियन्ता (शाहदरा एवं गाजियाबाद) का कार्यालय	नई दिल्ली
40.	मण्डल अभियन्ता (शाहदरा एवं गाजियाबाद) का कार्यालय	नई दिल्ली

क्षेत्रीय प्रबन्धक (उत्तर पश्चिम)

41.	क्षेत्रीय प्रबन्धक का कार्यालय	नई दिल्ली
42.	मण्डल अभियन्ता (शिकायत) का कार्यालय	नई दिल्ली
43.	मण्डल अभियन्ता (अंतरंग) तीस हजारी का कार्यालय	नई दिल्ली
44.	मण्डल अभियन्ता (बहिरंग) तीस हजारी का कार्यालय	नई दिल्ली
45.	मण्डल अभियन्ता (शक्ति नगर) का कार्यालय	नई दिल्ली

क्षेत्रीय प्रबन्धक (दक्षिण)

46.	क्षेत्रीय प्रबन्धक का कार्यालय	नई दिल्ली
47.	मण्डल अभियन्ता (शिकायत) का कार्यालय	नई दिल्ली
48.	मण्डल अभियन्ता (अंतरंग एवं बहिरंग) का कार्यालय	नई दिल्ली
49.	मण्डल अभियन्ता (फरीदाबाद) का कार्यालय	नई दिल्ली
50.	मण्डल अभियन्ता (बहिरंग, होजखास) का कार्यालय	नई दिल्ली
51.	मण्डल अभियन्ता (अंतरंग होज खास) का कार्यालय	नई दिल्ली
52.	मण्डल अभियन्ता (अंतरंग जोर बाग) का कार्यालय	नई दिल्ली
53.	मण्डल अभियन्ता (बहिरंग) जोर बाग का कार्यालय	नई दिल्ली
54.	मण्डल अभियन्ता (अंतरंग व बहिरंग) ओखला का कार्यालय	नई दिल्ली
55.	मण्डल अभियन्ता (नेहरू प्लेस) का कार्यालय	नई दिल्ली

क्षेत्रीय प्रबन्धक (पश्चिम)

56.	क्षेत्रीय प्रबन्धक का कार्यालय	नई दिल्ली
57.	मण्डल अभियन्ता (शिकायत) का कार्यालय	नई दिल्ली
58.	मण्डल अभियन्ता (दिल्ली कैंट) का कार्यालय	नई दिल्ली
59.	मण्डल अभियन्ता (जनक पुरी) का कार्यालय	नई दिल्ली
60.	मण्डल अभियन्ता (अंतरंग करोल बाग) का कार्यालय	नई दिल्ली
61.	मण्डल अभियन्ता (बहिरंग) करोलबाग का कार्यालय	नई दिल्ली
62	मण्डल अभियन्ता (अंतरंग) राजोरी गार्डन का कार्यालय	नई दिल्ली
63.	मण्डल अभियन्ता (बहिरंग) राजोरी गार्डन का कार्यालय	नई दिल्ली

[सं० ई-1901/4/181-राजभाषा]

मंगल नाथ सिंह निदेशक

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Post & Telegraph Board)

New Delhi, the 23rd February 1982.

S.O. 1548—In operation of Rules 10(4) of the Official Languages (use for Official purposes of the Union) Rules, 1976 as published in Gazette of India on 17-7-1976 it is hereby notified that the staff of offices under this Board, as shown in the appendix to Notification, have acquired a working knowledge of Hindi. This is in continuation of this office Notification No. E-1901/6/76-Hindi-A, dated the 6th July 1978, 28th November, 1979 and Notification No. E-1901/4/81-OL, dated the 26th August, 1981.

M.P. POSTAL CIRCLE

Sl. No.	Name of Office	Head Office
1	2	3
1.	Director Postal Services, Raipur Region	Raipur
2.	Director Postal Services, Indore Region	Indore

BIHAR POSTAL CIRCLE

1.	Divisional Office, South Champaran, Bettia	Bettia
2.	Divisional Office, Madhubani	Madhubani
3.	Divisional Office Vaishali	Vaishali
4.	Divisional Office, Giridech	Giridech
5.	Divisional Office, Sitamadhi	Sitamadhi

1	2	3
6.	Director of Accounts (Postal), Patna	Patna
7.	Divisional Office, R.M.S., RN Dn.	Ranchi
	GUJARAT POSTAL CIRCLE	
1.	Divisional Office, Gandhinagar	Gandhinagar
2.	Divisional Office, Goghra	Gandhinagar
3.	Divisional Office, Nadiad	Nadiad
4.	Divisional Office, Patan	Patan
5.	Divisional Office, Bhavnagar	Bhavnagar
6.	Divisional Office, Rajkot	Rajkot
7.	R.M.S. Division, Ahmedabad	Ahmedabad
8.	R.M.S. Division, Vadodara	Vadodara
	MAHARASHTRA POSTAL CIRCLE	
1.	Director Postal Services, Bombay Region	Bombay
2.	Director Postal Services, Pune Region	Pune
3.	Director Postal Services, Nagpur Region	Nagpur
4.	Divisional Office, Raigarh	Aligarh
5.	Divisional Office, Rural, Nasik	Nasik
6.	Divisional Office, Srirampur	Srirampur
7.	Divisional Office, Pandarpur	Pandarpur
8.	Divisional Office, Chanda	Chandrapur
9.	Divisional Office, Buldana	Buldana
10.	Divisional Office, Jalgaon	Jalgaon
11.	G.P.O., Bombay	Bombay
12.	Head Post Office, Mandvi	Bombay
13.	Head Post Office, Girgaon	Bombay
14.	Regional Stamps Store, Bombay	Bombay
15.	R.M.S. 'L' Division, Bhusaval	Bhusaval
16.	Manager, R.L.O., Bombay	Bombay
17.	P&T Motor Services, Bombay	Bombay
18.	Accounts Officer, Internal Check Organisation, Bombay.	Bombay
19.	Accounts Officer, Internal Check Organisation, Nagpur	Nagpur
	SOUTH TELECOM. REGION (MTCE.), BOMBAY	
1.	Divisional Engineer Microwave, Nagpur	Nagpur
2.	Divisional Engineer Long Distance, Indore	Ondore
3.	Divisional Engineer Microwave, Pune	Pune
4.	Divisional Engineer Long Distance Sikandarabad	Sikandarabad
5.	Divisional Engineer Long Distance Thane	Thane
6.	Regional Engineer (Mtce.), Ahmedabad	Ahmedabad
7.	Regional Engineer (Mtce.), Nagpur	Nagpur
	NORTH WESTERN TELECOM. CIRCLE	
1.	Central Telegraph Office, Chandigarh	Chandigarh
	DELHI TELECOM. CIRCLE	
1.	Office of the Divisional Engineer (Asian Games)	New Delhi
2.	" (Complaint)	New Delhi
3.	" (Tex)	New Delhi
4.	" (S.T.D.)	New Delhi
5.	" (C.N.-I)	New Delhi
6.	" (C.N.-II)	New Delhi
7.	" (C.N.-III)	New Delhi
8.	" (C.P.M. & J.N.	New Delhi
9.	" (C.P.M. (S)	New Delhi
10.	" (P.C.M.)	New Delhi
11.	" (G.P.-I)	New Delhi
12.	" (G.P.-II)	New Delhi
13.	" (I)	New Delhi
14.	" (Cross Bar) (N.E.C.)	New Delhi)

1	2	3	4
15.	Office of the Divisional Engineer	(Cross Bar) (Trunk-Tandem)	New Delhi
16.	"	(Okey-Tandem)	New Delhi
17.	"	(Cross Bar) (Gaziabad)	New Delhi
18.	"	(Shahadra) (East-II)	New Delhi
19.	"	(Operation)	New Delhi
20.	"	(Receip -&) (Exame)	New Delhi
	AREA MANGER (CENTRAL)		
21.	Office of the Area Manager		New Delhi
22.	Office of the Divisional Engineer	(Complaint)	New Delhi
23.	"	(Connaught Place)	New Delhi
24.	"	(Outdoor) Idgah	New Delhi
25.	"	(Indor) Idgah	New Delhi
26.	"	(C.M.)	New Delhi
27.	"	(Rajpath)	New Delhi
28.	"	Secretariat	New Delhi
	AREA MANAGER (LONG-DISTANCE)		
29.	Office of the Area Manager		New Delhi
30.	Office of the Divisional Engineer	(Trunks)	New Delhi
31.	"	(Special Service)	New Delhi
32.	"	(T.N.D.) Indoor	New Delhi
33.	"	Telex) Outdoor	New Delhi
34.	"	(Wireless) (Gurgaon)	New Delhi
	AREA MANAGER (NORTH-ESAT)		
35.	Office of the Area Manager		New Delhi
36.	Office of the Divisional Engineer	(Complaint)	New Delhi
37.	"	(Outdoor) (Delhi Gate)	New Delhi
38.	"	(Indoor) (Delhi Gate)	New Delhi
39.	"	(Shahadra & Gaziabad)	New Delhi
40.	"	(Shahadar & Gaziabad)	New Delhi
	AREA MANAGER NORTH-WEST)		
41.	Office of the Area Manager		New Delhi
42.	Office of the Divisional Engineer	(Complaint)	New Delhi
43.		(Indoor) (Tees Hazari)	New Delhi
44.	"	(Outdoor) Tees Hazari)	New Delhi
45.	"	(Shakti Nagar)	New Delhi
	AREA MANAGER (SOUTH)		
46.	Office of the Area Manager		New Delhi
47.	Office of the Divisional Engineer	(Complaint)	New Delhi
48.	"	(Indoor & Outdoor)	New Delhi
49.	"	(Faridabad)	New Delhi
50.	"	(Outdoor) (Houz Khas)	New Delhi

Sl. No.	Name of office		Head office
51.	,,	(Indoor) (Houz Khas)	New Delhi
52.	,,	(Indoor) (Jor Bagh)	New Delhi
53.	,,	(Outdoor) (Jor Bagh)	New Delhi
54.	,,	(Indoor & Outdoor) Okhla	New Delhi
55.	,,	(Nehru Place)	New Delhi
	AREA MANAGER (WEST)		
56.	Office of the Area Manager		New Delhi
57.	Office of the Divisional Engineer	(Complaint)	New Delhi
58.	,,	(Delhi Cantt.)	New Delhi
59.	,,	(Jankpuri)	New Delhi
60.	,,	(Indoor) (Karol Bagh)	New Delhi
61.	,,	(Outdoor) (Karol Bagh)	New Delhi
62.	,,	(Indoor) (Rajori Garden)	New Delhi
63.	,,	(Outdoor) (Rajori Garden)	New Delhi

[No. E-1901/4/81—OL]
M.N. SINGH Director

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1982

का०आ० 1549.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने वक्कथनाम टेलीफोन केन्द्र, में दिनांक 1 मई, 1982 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-10/82-पीएचबी]

New Delhi, the 3rd April, 1982

S.O. 1549.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 1-5-1982 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Vakathanam Telephone Exchange Kerala Circle.

[No. 5-10/82-PHB]

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1982

का०आ० 1550.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने मनमाड टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16 अप्रैल, 1982 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-9/82पीएचबी]

New Delhi, the 7th April, 1982

S.O. 1550. In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16th April, 1982 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Manmad Telephone Exchange, Maharashtra Circle.

[No. 5-9/82-PHB]

का० आ० 1551.—स्थायी आदेश सं० 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने हिंगनघाट टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16 अप्रैल, 1982 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-9/82पीएचबी]
आर०सी० कटारिया, सहायक महानिदेशक

S.O.1551.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16th April, 1982 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Hinganghat Telephone Exchange, Maharashtra Circle.

[No. 5-9/82-PHB]
R. C. KATARIA, Asstt. Genl. (PHB)

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1982

का० आ० 1552.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स सिंगरेनी कोलियरीज कं० लि०, बेलम्पली के प्रबंधतंत्र से संबद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;—

और केन्द्रीय सरकार को उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;—

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० प्रसाद राव होंगे, जिसका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स सिंगरेनी कोलियरीज कं० लि०, बेलम्पल्ली क्षेत्र का प्रबंधतंत्र—(i) महावीर खानी सं० 2, इंकलाइन (विवरण-क) के श्रेणी ग और घ के 16 शाट फायररों को 4 से 8 जून, 1980 तक और महावीर खानी सं० 1 इंकलाइन (विवरण-ख) के श्रेणी ग और घ के 31 शाट फायररों को 6 जून, से 8 जून, 1980 तक वैकल्पिक नियोजन न देने में और उपर्युक्त अवधि के लिए मजदूरी का संदाय न करने में;

(ii) 20 कर्मचारियों (विवरण-ग) की उस तारीख से पुष्टि न करने में जिस तारीख से वे वेतन-वृद्धि के प्रयोजन के लिए उच्चतर प्रवर्ग में लगातार कार्य कर रहे थे, जैसा कि उन कर्मचारियों के मामले में किया गया था जिनकी तारीख 28-9-78 के समझौता ज्ञापन के अनुसरण में पुष्टि की गई थी?

न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं।

विवरण-क : महावीर खानी संख्या 2 इंकलाइन की श्रेणी ग और घ के शाट फायररों के नाम जिन्हें 4 जून से 8 जून तक वैकल्पिक रोजगार न दिया गया —

सर्वश्री
1. मोहम्मद अंकूस
2. वी० आनंद राव
3. जुपाका नारायण
4. जे० मल्लैया
5. बंगारी मल्लैया
6. तिपा ओडेला
7. पी० सेशम राजू
8. दुसा मोगोलैहा
9. के० कोमेरैहा
10. एम० मौवैहा
11. बी० राजैहा
12. ई० रायमालू
13. अब्दुल रहमान
14. एम० थानेसिया
15. बंगारी नरसैह
16. बतबेरा वेंकटी

विवरण-ख : महावीर खानी संख्या 1 इंकलाइन की श्रेणी-ग और घ के शाट फायररों के नाम जिन्हें 6 जून से 8 जून, 1980 तक जिन्हें वैकल्पिक रोजगार नहीं दिया गया है —

सर्वश्री
1. संथोशम मलैह
2. थोता रमालू
3. सना भूमैह
4. सारथी राजैह
5. मराठा रायमालू
6. मटेटी राजैह
7. सी० एम० भदरैह
8. जी० मसकर लिंगम
9. वी० वेंकटेशवरलू
10. जेदूला रमला
11. चिथापंदू बापू
12. बथूला राजैह
13. चिप्पा नरसैह
14. कोडटी राजामोगोली
15. बागे गटैह
16. पोदूपेथल्लु ओडेलू
17. अकुथोता चन्द्रैह
18. रेडीमल्ला मलैह
19. मोंडा मुरली
20. जगेटी मलैक
21. धुल्कु मोंडरी
22. बंडारी चन्दक
23. जी० आर० सत्यानारायण
24. गुंडराठी मलैह
25. के० विश्वमाधम
26. चिलूमुला नरहसैह
27. थोना किस्तैह
28. मालकाली राजम
29. वागाम रायापोशम
30. वेंपटी रामानुजम
31. वाई० भास्कर राव

विवरण-ग : 20 कर्मचारियों के नाम जिन्हें उस तारीख से जिससे वे उच्च ग्रेड में वेतन वृद्धि हेतु लगातार कार्य कर रहे हैं, को स्थायी नहीं किया गया है:—

सर्वश्री
1. जीदुला रमूला
2. बी० रजैह
3. ब्यरी उपेन्द्र
4. मटाटी रामचन्द्र
5. सी० एच० सुब्बा राव
6. एलपूला इलैह
7. बिंगी नारायण
8. मधा साबैह
9. कथकूरी साम्बैह
10. बंगारी मण्डी
11. वसरी वेंकटी
12. गाडगा राजैह
13. मोथी अंकूस
14. एंपटी मालेश
15. कथाम राजम
16. एस० बी० पांडे
17. एंपटी मलेश
18. लियाकतअली
19. मंगम मांईह
20. मुनीगाला सैमूस

[सं० एल०-21011/10/81-डी० IV बी०]

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 15th February, 1982

S.O. 1552.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial disptue exists between the employers in relation to the management of M/s. Shri Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by section 7A, and clause (d), of sub-section (i) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. Prasada Rao, shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited Bellampalli Area is justified :—

(i) In not providing alternate employment to 16 Shot firers of C&D grade in Mahveer Khani No. 2 Incline (Statement-A) from 4th to 8th June '80 and 31 Shot Firers of C&D grade in Mahaveer Khani No. 1 Incline (Statement-B) from 6th June to 8th June '80 and in not paying wages for the aforesaid ?

(ii) In not confirming 20 employees (Statement-C) w.e.f. the date from which they were continuously acting in higher category for the purpose of increments as has been done in the case of those employees who were confirmed in pursuance of Memorandum of Settlement dated 28-9-78 ?

If not, to what relief the workmen are entitled ?"

Statement-A Names of the 16 Shot firers of C&D grade in M.V.K. No. 2 Incline who were not provided alternate employment from 4th June to 8th June, 80 :—

S/Shri
1. Md. Ankoose
2. V. Ananda Rao,
3. Jupaka Narayana
4. J. Mallaiah
5. Bangari Mallaiah

6. Tippa Odelu
7. P. Sesham Raju
8. Dussa Mogillaiah
9. K. Komaraiah
10. M. Mondaiah
11. B. Rajaiah
12. E. Rayamallu
13. Abdul Rehman
14. S. Thanesha
15. Bangari Narasiah
16. Babbera Venkaty.

Statement-B Names of 31 Shot firers of C&D grade in M.V.K. No. 1 Incline who have not been provided alternate employment from 6th June to 8th June, 1980 :—

S/Shri

1. Santhosham Mallaiah
2. Thota Rayamallu
3. Sana Bhoomaiah
4. Sardhi Rajaiah
5. Martha Rayamallu
6. Mateti Rajaiah
7. Ch. Bhadraiah
8. G. Bhaskara Lingam
9. V. Venkateswarloo
10. Jeedula Ramulu
11. Chinthapandu Bapu
12. Bathula Rajaiah
13. Chippa Narasaiah
14. Kodaty Rajamogili
15. Sage Gattaiah
16. Boddupalli Odelu
17. Akthota Chandraiah
18. Reddymalla Mallaiah
19. Monda Murali
20. Jagety Mallaiah
21. Cheruku Mondri
22. Bandari Chandru
23. G. R. Satyanarayana
24. Gundrathi Mallaiah
25. K. Vishwanadham
26. Chilumula Narsaiah
27. Thota Kistaiah
28. Mankali Rajam
29. Begam Rayapodham
30. Vempaty Ramanujam
31. Y. Bhaskara Rao.

Statement-C Names of 20 employees who have not been confirmed from that date from which they were continuously acting in higher category for the purpose of increments :—

S/Shri

1. Jeedula Ramula
2. B. Rajaiah
3. Byri Upender
4. Matrati Ramchander
5. Ch. Sobba Rao
6. Elpulla Eyeaiah
7. Bingi Narayana
8. Macha Sambaiah
9. Kathkuri Komaraiah
10. Beogari Mondi
11. Dasari Venkaty
12. Godgu Rajaiah
13. Mad. Ankoos
14. Empati Mallesh
15. Katnam Rajam
16. S. B. Pandey
17. Empaty Mallesh
18. Liyakatali
19. Mangam Mondaiah
20. Munigala Lamoos.

[No. L-21011(10)/81-D.IV(B)]

आदेश

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1982

का० आ० 1553.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में एस० सी० कंपनी लि० गोदावरी-खानी से संबद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० प्रसाद राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या एस० सी० कंपनी लि०, गोदावरी खानी के प्रबंधतंत्र द्वारा 42 शिक्षित कर्मकारों को, (विवरण के रूप में संलग्न सूची), जो 6 मास से अधिक की अवधि से विभिन्न विभागों/अनुभागों में श्रेणी-II के लिपिकों के रूप में कार्य कर रहे हैं, लिपिकों के रूप में नियुक्त करने/उनकी पुष्टि करने से इंकार करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

कर्मकारों की सूची

क्रमांक	खान जिसमें कार्य कर रहा है	नाम	वर्तमान पदनाम	नियुक्ति की तारीख	लिपिक के रूप में कार्य करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1.	जी०डी०के० 1 इन्क्लाइन	के० सुधाकर रेड्डी	साधारण मजदूर	15-4-74	4 वर्ष
2.	जी०आई०के० इन्क्लाइन	वी०रामा राव	साधारण मजदूर	22-11-75	4 वर्ष
3	,,	अब्दुल मुकीथ	,,	6-1-74	4 वर्ष
4	,,	ई०जोन सेम्यु वल	,,	28-3-74	5 वर्ष
5	,,	चन्दन हुमाइया	,,	15-4-74	4 वर्ष
6.	आई०पी०वोरस			3-7-76	3 वर्ष
7.	सी०डी०के०-3	डी० सूर्यप्रकाश	,,	—	—

1	2	3	4	5	6
8.	सी०वी०के०	वो० वैम्कटइया	साधारण मजदूर	2-4-75	4 वर्ष
9.	,,	वाई०एस० काम्था राव	साधारण मजदूर	15-12-78	3 वर्ष
10.	,,	डी०सेंजीवाइय्या	सी०एफ	15-5-78	3 वर्ष
11.	,,	के०वीरास्वामी	साधारण मजदूर	16-4-75	4 वर्ष
12.	,,	के०राजामौली	,,	20-6-76	4 वर्ष
13	,,	वी० पथराजु	यु/जी ट्रैमर	4-6-75	3 वर्ष
14.	,,	एस०राजेश्वर राव	,,	30-4-75	3 वर्ष
15.	जी०एम०5 इन्कलाइन	वी०वी० सत्यनारायण	साधारण मजदूर		1 वर्ष
16.	डी-5 इन्कलाइन	परसा कंकइया	साधारण मजदूर		1 वर्ष
17.	,,	बी० सलेमन	,,		1 1/2 वर्ष
18.	जी०एम० 6 इन्कलाइन	कम्मेली राजेनारू	,,		3 वर्ष
19.	,,	मदेपु मोडेलु	,,	22-6-75	3 वर्ष
20.	सी०डी० 6ए	जलामपल्ली मलोया	,,	30-3-77	3 वर्ष
21.	जी० डी० 7 इन्कलाइन	वी० राजगोपालु रेड्डी	,,	6-2-75	3 वर्ष
22.	,,	कोमेनी रायमल्लु	सी०आर०		
23.	जी०आई०-8 इन्कलाइन	बोविल करूनदास	साधारण मजदूर	17-12-74	4 वर्ष
24	,,	ई० वेंकटी	,,	18-11-75	4 वर्ष
25.	जी०डी०-8 इन्कलाइन	केशम वेम्कहैया	,,	21-1-76	2 वर्ष
26.	,,	पुलीपका कंकइया	,,	24-6-76	2 वर्ष
27.	,,	बी०पपी रेड्डी	सेफटी लैम्प चारजर	10-10-75	3 वर्ष
28	जी०डी०बीए	वो०किशन राव	साधारण मजदूर	1-2-77	3 वर्ष
29.	,,	वो० रमेश राव	एसएलसी	1-3-77	3 वर्ष
30.	जी०डी०आर-9 इन्कलाइन	डी०कमीरिया	जी०एम०	22-4-77	3 वर्ष
31	,,	ए०वीरनामल्लु	सी०सी०	10-1-77	4 वर्ष
32.	,,	के० नारायण रेड्डी	सी०एम०	11-7-76	4 वर्ष
33.	,,	एम०देवेन्द्र राजू	जी०एम०	9-12-76	3 वर्ष
34.	जी०डी०के-9ए	एम०राम रेड्डी	सी०सी०	16-1-77	4 वर्ष
35.	,,	बी०रामचन्द्र रेड्डी	डब्लयू सी	16-1-77	4 वर्ष
36.	,,	एम०नरसैया	श्रो०सी०	27-7-75	3 वर्ष
37.	,,	पी०रमन रेड्डी	श्रो०एम०	12-1-78	1 1/2 वर्ष
38.	जीडीके-10 इन्कलाइन	के० विजय मोहन	टी०एन०		4 वर्ष
39.	,,	के० नारायण रेड्डी	डब्लयू/टी		1 वर्ष
40.	श्रोपन कास्ट	एम० राम-नारायण	सी०सी०	19-11-75	3 वर्ष
41.	,,	जी०वी० सत्यनारायण	एम	23-12-75	3 वर्ष
42.	,,	ए० एलइया	श्रो०एम०	12-5-77	4 वर्ष

[सं० एल०-21011/14/81-डी-IV-(बी)]

ORDER

New Delhi, the 20th February, 1982

S.O. 1553.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the S.C.Co. Ltd., Godavarikhani and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And wherea, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section &A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. Prasada Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad, and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the management of S.C. Co. Ltd., Godavarikhani is justified in refusing to appoint/confirm the 42 educated workmen (list enclosed as statement) who have been acting as Clerks Grade-II for more than 6 months in various Deptts./Sections, as Clerks ? If not, to what relief are the workmen entitled?

LIST OF WORKMEN

S. No.	Mine where working	Name	Present designation	Date of Appointment	Period of Officiation as Clerk
1	2	3	4	5	6
1.	GDK-1 Inc.	K. Sudhakera Reddy	Genl. Mzdr.	15-4-74	4 Yrs.
2.	,,	V. Rama Rao	,,	22-11-75	4 Yrs.
3.	,,	Abdul Muqeeth	,,	6-1-74	4 Yrs.
4.	,,	E. John Samuel	,,	28-3-74	5 Yrs.
5.	,,	Chandam Ramaiah	,,	15-4-74	4 Yrs.
6.	I.P. Watts		General Mazdoor	3-9-76	3 Yrs.

1	2	3	4	5	6
7.	CDK-3	BM Surya-prakash	General Madzoor		
8.	,,	Ch. Venkat-aiah	Surface General Mazdoor	2-4-75	4 Yrs.
9.	,,	Y.L. Kantha Rao	Genl. Mazdoor	15-12-78	3 Yrs.
10.	,,	D. Sanjeev-aieh	CF	15-5-78	3 Yrs.
11.	,,	K. Veera Swamy	Genl. Mazdoor	16-4-75	4 Yrs.
12.	,,	K. Raja-Mouli	,,	20-6-76	4 Yrs.
13.	,,	V. Pthar-aju	U/G Trammer	4-6-75	3 Yrs.
14.	,,	S. Rajeswhar Rao	,,	30-4-75	3 Yr.
15.	GN- 5 Inc.	V.V. Satya-narayana	Genl. Mazdoor		1 Yr.
16.	GD--- 5 Inc.	Parsa Kanckaiah	,,		1 Yrs.
17.	,,	B. Solemon	,,		1 1/2Yrs.
18.	GN--- 6 Inc.	Kampelli Rajenarau	,,		3 Yrs.
19.	,,	Adepu Qdelu	,,	22-6-75	3 Yrs.
20.	CD6A	Jalampalli Malliah	,,	30-3-77	3 Yrs.
21.	GD7 inc.	V. Raja-gopal Reddy	,,	6-2-75	3 Yrs.
22.	,,	Komeni Rayamallu	C.R.		
23.	GD-8 inc.	Bobbili Karundas	Gen. Mzdr.	18-12-74	4 Yrs.
24.	,,	E. Venkaty	,,	18-11-75	4 Yrs.
25.	GD-8inc.	Kodem Venkatiah	Gnl. Mzadoor	21-1-76	2 Yrs.
26.	,,	Pulipaka Kanakaiah	,,	24-6-76	2 Yrs.
27.	,,	B. Papi Reddy	Safety Lamp Charger	10-10-75	3 Yrs.
28.	GD-BA	Ch. Kishan Rao	Gnl. Mzdr.	1-2-77	3 Yrs.
29.	,,	Ch. Ramesh Rao	SLC	1-3-77	3 Yrs.
30.	GDR-9incl.	D. Kommiriah	G.M.	22-4-77	3 Yrs.
31.	,,	A. Veerana-mallu	C.C.	10-1-77	4 Yrs.
32.	,,	K. Narayn Reddy	CM	11-7-76	4 Yrs.
33.	,,	N. Devender Raju	GM	9-12-76	3 Yrs.
34.	GDK-9A	M. Ram Redy	C.C.	16-11-77	4 Yrs.
35.	GDK-9A	B. Rama-chandra Reddy	W.T.	16-1-77	4 Yrs.
36.	,,	M. Narasaiah	C.C.	27-7-75	3 Yrs.
37.	,,	P. Ramana Reddy	G.M.	12-1-78	1½ Yrs.
38.	CDK-10 inc.	K. Vijaya-mohan	T.N.		4 yrs
39.	,,	K. Narayan Reddy	W/T		1 Yr.
40.	Open Cast	M. Rama-narayana	C.C.	19-11-75	3 Yrs.
41.	,,	G.V. Satya-narayana	Mz.	23-12-175	3 Yrs.
42.	,,	A. Ellaiah	G.M.	12-5-77	4 Yrs.

[No. L-21011(14)/81-D. IV (B)]

आदेश

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1982

आ०आ० 1554.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लि०, रामागुंडम डिवीजन–II के प्रबंधपत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अत केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खड द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० प्रसाद राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लि०, रामागुन्डम क्षेत्र, डिवीजन–II के प्रबन्धतन्त्र की कार्रवाई :

1. गोदावरी खानी के 18 एम०डब्लयू० पावर हाऊस के स्विच बोर्ड परिचरो, सर्वश्री के० माधवराव, के० राजरेड्डी, जी० वेंकटेश्वरा रेड्डी, एन० जीरञ्जनाचारी, बी० नरसिम्हैया, एन० चन्दैया, के० गाटेहा और जे०एस०आर० मूर्ति को श्रेणी VI "ग" ग्रेड प्रदान न करने में;

2 सर्वश्री बी० राजैया, बी० शंकर, शेख मस्तान, अब्दुल लतीफ, संयंत्र परिचरों को श्रेणी V प्रदान न करने में और बाद में श्रेणी IV में पदोन्नत हुए कम्बेभर खलासियो से कम मजदूरी प्राप्त करने वाले इन संयंत्र परिचरों को अतिरिक्त वेतनवृद्धियो को मंजूरी न देने में;

3. गोदावरी खानी में 18 एम० डब्लयू०, पावर हाऊस के सर्वश्री टी० लक्ष्मीनारायणन, आर० लिंगाराजू, जैकब बिक्सालू, एम०बी० एस०एस० एन० मूर्ति, अम्बती वेंकटी, सहायक परिचरो को श्रेणी V प्रदान न करने में;

4 गोदावरीखानी में 18 एम० डब्लयू० पावर हाऊस के सर्वश्री एस० मालेम्बरैया, टरनर, डी० लक्ष्मणास्वामी, फिटर, बी०

नारायणा रेड्डी, सी०एच० रामूलू, जोन बोसले, फिटरों, वामन-मूर्ती और सारदरखान, बिजली वालों और बी० प्रसाद तथा मल्ला रैड्डी, वैल्डरों को श्रेणी VI प्रदान न करने में;

5. श्री बिट्टू मलैया, मेसन, (श्रेणी V) को श्रेणी VI के मेसन के रूप में पदोन्नत न करने में;

6. श्री पैड्डी वेन्कटई, बढ़ई को श्रेणी V प्रदान न करने में;

7. गोदावरीखानी में 18 एम० डब्ल्यू पावर हाऊस के जनरल मजदूर श्री एन० जग्गनराजू को, श्रेणी V में बढ़ई के पद पर पदोन्नत न करने में;

8. गोदावरीखानी में 18 एम० डब्ल्यू० पावर हाउस में विभिन्न श्रेणियों में काम करने वाले कर्मकारों के बारे में उचित कार्य वर्णन और मानक प्रवर्गीकरण न करने में;

9. गोदावरीखानी में 18 एम० डब्ल्यू० पावर हाऊस में काम करने वाले सभी कर्मकारों को धूल भत्ते और बॉयलर में काम करने वाले कर्मकारों को उष्मा-भत्ते तापीय भत्ते का संदाय करने से इंकार करने में;

न्यायोचित है, यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं।"

[संख्या एल–21011/1/82–डी० IV–बी]
एम०एस० मेहता,
डैस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 27th February, 1982

S.O. 1554.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of M/s. Singareni Collieries Co. Ltd., Ramagundam Divn. II and their workmen in respect of the matter specified in the schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. Prasada Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Area, Division-II are justified :—

1. in not granting Cat. VI/'C' Grade to S/Sri K. Kadhavarao, K. Rajreddy, G. Venkateswara Reddy, N. Jiranjanachary, V. Narasimhaiah, N. Chandraiah, K. Gattaiah and J.S.R. Murthy, Swith Board Attendants in 18 M.W. Power House, Godavarikhani.

2. in not granting Cat. V to S/Sri B. Rajaiah, V. Shankar, Shaikh Masthan, Abdul Lateef plant attendants and in not granting additional increments to these plant attendants who are getting less wages than conveyor khalasis promoted to Cat. IV later.

3. in not granting Cat. V to S/Sri T. Lakshminarayana, R. Lingaraju, Jocob Bixalu, M.V.S.S.N. Murthy, Ambati Venkati, Auxiliary attendants in 18 M.W. Power House, Godavarikhani.

4. in not granting Cat. VI to S/Sri S. Malleswaraiah Turner, D. Lakshmanaswamy, Fitter, V. Narayana Reddy, Ch. Ramulu, John Bosle fitters, Vamanamurthy and Sardarkhan, Electricians and B. Prasad, and Mallareddy, Welders, in 18 M.W. Power House, Godavarikhani.

5. in not promoting Sri Bittu Mallaiah Mason (V. Cat) to VI Cat. mason.

6. in not granting Cat. V to Sri Peddy Venkatai, Carpenter.

7. in not promoting Sri N. Kagganraju, General Mazdoor, 18 M.W. Power House, Godavarikhani to the post of Painter Cat. V.

8. in not laying down proper job description and standard categorisation in respect of different categories of workmen working in 18 M.W. Power House at Godavarikhani.

9. in refusing to pay dust allowances to all workers working in 18 M.W. Power House, Godavarikhani and heat allowance/thermal allowance to the workers working at the boilers.

If not justified, to what relief the workmen are entitled ?"

[No. L-21011(1)/82-D.IV(B)]
S. S. MEHTA, Desk Officer

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1982

का०आ०1555:—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 2702, दिनांक 17 सितम्बर, 1981 के अनुक्रम में, कोल इण्डिया लिमिटेड की सहायक उपक्रम कोल इण्डिया प्रैस, रांची को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1981 से 30 जून, 1982 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं ; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजन कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था, या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिये सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह

अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अभिकर्ता या सेवक को, ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना;

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

[संख्या एस-38014/4/81-एच०आई०]

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन-पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 30th March, 1982

S.O. 1555.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2702 dated the 17th September, 1981, the Central Government hereby exempts the Coal India Press, Ranchi, a subsidiary of the Coal India Limited, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1981 upto and inclusive of the 30th June, 1982.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;

(2) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory :

by empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/4/81-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का०आ० 1556:—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 1201, दिनांक 28 मार्च, 1981 के अनुक्रम में, मैसर्स इन्स्ट्रमेण्टेशन लिमिटेड, कोटा (राजस्थान) को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, पहली जुलाई, 1981 से 30 जून, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

(1) उक्त अधिनियम की धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में उक्त अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था, या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिये सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभाराधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अभिकर्ता या सेवक को, ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना,

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना ।

[संख्या एस-38014/23/81-एच०आई०]

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन-पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 1556.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1201 dated the 28th March, 1981, the Central Government hereby exempts M/s. Instrumentation Limited, Kota (Rajasthan) from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1981 upto and inclusive of the 30th June, 1982.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;

(2) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory ;

by empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/23/81-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not effect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1982

का०आ० 1557.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा, अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 35 दिनांक 19 दिसम्बर, 1981 के अनुक्रम में, मैसर्स हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड उदयपुर, भारत सरकार के उपक्रम, को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 22 जून 1981 से 21 जून, 1982 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, की एक वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है।

2 पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं अर्थात् —

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था, या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभाराधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अभिकर्ता या सेवक को, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना;

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उद्धरण लेना।

[संख्या एस-38014/29/80-एच०आई०]

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन-पत्र की कार्रवाई पर समय लगा, तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 31st March, 1982

S.O. 1557.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 35 dated the 19th December, 1981, the Central Government hereby exempts Messrs Hindustan Zinc Limited, Udaipur, a Government of India Enterprises, from the operation of the said Act for a period of one year with effect from the 22nd June, 1981 upto and inclusive of the 21st June, 1982.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;

(2) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory ;

by empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/29/80-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का० आ० 1558—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91 क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 486 दिनांक 25 जनवरी, 1982 के अनुक्रम में नेशनल इन्स्ट्रूमेन्टस लिमिटेड, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1982 से 30 जून, 1982 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है,) ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी ;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी —

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गये थे, या नहीं ; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस

अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं , या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि इस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं ,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा —

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है ; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं , या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक का, उसके अभिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना ;

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना ।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन-पत्र की कार्रवाई पर समय लगा तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

[संख्या एस-38014/20/79-एच० आई०]

S.O. 1558.—In exercise of the powers conferred by section 7 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 486 dated the 25th January, 1982, the Central Government hereby exempts the National Instruments Limited, Calcutta from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from 1st July 1981 upto and inclusive of the 30th June, 1982.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;

(2) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory ;

by empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/20/79-HI]

का०आ० 1559—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 2694 तारीख 14 सितम्बर, 1981 के अनुक्रम में मेसर्स हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (कानपुर प्रभाग) कानपुर, प्रतिरक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत एक सार्वजनिक प्रतिष्ठान उपक्रम को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1981 से 30 जून, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है ।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित है, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) , ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी ;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी —

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर

और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं ; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं ; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं ;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है ; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखाबहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते है ; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक, को, उसके अभिकर्ता या सेवक को, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना ;

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उद्धरण लेना ।

[संख्या एस- 38014/26/81- एच० आई०]

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन-पत्र की कार्रवाई पर समय लगा । तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

S.O. 1559.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2694 dated the 14th September, 1981, the Central Government hereby exempts M/s. Hindustan Aeronautics Limited (Kanpur Division) Kanpur, a public sector undertaking under the Ministry of Defence from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1981 upto and inclusive of the 30th June, 1982.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;

(2) Any inspector appointed by the Corporation under subsection (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of —

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 or the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory

by empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such inormation as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/26/81-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not effect the interest of anybody adversely.

का०आ० 1560.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2709, दिनांक 18 सितम्बर, 1981 के अनुक्रम में, (1) भारत गोल्ड माईन्स प्रा० लि० (मेन्ट्रल वर्कशाप), ऊरगांव पोस्ट, कोलार गोल्ड फील्ड्स (2) भारत गोल्ड माईन्स प्रा० लि० (ऊरगांव डेरी), ऊरगांव पोस्ट, कोलार गोल्ड फील्ड्स और (3) भारत गोल्ड माईन्स प्रा० लि० (ऊरगांव प्रिन्टिंग प्रेस), ऊरगांव पोस्ट, कोलार गोल्ड फील्ड्स को पहली जुलाई, 1981 से 30 जून, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से छूट देती है ।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् : —

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी ;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी —

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ , या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं

या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं , या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं ,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा --

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है ; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दें, या उसे ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते है , या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अभिकर्त्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना ,

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उद्धरण लेना ।

[संख्या एस -38014/37/81-एच० आई०]

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन-पत्र की कार्रवाई पर समय लगा । तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

S.O. 1560.--In pursuance of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2709 dated the 18th September, 1981, the Central Government hereby exempts (1) Bharat Gold Mines Private Limited (Central Workshop), Oorgaum Post, Kolar Gold Fields; (2) Bharat Gold Mines Private Limited (Oorgaum Daity), Oorgaum Post, Kolar Gold Fields and (3) Bharat Gold Mines Private Limited (Oorgaum Printing Press, Oorgaum Post, Kolar Gold Fields from the operation of the said Act for a further period from the 1st July 1981 upto and inclusive of the 30th June, 1982

2. The above exemption is subject to the following conditions namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of —

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory; by empowered to —

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/37/81-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time, However, it is certified that the grant of exemption wih retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का० आ० 1561.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948, (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2706, दिनांक 18 सितम्बर, 1981 के अनुक्रम में, सरकारी क्षेत्र के उपक्रम में भारतीय टेलीफोन उद्योग लिमिटेड, रायबरेली को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1981 से 30 जून, 1982 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है ।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित है, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तनमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और

ऐसी विशिष्टियां सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी ;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी --

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों की सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ , या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं ; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं ; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं ;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :--

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे अपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है ; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उसकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वह आवश्यक समझते हैं ; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना ;

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उद्धरण लेना ।

[संख्या एस-38014/13/81-एच० आई०]

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन-पत्र की कार्रवाई पर समय लगा, तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

S.O. 1561.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91 A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2706 dated the 18th September, 1981, the Central Government hereby exempts Indian Telephone Industries Limited, Rae Bareli, a public sector undertaking, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1981 upto and inclusive of the 30th June, 1982.

2. The above exemption is subject to the following conditions namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of —

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory; be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No S-38014/13/81-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1982

का० आ० 1562—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 157 तारीख 4 जनवरी, 1982 के अनुक्रम में इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट, इण्डियन आयल कार्पोरेशन लि०, बम्बई के कारखानों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1981 से 30 जून, 1982 तक की एक वर्ष की और अवधि के लिए जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है छूट देती है ।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित है, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके

पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियां सहित देता था जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थीं ,

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (i) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी —

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों का सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ , या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है; या नहीं ; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं :

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है ; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते है ; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अभिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना ;

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए, किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना ।

अनुसूची

क्रम सं०	राज्य या संघ राज्य क्षेत्र का नाम	क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम
1	2	3	4
1.	आन्ध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम -1	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) पोस्ट बाक्स नं० 54, मलकापुरम इंस्टोलेशन विशाखापत्तनम-1
2	आन्ध्र प्रदेश	सिकन्दराबाद	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) पोस्ट बाक्स सं० 1631, आर० आर० सी० ग्राउन्ड, सिकन्दराबाद ।
3.	आन्ध्र प्रदेश	विजयवाड़ा	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) स्टेशन रोड, विजय वाड़ा ।
4	आन्ध्र प्रदेश	सिकन्दराबाद-14	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड विमानन ईंधन स्टेशन डाकघर हाकिमपेट वायु सेना स्टेशन, सिकन्दराबाद-14.
5.	दिल्ली	दिल्ली	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) एल० पी० जी० बाटलिंग प्लांट शकूर बस्ती, दिल्ली- 26.
6	दिल्ली	दिल्ली	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) शिवाजी पार्क के सामने, शकूरबस्ती, दिल्ली -26
7.	दिल्ली	दिल्ली	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, विमानन ईंधन स्टेशन, सदर बाजार रोड मोरी लाइन के पास, पालम , दिल्ली कैंट-10,
8.	केरल	कोची	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) पोस्ट बाक्स सं० 535, विलिंगटन द्वीप, हारबर रोड, कोचीन - 3
9	केरल	कोचीन	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) कोचीन परिष्करण, प्रतिष्ठान, पोस्ट बाक्स सं० 8, त्रिपुनीथ द्वारा कोचीन.
10	केरल	कोचीन	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) कर्षक रोड, पोस्ट बेग 1759, एर्नाकुलम, कोचीन- 6
11.	तमिलनाडु	मद्रास	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) एनाथिहाई रोड, मद्रास
12.	तमिलनाडु	मद्रास	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) कोरूकूपेट, मद्रास- 21.
13.	तमिलनाडु	मद्रास	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) नार्थ रेलवे टर्मिनल रोड, रोयापुरम, मद्रास

1	2	3	4
14	तमिलनाडु	मद्रास	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड विमान ईंधनस्टेशन मीनाम्बक्कम हवाई अड्डा, मद्रास ।
15.	तमिलनाडु	मद्रास	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड ट्यूब ब्लेन्डिंग प्लांट, अन्नेरे होई रोड, तनीआरपैट तीरूवथाइर पोस्ट, मद्रास-81.
16	महाराष्ट्र	मम्बई	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) सरकारी फूड ग्रेन्स गोदाम के पास, बावला, मुम्बई 31
17.	महाराष्ट्र	मुम्बई	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) टाटा ताप विद्युत संयंत्र के पास, ट्राम्बे, कारीडोर रोड, मम्बई -74.
18.	महाराष्ट्र	मुम्बई	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) सेवारी रेलवे स्टेशन के सामने मम्बई -15.
19	महाराष्ट्र	पूना	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) राजबहादुर मोतीलाल रोड, पूना ।
20	महाराष्ट्र	मम्बई	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, विमानन ईंधन स्टेशन शांताक्रुज विमान पत्तन, मुम्बई- 29.
21	कर्नाटक	बंगलोर	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) नागवी रोड, पोस्ट बैग नं० 3, बंगलौर- 23
22.	कर्नाटक	बंगलौर	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, विमानन ईंधन स्टेशन, बंगलौर विमान पत्तन बंगलौर ।
23.	आन्ध्र प्रदेश	हैदर बाद	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, विमानन ईंधन स्टेशन, बेगमपेट विमान हैदराबाद
24.	पंजाब	जालंधर	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) रेलवे गुड्स शेड रोड, जालंधर ।
25.	हरियाणा	अम्बाला छावनी	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) बल्क सेंटर छावनी ।
26	हरियाणा	हिसार	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) हिसार ।
27.	उत्तर प्रदेश	कानपुर	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) अरमापुर, कानपुर ।
28.	महाराष्ट्र	नागपुर	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) मोती बाग नागपुर ।
29	पश्चिम बंगाल	कलकत्ता	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) दम-दम विमान पत्तन, कलकत्ता ।
30	पश्चिम बंगाल	कलकत्ता	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) मोरीग्राम प्रतिष्ठान डाकघर राधादासी जिला, हावड़ा ।
31.	पश्चिम बंगाल	पहाड़पुर	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) पहाड़पुर प्रतिष्ठान पश्चिम बंगाल ।
32	पश्चिम बंगाल	24 परगना	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग) बज-बज प्रतिष्ठान डाकघर बज-बज, 24 परगना, पश्चिम बंगाल ।
33.	असम	गौहाटी	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) गौहाटी प्रतिष्ठान, गौहाटी ।
34	बिहार	पटना	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) पटना प्रतिष्ठान, पटना ।
35.	उत्तर प्रदेश	आगरा	इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग) खेरिया विमान क्षेत्र आगरा-8
36	केरल	तूतीकोरीन	इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (विपणन प्रभाग), तूतीकोरीन प्रतिष्ठान, बंदरगाह परियोजना परिसर, तूतीकोरीन-4
37.	उड़ीसा	कटक	इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग), शिकापुर डाकघर धीली गंज, कटक ।
38.	गोवा	वास्को-डी गामा	इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग), वास्को-डी-गामा, गोवा ।

1	2	3	4
39	कर्नाटक	मंगलूर	इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (विपणन प्रभाग), मंगलूर प्रतिष्ठान मंगलूर।
40	उत्तर प्रदेश	कानपुर	इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (परिष्करणी और पाइप लाइन्स प्रभाग कानपुर। स्टेशन, अरमापुर, कानपुर)।

[सं० एस-38011/36/81-एच आई]
ए० के० भट्टराई, अवर सचिव

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के प्रस्ताव पर विचार करने में समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi the 1st April, 1982

S.O. 1562—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91 A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No S O 157 dated the 4th January, 1982, the Central Government hereby exempts the factories specified in the Schedule annexed hereto belonging to the Indian Oil Corporation Limited, Bombay from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from 1st July, 1981 upto and inclusive of the 30th June, 1982

2 The above exemption is subject to the following conditions, namely –

(1) The employer of the said factories shall submit in respect of the period during which the factories were subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950,

(2) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall for the purpose of —

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950 for the period, or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification, or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer furnish to him such information as he may consider necessary, or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons any payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary, or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee, or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory establishment, office or other premises.

SCHEDULE

Sl No	Name of the State or Union Territory	Name of area	Name of factory
1	2	3	4
1	Andhra Pradesh	Visakhapatnam-I	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division) Post Box No 54, Malkapuram Installation Visakhapatnam-I
2	Andhra Pradesh	Secunderabad	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division) Post Box No 1634, RRC Ground, Secunderabad
3	Andhra Pradesh	Vijaywada	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Station Road, Vijayawada
4	Andhra Pradesh	Secunderabad-14	Indian Oil Corporation Limited, Aviation Fuel Station, Post Office, Hakimpet Air Force Station, Secunderabad-14
5	Delhi	Delhi	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) L P G. Bottling Plant, Shakurbasti, Delhi-26.
6	Delhi	Delhi	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), Opposite Sivaji Park, Shakurbasti, Delhi-26
7	Delhi	Delhi	Indian Oil Corporation Limited, Aviation Fuel Station, Sadar Bazar Road, Near More Line, Palam, Delhi Cantt-10
8	Kerala	Cochin	Indian Oil Corporation Limited (Marketing

1	2	3	4
			Division), Cochin Refinery Installation, Post Box No. 8, Tripunith Via Cochin.
9.	Kerala	Cochin	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), Post Box No. 535, Willington Island Harbour Road, Cochin-3.
10.	Kerala	Cochin	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Mashaka Road, Post Bag 1759, Ernakulam, Cochin-16.
11.	Tamil Nadu	Madras	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division), Ernove High Road, Madras.
12.	Tamil Nadu	Madras	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Korukupet, Madras-21.
13.	Tamil Nadu	Madras	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) North Railway Terminue Road, Royaruram, Madras.
14.	Tamil Nadu	Madras	Indian Oil Corporation Limited, Aviation Fuel Station, Meenambakkam Airport, Madras.
15.	Tamil Nadu	Madras	Indian Oil Corporation Limited, Tube Blending Plant, Ennere High Road, Teniarpet, Tiruvethiyar Post, Madras-81.
16.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Near Government Food Grains, Godowns Wadala, Bombay-31.
17.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Near Tata Thermal Power Plant, Trombay, Corridor Road, Bombay-74.
18.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Rajbahadur Motilal Road, Poona.
19.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Opposite Sewaree Railway Station Bombay-15.
20.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Limited, Aviation Fuel Station Santa Cruez Airport, Bombay-29.
21.	Karnataka	Bangalore	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Nagadi Road, Post Bag No. 3, Bangalore-23.
22.	Karnataka	Bangalore	Indian Oil Corporation Limited, Aviation Fuel Station, Bangalore Airport, Bangalore.
23.	Andhra Pradesh	Hyderabad	Indian Oil Corporation Limited, Aviation Fuel Station, Airport, Hyderabad.
24.	Punjab	Jullundur	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Railway Good Shed Road, Jullundur.
25.	Haryana	Ambala Cantonment	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Bulk Centre, Ambala Cantonment.
26.	Haryana	Hissar	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), Hissar.
27.	Uttar Pradesh	Kanpur	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division), Armapore Kanpur.
28.	Maharashtra	Nagpur	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), Moti Bagh, Nagpur.
29.	West Bengal	Calcutta	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Dum-Dum Aviation Fuel Station Dum-Dum Airport, Calcutta.
30.	West Bengal	Paharpur	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Paharpur Installations, West Bengal.
31.	West Bengal	Calcutta	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division) Mourigram Installations, Post Office Radhadasi, District Howrah.
32.	West Bengal	Parganas.	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), Budge Budge Installations, Post Office Budge. Budge 24, Parganas, West Bengal.
33.	Assam	Gauhati	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Gauhati Installation, Gauhati.
34.	Bihar	Patna	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Patna Installation, Patna.
35.	Uttar Pradesh	Agra	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), Kheria Air Field, Agra-3

1	2	3	4
36.	Kerala	Tuticorin	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division), Tuticorin Installations, Harbour Project Premises, Tuticorin-4.
37.	Orissa	Cuttack	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division), Shikapore, P.O. Chauliganj, Cuttack.
38.	Goa	Vasco-de-Gama	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division), Vaso-de-Gama, Goa.
39.	Karnataka.	Mangalore	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division) Mangalore Installations, Mangalore.
40.	Uttar Pradesh	Kanpur	Indian Oil Corporation Limited (Refineries) and Pipe Lines Division, Kanpur I Station, Armapur, Kanpur.

[No. S-38014/36/81-HI]
A.K. BHATTARAI, Under Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the proposal for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of any body adversely.

New Delhi, the 1st April, 1982

S.O. 1563.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the Industrial Dispute between the employer in relation to the management of Divisional Engineer, Coaxial Telephone, Nagpur, and their workman which was received by the Central Government on the 27th March, 1982

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RETD.)
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (M.P.)
Case No. CGIT/LC(R)(53)/1981

PARTIES:

Employer in relation to the management of Divisional Engineer, Coaxial Telephone, Nagpur and their workman, Shri Ramarao Tulsiram Mate, Casual Field Worker, Gond Plot C/o Fulmati Chawl, Subhash Chowk, Ward No. 8, Wardha (Maharashtra).

APPEARANCES:

For Workman—None.

For Management—Shri C. R. Khedkar, Junior Engineer.

INDUSTRY : Telephone DISTRICT : Nagpur (M.S.)

AWARD

Dated, the 23rd March, 1982

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour to this Tribunal for adjudication, vide Notification No. L-40012(5)/30-D.II(3) Dated 18th December, 1981, of the following dispute as mentioned under the Schedule to the order of reference :—

"Whether the action of the Divisional Engineer, Coaxial Telephone, Nagpur, in terminating the services of Shri Ramarao Tulsiram Mate, Casual Field Worker from 1-4-1980 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled and from what date?"

2. In this case a notice of the order of reference was sent by the Ministry of Labour to the workman, Shri Ramarao Tulsiram Mate by registered A.D. post. After the order of reference was received by this Tribunal another notice was issued to the workman by registered A.D. post calling upon him to file his statement of claim before this Tribunal on 27-2-1982. The notice sent by registered A.D. post was served and was received by the workman, as per his acknowledgment, on 8-1-1982. Despite the service of the notice, the workman did neither appear nor file any statement of claim on 27-2-1982.

3. Similar notices were issued by the Labour Ministry as well as by this Tribunal to the Divisional Engineer, Coaxial Telephone, Nagpur. The Divisional Engineer appeared through his representative, Shri C.R. Khedkar, Junior Engineer, and filed the statement of claim on his behalf.

4. In the absence of any statement of claim by the workman the facts, which give rise to this dispute as they appear from the statement of claim by the Divisional Engineer, may be stated as under :—

The workman, Shri Ramarao was a Casual Field Worker and he was frequently absenting from his duties without sanction of any leave. From 7th March 1980 he was asked to report for duty at Wardha by the Junior Engineer, but he was found absent. Again on 14th March 1980 he did not report for duty at Nagpur. Subsequently from 24th to 27th March, 1980 he similarly remained absent. Thereafter from 1 to 14th April, 1980 he again remained absent. In the above mentioned circumstances, because of his frequent absenteism followed by continued absence as indicated above, his services had to be terminated because the workman was not a regular remp and was engaged only on a casual basis.

5. As against this claim filed by the Divisional Engineer, the workman has neither appeared nor has filed his statement of claim. His continued absence and omission to file his statement is clearly indicative of the fact that he has no subsisting dispute with his ex-employer and he is not desirous of obtaining any relief from this Tribunal. If there is no dispute between the workman and the management then there is no issue which requires any adjudication by this Tribunal.

6. The Divisional Engineer has given reasons as to why the services of the workman were either discontinued or terminated. The workman has not come forward with his claim that by virtue of working for any prescribed period he had become a permanent or continuous workman of the department. In these circumstances, the only inference would be that the workman does not want to prosecute this dispute and statement made on behalf of the management should be accepted. Accordingly, for the reasons given, it is held that the action of the Divisional Engineer, Coaxial Telephone, Nagpur in terminating the services of the Casual Field Worker, Shri Ramarao Tulsiram Mate, from 1st April, 1980 is fully justified and the workman is not entitled to any relief. The workman has not appeared. The Divisional Engineer shall bear his own costs as incurred.

Sd/-

23-3-82

S. R. VYAS, Presiding Officer

[No. L. 40012(5)/80-D.II(B)]

New Delhi, the 2nd April, 1982

S.O. 1564.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of

Cantonment Board, Mhow (MP) and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th March, 1982.

BEFORE JUSTICE SHRI S.R. VYAS (RETD.) PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

(Camp at Indore)

Case No. CGIT/LC(R) (52)/1981

PARTIES :

Employers in relation to the management of Cantonment Board, Mhow (M.P.) and their workmen represented through the Mhow Cantonment Board Karmachari Singh, Mhow (M P.)

APPEARANCES :

For Workmen—None.

For Management—Shri V. K. Srivastava, Executive Officer.

INDUSTRY : Cantonment Board. DISTRICT : Mhow (M.P.)

AWARD

Dated the 27th March, 1982

The following dispute as mentioned in the Schedule to the Order of reference No. L-13011(i)/76-D.II(B) dated 17th December, 1981 was referred by the Central Government in the Ministry of Labour to this Tribunal, for adjudication :—

"Keeping in view the recommendations of Pandey Commission of Government of Madhya Pradesh, whether Motor Pump Attendants of Mhow Cantonment Board are entitled to the scale of pay Rs. 155-2½-160-4-180-5 230 with effect from 1st January, 1972 ? If not, from what date and what revision of pay Scales is called for in the existing pay scales of Motor Pump Attendants ?"

2. The Order of reference was served by the Ministry on the Cantonment Executive Officer, Cantonment Board, Mhow and the General Secretary, Mhow Cantonment Board Karmachari Sangh, Mhow (M.P.) by registered A.D. post. Fresh notices were also issued by this Tribunal by registered A.D. post to both the parties for appearance on 15th February 1982. For unavoidable reasons the Tribunal could not sit at Indore and as per order passed on 12th February 1982 the cases fixed for 15th February 1982 were adjourned. In the meantime, the Executive Officer of the Cantonment Board filed the statement, a copy of which was sent to the General Secretary, Mhow Cantonment Board Karmachari Sangh, Mhow (M.P.) by this Tribunal on 1st March, 1982.

3. As per statement filed by the Cantonment Board the dispute raised by the workmen i.e. Motor Pump Attendants of the Mhow Cantonment Board has been settled.

4. From the order of reference, it appears that the dispute was with regard to the entitlement of the scale of pay of Rs. 155-2½-160-4-180-5-230 with effect from 1st January 1972. Along with the statement the Executive Officer has filed a copy of the letter dated 3rd March, 1982 addressed to the Cantonment Engineer, Cantonment Board, Mhow in which a reference is made about the sanction accorded by the Headquarters of the Central Command, Lucknow, in accordance with which the pump Attendants working in the Water Supply Establishment have been granted the aforesaid scale of pay of Rs. 155-2½-160-4-180-5-230 with effect from 1st January 1972. In their statement also a reference has been made to this letter by which sanction has been accorded for the grant of the aforesaid scale to Motor Pump Attendants. The Executive Officer has also filed a copy of the office order dated 2-3-1982 in accordance with which eight Pump Operators have been granted the aforesaid scale as recommended by the Pandey Commission. In view of these orders passed by the management of the Cantonment Board the demand made by the Motor Pump Attendants has been fully satisfied. It appears that precisely for this reason the workmen did not put in any further appearance after the copy of the statement filed by the management of the Cantonment Board was issued by this Tribunal on 1st March 1982.

5. Accordingly, on the admission made by the management the following award is given.

"The Motor Pump Attendants of the Mhow Cantonment Board are entitled to the scale of pay of Rs. 155-2½-160-4-180-5-230 in accordance with the recommendations of the Pandey Commission of the Government of Madhya Pradesh with effect from 1st January, 1972. The Motor Pump Attendants who were in service on that date will have their pay fixed in the aforesaid scale in accordance with the recommendations of the Pandey Commission of the Government of Madhya Pradesh. In these circumstances of the case, both the parties are directed to pay their own costs as incurred".

S. R. VYAS, Presiding Officer.

27-3-82

[No. L-13011 (1)/76-D.II (B)]
S. S. PRASHER, Desk Officer

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1982

का०आ० 1565—यतः, बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि संबंधी केन्द्रीय सलाहकार समिति ने बीड़ी कल्याण निधि अधिनियम, 1976 (1976 का 62) की धारा 7 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 10 फरवरी, 1982 को हुई अपनी बैठक में उक्त सलाहकार समिति के साथ सर्वश्री राम प्रसाद पारिख, पी० राजन, इकबाल हुसैन तथा ललितेश्वर झा को 20 दिसम्बर, 1983 तक सहयोजित करना उचित समझा है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय सलाहकार समिति के सदस्यों के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों के नाम प्रकाशित करती है, अर्थात्:—

1. श्री राम प्रसाद पारिख,
महामंत्री,
अखिल भारतीय बीड़ी मजदूर महासंघ,
वजीराबाद, नानडेड (महाराष्ट्र)

2. श्री पी० राजन,
महासचिव,
कन्नोर डिस्ट्रिक्ट नेशनल बीड़ी एंड सीगार वर्कर्स यूनियन, फोर्ट रोड,
कन्नोर।

3 श्री इकबाल हुसैन,
अध्यक्ष, बीड़ी उद्योग कर्मचारी यूनियन
73 बक्सी बाजार, इलाहाबाद।

4 श्री ललितेश्वर झा,
सदस्य, विधान परिषद,
अध्यक्ष,
बिहार प्रदेश बीड़ी मजदूर यूनियन,
6, विद्यापति मार्ग, पटना।

[सं० यू-23018/2/80 एम०-5]
हरप्रसाद दास, उप सचिव

New Delhi, the 1st April, 1982

S.O. 1565.—Whereas the Central Advisory Committee for Beedi Workers Welfare Fund has, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Beedi Welfare Fund Act, 1976 (62 of 1976) thought it fit at its meeting held on 10th February, 1982 to co-opt Sarvashree Ram Parshad Parikh, P. Rajan, Iqbal Hussain and Laliteshwar Jha to the said Advisory Committee upto 20th December, 1983.

Now, therefore, the Central Government, in persuance of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act publishes the names of the following persons as members of the Central Advisory Committee, namely :—

(i) Shri Ram Parshad Parikh,
Maha Mantri, Akhil Bharatiya Beedi Mazdoor Maha Sangh,
Wazirabad, Nanded (Maharashtra).

(2) Shri P. Rajan, General Secretary,
Cannanore District National Beedi and Cigar Workers Union, Fort Road,
Cannanore.

(3) Shri Iqbal Hussain,
President,
Beedi Udyog Karamchari Union,
73 Baxi Bazar, Allahabad.

(4) Shri Lalliteshwar Jha, MLC,
President,
Bihar Pradesh Beedi Mazdoor Union,
6, Vidyapathi Marg, Patna.

[No. U-23011/2/80-M.V.]
H. P. DAS, Deputy Secy.

New Delhi, the 3rd April, 1982

S.O. 1566.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kustore Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kustore, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 31st, March, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NO. 3, DHANBAD

Reference No. 46/80

PRESENT :

Shri J. N. Singh, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kustore Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Kustore, Distt. Dhanbad.

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workman—Shri S. P. Singh, General Secretary Khan Mazdoor Congress.

INDUSTRY : Coal. STATE : Bihar

Dated, the 26th March, 1982

AWARD

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/S 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012/232/79-D. III(A) dated the 25th July, 1980.

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of Kustore Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Kustore, Distt. Dhanbad that Shri Chhedi Turi should be provided with work on surface and he should be paid sick and leave wages for the intervening period is justified? If so, to what relief is the said workman entitled?"

2 The case of the workman is that he was appointed on 17-10-1971 as a Miner and was working as such. During the course of employment cataract developed in both of his eyes for which he was first treated in the colliery hospital and thereafter was referred to the Central Hospital for treatment.

3. It is stated that the Central Hospital advised that operation is the only remedy and so recommended for light duty on surface. This was recommended on 12-2-1978. Accordingly the workman approached the management for light duty on surface verbally and also in writing but the management did not consider his case favourably and insisted upon him to join in his original duty. The workman raised the dispute in which there was conciliation which ended in failure resulting in the present reference.

4. It is submitted that the management also did not pay him any sick or leave wages for the intervening period though the workman is entitled for the same. It is submitted that there are several kinds of light work on the surface which could have been provided to the concerned workman. It is also stated that several other workmen have been provided light duty on the recommendation of the hospital. It is therefore prayed that the concerned workman should be provided with light work on surface and he should also be paid sick and leave wages for the intervening period.

5. The management has objected to the demand of the concerned workman and it is stated that the concerned workman developed catract in his right eye only for which the Medical Officer on compassionate ground recommended light duty on surface. It is stated that though the management had no obligation to employ an underground worker on surface but taking compassionate view the workman was offered light duty on surface as a Wagon Loader for a period of three months, but it was turned down when the concerned workman insisted that he may be employed as a Shale picker or a Surface Trammer. But it was not possible to comply with this request as there was no vacancy or requirement for such a job. So far as the demand for sick and leave wages are concerned it is submitted that this has already been paid to the concerned workman. It is also stated that the management is in no way under any obligation to offer alternative employment to its workmen and there is no rule that in cases of sickness light duty should be provided.

6. On the above grounds it is prayed that the reference be decided in favour of the management.

7. The point for consideration is as to whether the demand of the concerned workman that he should be provided with work on surface and he should be paid sick and leave wages for the intervening period is justified. If so to what relief is the said workman entitled.

8. It may be stated that in the written statement the management also took the plea that the sponsoring union had no competency to raise the dispute and the concerned workman was not a member of the sponsoring union. This point however was not pressed at the time of hearing nor any evidence has been led by either party on this point. In fact the management has not adduced any evidence in this case. It was however conceded by the learned Advocate for the management that the management is prepare to pay the sick and leave wages, if any due, to the concerned workman. The workman however in his evidence has not stated the period of his sick and leave wages and therefore it is very difficult to calculate amount in this reference. However as conceded by the Advocate for the management, the management is directed to pay the sick and leave wages, if any, due to the concerned workman.

9. The next demand is regarding the provision of work on the surface. The concerned workman has examined himself as WW-1 and he has admitted that the management had asked him to do the work of Wagon Loader on the surface. He has also admitted in para 2 in his evidence that as he was physically fit he asked for the job of a Trammer, the question therefore is as to whether the job of a Trammer is a light duty or not. It may also be stated that it is admitted in para 10 of written statement of the workman that there is no rule that a person suffering from any illness should be provided with light work but

it is said that there is such a practice. If such is the practice then it is to be seen as to whether the work of a trammer can be said to be a light duty or not. In para 5 of his cross-examination the concerned workman has stated the duties of work of a Trammer. He has stated that as a Trammer one has to put the sprag while the tub is in motion and the sprag is fitted instantly between the spokes of the tub wheel while the tub is in motion and then the tub stop its motion. He has also stated that as a Tyndel one has to lift heavy machine and operate the crane. It is admitted that the workman has developed catract in his eyes. Acooring to the management he has developed cataract in one eye but according to the workman he has developed cataract in both the eyes. Now with such a disease I do not think the concerned workman can do the work as a Tarmmer because with defective eye it will be difficult to put this sprag between the spokes of the tub wheel while the tub is in motion. Thus the work of a trammer cannot be said to be such as can be performed by the concerned workman with his defective eyes. Further he has also admitted that he has never worked as a trammer or Tyndel and has no authorisation to work as such.

10. It is no doubt true that the concerned workman has filed several portions Ext. W series for light work but the light work on surface was provided to him.

11. In that iew of the matter if the concerned workman did not agree to do the surface work of a Wagon Loader the management is not to be blamed and the work of a Trammer cannot be assigned to him.

12. Thus on a consideration of the evidence on record and facts and circumstances of the case, I hold that as per practi e the concerned workman is entitled to be provided with work on the surface but he cannot demand any particular work on the surface. The management should offer him the work of a Wagon Loader or any other work of lighter type on the surface which the workman should accept. The workman is also entitled to his sick and leave wages which the management has agreed to pay.

13. The award is given accordingly.

Sd/-

J. N. SINGH, Presiding Officer

[No. L-20012(232)/79-D.III(A)]
A. V. S. SARMA, Desk Officer

New Delhi, the 5th April, 1982.

S.O. 1567.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs C. K. Balasubramaniam and Messrs Western Agencies, Madras and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th March, 1982.

BEFORE THIRU T. SUDARSHNAM DANIAL, B.A., B.L.,
Presiding Officer,

Industrial Tribunal, Tamil Nadu

(Constituted by the Government of India)

Wednesday, the 10th day of March, 1982.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 44 of 1981

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Managements of M/s. C. K. Balasubramaniam and M/s. Western Agencies, Madras and two others)

Between

The workmen represented by

The President, Madras Port and Dock General Workers' Union, No. 1, 4th Line Beach, Madras-600001.

And

1. M/s. C. K. Balasubramaniam Handling Agents, C/o T. Arumai Devar, No. 5, Second Line Beach, Madras-600001.

2. M/s. Western Agencies, No. 192, Linghi Chetty Street, Madras-600001.

3. The Chairman, Madras Fort Trust, Madras-600001.

4. The Regional Manager, MMTC of India Limited, Chennai House, Esplanade, Madras-600001.

REFERENCE : Order No. L. 33011(1)/81-D.IV(A), dated 22nd, May, 1981 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

.....

This dispute coming on for final hearing on Monday, the 1st day of February, 1982 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru G. Balaram, General Secretary, Hind Mazdoor Sabha, Authorised representative appearing for the workmen and of Thiruvalargal A. Krishna Rao and K. Venkatraman, Advocates for Management No. 2, Thiruvalargal R. G. Rajan and D. V. Sivagnanam, Advocates for Management No. 3, Thiruvalargal G. Narayanan and K. V. Prakash, Advocates for Management No. 4 and the advocates for Management No. 1 having reported no instructions, this Tribunal made the following.

AWARD

This is an Industrial Dispute between the workmen and the Management of M/s. C. K. Balasubramaniam and M/s. Western-Agencies, Madras referred to this Tribunal for adjudication under Section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India, in order No. L. 33011(1)/81-D. IV(A), dated 22-5-81 of the Ministry of Labour, in respect of the following issue :

Whether the action of the Management of Messrs C. K. Balasubramaniam and Messrs Western Agencies, Madras in rendering idle 44 workers and 15 workers respectively as per annexeure with effect from 1976, is legal and justified ? If not, to what relief are the concerned workmen entitled ?

ANNEXURE

M/s. C. K. Balasubramaniam

1. A. Mohan
2. R. Rajamani
3. C. Parthasarathy
4. B. V. Rajan
5. M. Arunagiri
6. N. Radhakrishnan
7. V. S. Jagadeesan
8. B. Loganathan
9. A .Pandiyanadar
10. L. R. Sivaprakasam
11. A. Ramachandran
12. O. S. Gopal
13. S. A. Subab
14. S. Arulraj
15. L. Natesan
16. R. Panichan
17. N. Dayalan
18. J. Sivasankaran
19. T. Parthasarathy
20. B. Sivaprakasam
21. Syed Yusuf
22. W. D. Cruz
23. P. S. Poonambalam
24. K. Jaganathan
25. G. Thirumayukarasu
26. V. Santhakumar
27. A. Anandaraj
28. B. Maria Anthuvan
29. S. Joseph
30. G. Kuppiah
31. R. Frank
32. N. Santhana Gopal
33. C. Mathew
34. O. P. S. Kumar
35. P. Sekar
36. A. Paul Felix

37. S. K. Thirugnanam
38. G. Gopalakrishnan
39. P. R. Karunakaran
40. P. R. Chinnaswamy
41. C. G. Janarthanam
42. T. Magudapathy
43. S. Dharmalingam
44. K. Kannan.

M/s. Western Agencies|Madras.

1. M. Sadasivam
2. G. A. Doss
3. T. N. Prabhakaran
4. R. Jayakumar
5. M. Ramaswamy
6. C. Parasuraman
7. G. Vadivelu
8. G. Thangaprakasam
9. M. D. Natarajan
10. N. C. Vijayan
11. M. Thiyagarajan
12. G. Rayindran
13. O. Yurey
14. R. Balakrishna Kurup
15. L. Lakshiminarasimhan.

(2) Facts leading upto this dispute are as follows: The Annexure to the reference made by the Government of India, Ministry of Labour deals with 44 and 15 workers employed respectively by M/s. C. K. Balasubramaniam, Handling Agents, 5, 2nd line Beach, Madras-1 and M/s. Western Agencies, No. 192-Linghi Chetty Street Madras-1. These two Managements were Contractors of Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd., Channai House, Esplanade, Madras-1. MMTC was handling mineral inside the Madras Port from 1961 to 1976 through various contractors, including M/s. C. K. Balasubramaniam and M/s. Western Agencies, Madras. It is common case that from 1-2-1976 the work relating to handling of Iron Ore was taken over by Madras Port Trust and consequently the workmen employed by the two contractors referred to above were rendered without work. On behalf of M/s. Western Agencies, it is also pointed out that consequent on the stoppage of contract work by MMTC the workmen were paid all their legal dues on the closure of the business. W.W. 1 who was employed as a Supervisor under the Western Agencies and who is No. 15 of the workmen of Western Agencies mentioned in the Annexure to the reference made by the Government of India was obliged to admit in cross examination that the Company had paid Retrenchment compensation to all the employees. Ex. M. 1-series would also confirm the act that M/s. Western Agencies have disbursed retrenchment compensation etc., as per agreement dated 9-2-1976. Similarly it can also be taken that the workmen of M/s. C. K. Balasubramaniam were also paid their legal dues consequent on the stoppage of work. There is no dispute about the total years of service put in by the workmen respectively under the two contractors. The relief now sought for by these workmen is that from 1-2-1976 most of the retrenched workmen remained unemployed and therefore in as much as the entire work is carried on by the MMTC with the help of Madras Port Trust, either the MMTC or Madras Port-Trust or Dock Labour Board should be directed to give employment to the workmen covered by the pesent reference. It should be distinctly borne in mind that none of these workmen claim back wages or continuity of service as such against any of these three entites. As a matter of fact, Ex. W. 9 is a list containing 34 workmen who were originally working under M/s. C. K. Balasubramaniam & Co., and they were subsequently absorbed in the Dock Labour Board through the Port Trust. Therefore, the short point for consideration would be whether these workmen are entitled to be employed either by MMTC or Madras Port Trust or Madras Dock Labour Board in future.

(3) It is true that the workmen covered by the present reference were never employed directly either by MMTC or Madras Port Tust or Dock Labour Board. But upto 31-1-1976 these workmen were employed by M/s. C. K. Balasubramaniam & Co., and M/s. Western Agencies who had taken contract from MMTC. Hence it cannot be denied that MMTC remained the Principal employer of these workmen. Merely because these workmen have received their full retrenchment compensation from their contractors for the period upto 31-12-1976 it cannot be said that they would be disentitled to any relief whatsoever with effect from 1-2-1976. In this context only the fact that the Dock Labour Board through the Madras Port Trust had given an employment to 34 workmen mentioned in Ex. W. 9 who were originally working under M/s. C. K. Balasubramaniam assumes considerable significance. There is also the unchallenged testimony of W.W. 1 to the effect that some of the mazdoor workmen of these two contractors were subsequently employed by MMTC and Dock Labour Board. In further support of this position a settlement entered into between MMTC and the workmen employed by Modern Transport is relied upon. It is Ex. W. 1 dated, 25-2-1970. Modern Transport was one of the handling Agents of the MMTC and the terms of Ex. W 1 indicated that MMTC agreed to take over those employees and MMTC also under clause (4) agreed to transfer these employees to a new contractor if need to be. Therefore, one thing is certain that whenever a contract with contractor like C. K. Balasubramaniam is put an end to on whatsoever grounds M.M.T.C. as principal employer came forward to give employment to the workmen employed by the contractor. On this basis also the present Union claims that the workmen employed by the two contractors who were engaged by the MMTC must be given subsequent employment either by MMTC or Madras Port Trust or Madras Dock Labour Board. Ex. W. 2 is an extract from the Minutes of the Special Board meeting held on 20-2-1974 of the Madras Port Trust. From the discussions that took place in the meeting it can be gathered that listing of workers of M/s. C. K. Balasubramaniam and M/s. Western Agencies under the Dock Labour Board was seriously and meaningfully considered. It should be remembered that the Chairman of the Madras Port Trust is also the Ex. Officio Chairman of the Madras Dock Labour Board. Therefore, from Ex. W. 2 also it can be concluded that whenever the contract entered into by MMTC has to be put an end, the workmen employeed by the contractors were almost treated as employees of the employer namely, MMTC. On the premises and strength of Ex. W. 1 and W. 2 the present claim of the Union that consequent on abolition of the Contract by the two contractors of MMTC the workmen employed by the contractors covered by the present reference must be provided with employment either by the MMTC or Madras Port Trust or Dock Labour Board appears to be well founded.

(4) In paragraph 10 of the claim statement filed by the Petitioner-Union it is contended that the Government of India was also satisfied that under such circumstances the workmen must be provided for employment either by MMTC or Madras Port Trust. Ex. W. 3 is a communication of the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation, Government of India, dated 1-6-1977 clearly points out that consequent on the abolition of the contracts relating to handling of Iron Ore the MMTC had to entrust the work to Madras Port Trust. Ex. W. 3 further states that most of the Labour employed by the handling agents had already been taken over by Madras Port Trust Authorities. Further under Ex. W. 3 proper and necessary relief is agreed under the workmen who not yet been absorbed had been directed to approach Port Trust Authorities in this respect. In the face of Ex. W. 3 the Madras Port Trust also should constructively examine the question of giving employment of these workmen as and when any vacancy arises in future. Ex. W. 5 is a letter from the Petitioner—Union addressed to the Chairman, Port Trust Madras as early as 16-11-1979. The demand under Ex. W. 5 was that workers retrenched by the contractors C. K. Balasubramaniam and Western Agency must be given priority in employment either by MMTC or by Dock Labour Board or Madras Port Trust or by Clearing and Forwarding Agents Association or any other registered or licenced employer of Dock Workers. Ex. W. 4 is the memorandum of demands of the Petitioner—Union to the Honourable Minister for Commerce Government of India, New Delhi, dated 10-10-1980. The demand under Ex. W. 4 related to the work employed by M/s. C. K. Balasubramaniam and Sons Ex. W. 4 also refers to the fact that 93 labourers working with M/s. C. K. Balasubramaniam and Sons as the Track Clearing Mazdoors were absorbed by the Dock Labour Board. The prayer under Ex. W. 4 was that MMTC shoud be directed to give empoyment to these workmen. The hard fact remains that the Principal employer of these workmen is only MMTC. In that context reliance is placed by the Union on the latest decisions of Supreme Court reported in 1978 II L.L.J. 390 (Hussainbhai, Calicut Vs. Alath Factory Thozhilalai Union,

Calicut and others) where it is pointed out that "If the livelihood of the workmen substantially depends on labour rendered to produce goods and services for the benefit and satisfaction of an enterprise the absence of direct relationship or the presence of dubious intermediaries or the make-believe trappings of detachment from the management cannot snap the real life bond. The story may vary but the reference defined ingenuity. The liability cannot be shaken off." In the light of this decision of the Supreme Court also a duty is cast on the Principal employer namely, MMTC to provide employment for these workmen directly or through the Madras Port Trust or Madras Dock Labour Board.

(5) The Maras Port Trust would maintain that the Port Trust is not under any legal obligation to give employment to any of the workmen concerned in the present dispute. Throughout the counter statement and in paragraph (3) and (5) in particular that the agreement for shore handling operations was only between the MMTC and Messrs C. K. Balasubramaniam and M/s. Western Agencies, Madras in pargraph (3) of their counter statement it is also stated that the MMTC required the Port Trust to take over the handling operations and therefore, they appear to have cancelled the agreement entered into with the MMTC and M/s C. K. Balasubramaniam and M/s. Western Agencies, Madras. It is for MMTC to meet the obligations if any, arising out of the cancellation of the agreement. Madras Port Trust and also MMTC had with one accord take a plea that the dispute covered by the reference made by the Government of India related only to the dispute between M/s. C. K. Balasubramaniam and Company and their workmen and Western Agencies and their workmen and therefore neither MMTC nor Madras Port Trust is a necessary or proper party to the reference. It is true that in the body of the order of reference made by the Government of India, the Central Government is of opinion that an Industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of M/s. C. K. Balasubramaniam and M/s Western Agencies, Madras and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed Ex. W. 5 is the letter from the Union addressed to the Chairman, Madras Port Trust, dated 16th November, 79. Ex. W.3 is letter from the Ministry of Commerce, to the effect that redress may be had with Port Trust Authorities. Apparently there was no response from the MMTC with regard to the demand made under Ex. W.5 Ex. W.4 is also the letter of the Union dated, 10th October, 1980 routed through MMTC and also Madras Port Trust, wherein also it is pointed out that MMTC is reluctant to give employment or even a reply. It also refers to the Industrial Dispute already raised by the Union on 5th September 1979. But specifically it mentions in the final paragraph of Ex. W.4 that the Regional Commissioner of Labour held a discussion in which the Madras Port Trust Officials and Minerals and Metal Trading Corporation were present and the Madras Port Trust Officers consented for reconsideration, whereas the Minerals & Metal Trading Corporation have not come forward. There is no demur to the facts mentioned in Ex. W. 4 either from Madras Port Trust or MMTC. Both MMTC and Madras Port Trust have also participated for conciliation proceedings. Ex. W.6 is the conciliation notice issued by the conciliation Officer on 20th November, 80. Ex. W.8 is the letter from the MMTC to the conciliation Officer on 13th August 79. Ex. W. 7 is the conciliation failure report dated 5th January 81. It can be gathered from Ex. W.7 that the representative of MMTC and Madras Port Trust pointed out that there are no responsibilities whatsoever and the MMTC relied on the letter of the Commerce Ministry, dated 1st June 1977 vide Ex. W. 3 to show that they cannot provide alternative employment to the workmen. While the Union was amenable to voluntary arbitration, the two Managements did not agree to it. Thus it is manifest that both Madras Port Trust and MMTC were perfectly aware of the demands made by these workmen on them pending over several years and eventually when the Petitioner-Union moved the machinery of the Labour Department Central in conciliation both Madras Port Trust and representatives of Madras Port Trust and MMTC actually participated. On these facts it can never be said that no demands as such were made on these Managements and that the Managements were not parties to the conciliation proceedings. Just because in the body of the reference made by the Government there is no whisper about the Madras Port Trust or MMTC it cannot be said that Madras Port Trust and MMTC are not parties as contemplated under Section 18 (3) (a) of the Industrial Dispute Act, 1947. It is now well settled that the Managements who participated in the conciliation proceedings must be deemed to be parties to the dispute raised by the workmen. that apart under Section 18(3) (b) of the Industrial Disputese Act, 1947 even parties summoned to appear in the proceeding as parties with the dispute will be bound by the Award. On the materials placed, by no stretch of imagination can it be said that either madras Port Trust or MMTC had been summoned of this Tribunal without proper cause. In that view any award passed by this Tribunal would also be binding on Madras Port Trust and MMTC also under Section S. 18(3) (b) of the Industrial Disputes Act, 1947. Apparently, although Madras Port Trust draws their labour requirement through the medium of Madras Labour Board in as much as the Union did not look to Madras Labour Board directly for their employment at any stage and in as much as the Madras Dock Labour Board did not participate in the conciliation proceedings before the concerned Officer and in as much as no summons have been issued to the Madras Dock Labour Board by this Tribunal either suo moto or at instance of the Petitioner-Union, Madras Dock Labour Board will not be directly bound by this Award. It is quite a different matter that the Madras Dock Labour Board engages their workmen at the instance of either the Madras Port Trust or even MMTC. It is true that under paragraph (14) of the claim statement filed by the petitioner-Union it is also prayed alternative that Dock Labour Board may be directed to give employment of these workmen, the Learned authorised representative Thiru Balaram did not quite rightly press during his arguments this alternative relief. On the materials placed the relief granted by this Tribunal would be effective both against the Madras Port Trust and MMTC. It is stated at the bar that employment opportunities are limitless both under MMTC (Wholly owned by Government of India) and Madras Port Trust.

(6) In the result I find that there is no apparent justification for the non-employment of the workmen referred to in Annexure to the reference made by the Government of India with effect from 1-2-1976.

(7) In the circumstances an Award is passed directing the Madras Port Trust and the Minerals & Metals Trading Corporation of India Ltd., to give employment to the workmen mentioned in the Annexure to the reference made by the Government of India in future as and when an occasion arises. In the peculiar circumstances, I direct the parties to bear their respective costs.

Dated, this 10th day of March, 1982.

[Sd/- T. Sudarsanam Daniel]
INDUSTRIAL TRIBUNAL

WITNESSES EXAMINED

For workmen:—	
W.W 1	Thiru L. Lakshminarasimhan.
For Management:—	None.

DOCUMENTS MARKED

For workmen:—	
W.1/25-2-70	Copy of Memorandum of settlement under Section 12(3) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd., Madras and the Madras Port and Dock workers Congress, Madras.
W.2/—	Extract of Item No. 6 of the Minutes of the Special Board Meeting of the Madras Port Trust held on 20-2-1974.
W.3/1-6-77	Letter from Deputy Secretary, Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation, Government of India to Thiru G.N. Vadivelu & other regarding terminaton of services.

W.4/10-10-80	Memorandum of demands from the Petitioner-Union to the Honourable Minister for Commerce, Government of India, New Delhi.
W.5/1611-79	Letter from the Petitioner-Union to the Chairman, Madras Port Trust, Madras-1 to press their claims.
W.6/20-11-80	Notice from the Office of the Regional Labour Commissioner (Central), Ministry of Labour, Government of India, Madras-6 to the Petitioner-Union informing that the joint discussions or conciliation proceedings would be held at 4-12-1980.
W.7/5/8-1-81	Conciliation failure report (Copy).
W.8/13-8-79	Letter from the Minerals and Metals Trading Corporation of India Limited, Madras to the Assistant Labour Commissioner (c), Regional Labour Commissioner's Office Madras-6.
W.9/—	Statement showing workmen who were employed by M/s. C.K. Balasubramaniam & Co.,

For Management:—

M.1 series	Stamped vouchers passed by the workers of the Minerals & Metals Trading Corporation of India Ltd., (Management No. 2) for the receipt of Retrenchment Compensation.

T. Sudarsanam Daniel, Presiding Officer
Industrial Tribunal.

[F. No. L-33011/(1)/81-D. IV (A)]
T.B. SITARAMAN, Desk Officer

New Delhi, the 8th April, 1982

S.O. 1568.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on the 3-4-1982.

BEFORE THIRU T. SUDARSANAM DANIEL, B.A., B.L.,
PRESIDING OFFICER,
INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU.

(Constituted by the Government of India)

Monday, 29th day of March, 1982.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 12 OF 1982

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1) (d) of the Industrial Dispute Act, 1947 between the workmen and the Management of Central Bank of India, Madras.)

BETWEEN

The workman represented : The General Secretary, Central Bank of India Staff Union, 22, South Veli Street, Madurai-1.

AND

Regional Manager, Central Bank of India, 156, Greams Road, Madras.

REFERENCE

Order No. L-12012/98/81-D.II(A), dated 3-2-1982 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiru S. Rajaram, General Secretary, Central Bank of India Staff Union, Madras for the workman and of Thiruvalargal T. S. Gopalan, P. Ibrahim Kalifulla and S. Ravindran, Advocates for the Management upon persing the reference and the other papers on record and the representative of the Union having made endorsement for closing the dispute as the employee is not interested in the dispute and recording the same, this Tribunal made the following

AWARD

This is an Industrial Dispute between the workmen and the Management of Central Bank of India, Madras referred to this Tribunal for adjudication under Section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in their Order No. L-12012/98/81-D.II(A), dated the 3rd February, 1982 in respect of the following issue :

"Whether the Management of Central Bank of India, Madras is justified in demoting Smt. S. Palaniammal Assistant Cashier-cum-Godown Keeper from the post of Assistant Head Cashier, a post carrying special allowance, with effect from 14-12-1979 ? If not, to what relief the said workman is entitled?"

(2) Parties were served with summons.

(3) At the request of Union's representative, the dispute was posted to 29-3-1982 for filing claim statement.

(4) Today, when the dispute was called for filling claim statement, the General Secretary of Union represented that the employee concerned in this dispute is not interested in pursuing the dispute and hence the dispute may be closed and he made endorsement to that effect.

(5) In view of the endorsement, award is passed holding that the worker is not entitled to any relief. No costs.

Dated, this 29th day of March, 1982.

T. SUDARSANAM DANIEL, Presiding Officer

[No. L-12012(98)/81-D.II(A)]

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1982